जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 28 दिसम्बर, 2025

इतिहास में पहली बार

सुपरमार्केट चार पहियों पर आपके घर आएगा

महीने भर का राशन, देख कर, छू कर, क्वालिटी समझ कर फिर खरीदो

FIXED PRICE

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- तिल का तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

भारत में सभी शहरी क्षेत्रों के आसपास के वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना आवश्यक है

30 X 30 एक वैश्विक संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य 2030 तक पृथ्वी के 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की रक्षा करना है। यह जैव विविधता कन्वेंशन (सीबीडी) के वर्ष 2020 के बाद के वैश्विक जैव-विविधता ढांचे के तहत एक प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 7,935 शहर और कस्बे थे। यहाँ शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। इन शहरों और कस्बों के आसपास स्थित पेरी-अर्बन वनों की रक्षा करना पारिस्थितिक गलियारों को मजबूत करेगा, शहरी जैव-विविधता को बढ़ावा देगा और जलवायु सहनशीलता में सुधार करेगा। ये वन कार्बन भंडार के रूप में कार्य करते हैं, महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जैव-विविधता हानि को कम करते हैं। पेरी-अर्बन वनों को 30 30 रणनीति में शामिल करना समावेशी संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय समुदायों की भागीदारी और देश की अनोखी जैव-विविधता और पारिस्थितिक अखंडता के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना शामिल है।

पेरी-अर्बन वन-हरे भरे क्षेत्र जो शहरों के बाहरी इलाकों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्थित हैं-पारिस्थितिक जीवनरेखा हैं जो शहरीकरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हैं। ये वन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें कार्बन अवशोषण, जल चक्र विनियमन, जैव-विविधता संरक्षण, स्थानीय तापमान को संतुलित करना और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रकृति-आधारित समाधान के स्रोत के रूप में काम करना शामिल है।

तेजी से शहरी विस्तार के साथ, पेरी-अर्बन वन, कटाई, शहरीकरण के कारण भूमि उपयोग में बदलाव और प्रबंधन में उपेक्षा जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, इनके बहुआयामी लाभों के प्रमाणों के आधार पर, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना और उनका प्रबंधन करना आवश्यक है।

भारत विश्व स्तर पर पेरी-अर्बन वनों की बहाली की उच्चतम संभावना वाले शीर्ष चार देशों में शामिल है, जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राज़ील भी शामिल हैं। ये चार देश पुनर्स्थापन गतिविधियों के लिए उपलब्ध वैश्विक पेरी-अर्बन क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्साप्रदान करते हैं। अकेले भारत में लगभग 14 से 17 मिलियन हेक्टेयर भूमि ऐसी पहलों के लिए उपयुक्त मानी गई है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता को बढ़ावा देने और शहरी सहनशीलता में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (एस. फ्रांसिनीएटअल., नेचर सिटीज, वॉल्यूम 1, पेज 286-294, 2024)। यह वैश्विक पुनर्स्थापन प्रयासों में भारत की केंद्रीय भूमिका और लक्षित पुनर्वनीकरण गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ प्रदान करने की इसकी क्षमता को उजागर करता है।

भारत में शहरी और पेरी-अर्बन राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षण रिज़र्वों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो जैव-विविधता संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (मुंबई), जो 103 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के लिए एक हरा फेफड़ा है और तेंदुओं सहित विविध वन्यजीवों का घर है। इसी तरह, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान(भोपाल), 4.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और प्राकृतिक बाड़ों में जानवरों के साथ एक प्राणी उद्यान के रूप में कार्य करता है। गिंडी राष्ट्रीय उद्यान (चेन्नई), जो केवल 2.7 वर्ग किलोमीटर में फैला है, काले हिरण, चीतल और पक्षियों के लिए एक शहरी अभयारण्य है।

हैदराबाद में कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान, जो 1.43 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के केंद्र में स्थित एक शहरी वन है, जो उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनस्पति को संरक्षित करता है और आवश्यक पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। महावीर हरीना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान, 14.59 वर्ग किलोमीटर में फैला है और काले हिरणों की आबादी और शिक्षा तथा मनोरंजन में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (बेंगलुरु), 260.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और हाथी गलियारे और पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं को जोड़ता है, जो शहरी दबावों और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाता है।

चंदका-दामपाड़ा वन्यजीव अभयारण्य, जो भुवनेश्वर, ओडिशा के पास स्थित है, 193.39 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और शहरी क्षेत्रों के करीब एक महत्वपूर्ण हाथी अभयारण्य है। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और जैव-विविधता को संरक्षित करने में पेरी-अर्बन संरक्षित क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करता है। जयपुर का झालाना-अमागढ़ कंजेर्वेशन रिज़र्व, जो 32 वर्ग किलोमीटर में फैला है, अपनी बढ़ती तेंदुओं की आबादी, कार्बन संचय, भू-जल पुनर्भरण और पर्यावरण पर्यटन के लिए जाना जाता है।

हमने हैदराबाद, तेलंगाना के पास स्थित 109 शहरी और पेरी-अर्बन वनों में से एक का दौरा किया, जो 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन प्रजातियों के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनर्जनन को प्रदर्शित करता है। मजबूत संरक्षण उपायों ने जैव-विविधता की रक्षा की है, जलग्रहण क्षेत्र की स्थिति को बेहतर बनाया है और आसपास की झीलों को स्वच्छ पानी प्रदान किया है। इसी प्रकार हैदराबाद का कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान एक महत्वपूर्ण शहरी संरक्षित क्षेत्र है, जहाँ चंदन (सैंटलम एल्बम) के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनरुत्पादन को देखा गया है। यह मुख्य रूप से पक्षियों द्वारा बीजों के प्रसार के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें बुलबुल पक्षी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ये पक्षी पार्क के 353 एकड़ क्षेत्र में, जिसमें संरक्षण और पर्यटन क्षेत्र दोनों शामिल हैं, बीजों को फैलाने में सहायक हैं।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल शहर के लिए हरे फेफड़े का काम करता है, जैव-विविधता संरक्षण में योगदान देता है, पारिस्थितिक पर्यटन को बढ़ावा देता है, और आसपास की झील के लिए जल विनियमन को बेहतर बनाता है। अपनी छोटी सीमा के बावजूद, वन विहार संरक्षण और मनोरंजन के बीच संतुलन स्थापित करता है। पारिस्थितिक संरक्षण और शहरी योजना को एकीकृत करने का उत्तम उदाहरण है।

पेरी-अर्बन वन स्थानीय जलवायु को स्थिर करने के लिए अपरिहार्य हैं,विशेष रूप से उन शहरी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जो अत्यधिक गर्मी की चपेट में आते हैं। झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रोफेसर आर. योसेफ और उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि पेरी-अर्बन वनभूमि सतह तापमान (LST) को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व के भीतर का थ्एऊ, आसपास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में सभी मौसमों में काफी कम था। यहशीतलन प्रभाव दिखाता है कि वन शहरी गर्मी द्वीपों (Urban Heat Islands) का कैसे मुकाबला करते हैं, जो अन्यथा शहरों में गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाते हैं (Forests, Vol. 13, Pages 1101, 2022)? यह निष्कर्ष घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारने के लिए भारत में शहरी और पेरी-अर्बन वनों को प्राथमिकता देने की मजबूत वकालत करता है।

शीतलन के अलावा, पेरी-अर्बन वन वैश्विक जलवायु शमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एस. फ्रांसिनी और उनके सहयोगियों ने पाया कि विश्व स्तर पर उपयुक्त पेरी-अर्बन क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करके 101 से 106अरब पेड़ों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सकता है,जो कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण योगदान देगा (Nature Cities, Vol. 1, Pages 286–294, 2024)?

पेरी-अर्बन वनों में निवेश पारंपरिक 'ग्रे' अवसंरचना,जैसे बांध और तटबंध, के बजाय बाढ़ नियंत्रण और जलवायु अनुकूलन के लिए एक किफायती विकल्प है। आर. मलेकनिया और उनकी टीम द्वारा किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि पेरी-अर्बन वन प्राकृतिक स्पंज के रूप में कार्य करते हैं, वर्षा जल को अवशोषित करते हैं, जल पुनर्भरण करते हैं, और शहरी बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं (Forests, Vol. 15, 2024)? यह पारिस्थितिकी सेवा आपदा के बाद के पुनर्वास पर होने वाले आर्थिक बोझ को कम करती है और दीर्घकालिक सहनशीलता सुनिश्चित करती है।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

पेरी-अर्बन वन स्वच्छ हवा प्रदान करके, गर्मी के तनाव को कम करके और मनोरंजन स्थल के रूप में शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। ये लाभ विशेष रूप से भारत के घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जहाँ हीट-वेव और वायु प्रदूषण शहरी समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, पेरी-अर्बन वन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। मनोरंजन स्थलों के रूप में ये वन व्यायाम और विश्राम के अवसर प्रदान करते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना एक क्रांतिकारी नीतिगत समाधान है, जो इन वनों की सुरक्षा को संस्थागत रूप देगा और उनके पारिस्थितिक,आर्थिक और सामाजिक लाभों को पूरी तरह से प्राप्त करने की क्षमता को साकार करेगा। कंजर्वेशनरिज़र्व कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं, जो वनों को शहरी अतिक्रमण और अव्यवस्थित दोहन से बचाते हैं, साथ ही समुदाय की भागीदारी को भी सक्षम बनाते हैं। पेरी-अर्बन वनों के संरक्षण को लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरणों का उपयोग करके पेरी-अर्बन वनों की पहचान और मूल्यांकन करना चाहिए, जो भूमि सतह तापमान और पारिस्थितिकी सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा। दूसरे, नीतिगत और कानूनी सुधारों के माध्यम से इन क्षेत्रों को औपचारिक रूप से समय समय पर संशोधित, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप कंजर्वेशन रिज़र्व के रूप में नामित करना आवश्यक है, जिससे इनकी दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तीसरे, सहभागी योजना और शिक्षा के माध्यम से समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, ताकि जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्रयासों में भागीदारी सुनिश्चित हो। चौथे, सीधी बुआई(बीजारोपण), असिस्टेड नेचुरल रिजनेरेशन जैसी वैज्ञानिक पुनर्स्थापन तकनीकों का उपयोग करके वनों के पुनर्स्थापन और क्षतिग्रस्त वनों को बेहतर करने में मदद मिल सकती है। अंत में, जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से पेरी-अर्बन वनों के पारिस्थितिक और सामाजिक लाभों को उजागर किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। इन सभी प्रयासों से पेरी-अर्बन वनों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक लाभों में भी योगदान देगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

अंगदान से बढ़कर कोई दान नहीं, लोगों को जागरुक करने की महत्ती आवश्यकता

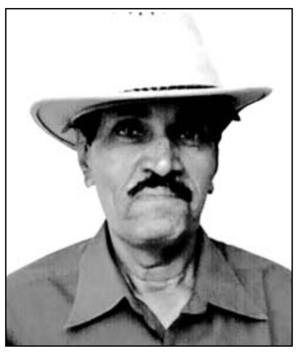

मिश्रीलाल पंवार

भारतवर्ष में प्राचीन काल से ही दान का बड़ा महत्व रहा है। वैसे दान के भी कई प्रकार होते हैं। संकट के समय किसी जरुरतमंद की मदद कर उसे संकट से बचा लेना ही दान कहलाता है। कथा अनुष्ठानों में संत महात्माओं द्वारा दान का खूब गुणगान किया जाता है। मगर उनका लक्ष केवल धन की तरफ रहता है। अंगदान जैसे महत्वपूर्ण दान पर कोई नहीं बोलता। जबकि अंगदान सबसे बड़ा दान है तथा इस पर ध्यान देना आज की पहली आवश्यकता है। बदलते दौर में अंगदान का महत्व बहुत बढ़ गया है। इससे बड़ा कोई अन्य दान नहीं है।

प्राचीन काल में महर्षि दधीचि ने संसार पर आए संकट को टालने तथा दैत्यराज वृत्रासुर के अत्याचारों से मनुष्य जाति को बचाने के लिए अपनी हड्डियाँ देवताओं को दान कर दी थी। अपने शरीर का मोह त्याग कर लोकहित में अपना जीवन त्यागने की यह घटना विश्व में अजय अमर हो गई। उनकी हड्डियों से बने वज्र से ही इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया था। यह दान परोपकार और निस्वार्थ भाव का एक महान उदाहरण है, जहाँ उन्होंने अपने शरीर का त्याग करके देवताओं को शक्तिशाली अस्त्र (वज्र) प्रदान किया।

शास्त्रों के अनुसार वृत्रासुर नामक राक्षस देवताओं और मनुष्यों पर अत्याचार कर रहा था और वह कोई भी अस्त्र मार से मर नहीं रहा था, क्योंकि उसके पास वरदान था कि उसे किसी अस्त्र से नहीं मारा जा सकता। परेशान देवता भगवान शिव के पास पहुंचे और वृत्रासुर राक्षस की बात बताई। भगवान शिव ने कहा कि इसमें सिर्फ महर्षि दधीचि की आप लोगों की सहायता कर सकते हैं। उनकी हड्डियों में व्रज जैसी शक्ति है। महर्षि दधीचि अगर अगर अपनी हड्डियां तुम्हें दान कर देते हैं तो उससे अस्त्र बना कर वृत्रासुर से युद्ध करोगे तो उस राक्षस का अन्त हो जाएगा।

भगवान शिव की बात सुनकर इंद्र और अन्य देवता महर्षि दधीचि के पास पहुंचे और उनकी अस्थियाँ मांगीं। जिससे वे वज्र नामक एक दिव्य और शक्तिशाली अस्त्र बना सकें।

महर्षि दधीचि ने लोक-कल्याण के लिए अपना शरीर त्यागने का निर्णय लिया। उन्होंने समाधि लगाकर योगबल से अपने शरीर का त्याग कर दिया और केवल अस्थियाँ शेष रह गईं। उन हड्डियों से इंद्र ने वज्र बनाया। इस वज्र से इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया और पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया। यह दान निस्वार्थ सेवा, त्याग और लोकहित के लिए था। इससे संसार के प्राणियों की रक्षा हो सकी।

वर्तमान के बदलते दौर में व्यक्ति नाना प्रकार की बिमारियों का शिकार होकर काल का ग्रास बन रहा है। ऐसे लोगों को बचाने तथा नई जिंदगी देने के उद्देश्य से अंगदान के महत्व को समझा गया। सरकार ने इसके महत्व को देखते हुए कई कद उठाए। अंग दान एवं प्रत्यारोपण मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 बनाया। इस कानून को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस अधिनियम को 2011 में संशोधित किया गया था। इस कानून का उद्देश्य चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए मानव अंगों को निकालने, भंडारण करने और प्रत्यारोपण करने को विनियमित करना है। लोगों को जागरूक करने के कार्यक्रम चलाए गए। धीरे-धीरे इसके सुखद परिणाम भी आने लगे।

2024 में भारत ने 18,900 अंग प्रत्यारोपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका व चीन के बाद दुनिया में तीसरा स्थान प्राप्त किया। खास बात यह है कि भारत ने जीवित अंगदान में पहला स्थान पाया है, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आम नागरिकों में आग दान के प्रति जागरूकता आई है।

भारत कुल अंग प्रत्यारोपण के मामले में तीसरे स्थान पर है, जबकि पहले स्थान पर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरे पर चीन है। भारत जीवित दाता अंग प्रत्यारोपण के मामले में प्रथम स्थान पर है।

राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्यारोपण की उपलब्धता को बढ़ाना, जागरूकता में सुधार करना और आवश्यक अवसंरचना में वृद्धि करना है। यह कार्यक्रम एक नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है, जिसमें राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन,क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन तथा राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन शामिल है।

अंग प्रत्यारोपण में इस वृद्धि के बावजूद, भारत में मृतक के अंग दान की दर बहुत कम है, जो प्रति दस लाख जनसंख्या पर 1 से भी कम है। स्पेन में यह दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर 48 है।

आधार-लिंक्ड डिजिटल प्रतिज्ञा पोर्टल को सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था। इसके माध्यम से 3 लाख से अधिक नागरिकों ने अंगदान के लिए अपनी प्रतिज्ञा को पंजीकृत कराया है। 2024 में "अंगदान जन जागरूकता अभियान" को शुरू किया गया था।अंगदान में तेलंगाना ने भारत में नंबर 1 राज्य का दर्जा प्राप्त किया।

ओरगन डोनेशन इन इंडिया 2025: पर हर साल स्वास्थ्य के क्षेत्र में अलग-अलग रिकॉर्ड दर्ज होते हैं। साल 2025 में जब राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन और राज्यों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं ने देश में अंगदान-अभियान को गति दी, तो जन जागरूकता से तेलंगाना ने खुद को टॉप पर रखा। अगस्त 2025 में, तेलंगाना को द्वारा भारत का नंबर वन राज्य घोषित किया गया। 15वें भारतीय अंगदान दिवस समारोह में तेलंगाना को सम्मानित किया। अंगदान को लेकर लोगों को जागरूक करने की आज बहुत आवश्कता है। हांलांकि शासन प्रशासन द्वारा इस दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं और उसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

पिछले दिनों जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सी.आर. चौधरी की अगुवाई में अस्पताल स्टाफ और मरीजों ने अंगदान करने की शपथ ली तो कईयों का ध्यान इस तरफ गया।कार्यक्रम में डॉक्टर चौधरी ने अंगदान को लेकर जानकारी दी।

डॉ. चौधरी का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे अभियान का मकसद हर व्यक्ति को अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक करना है, जिससे किसी की मौत दूसरों की जिंदगी बचा सके। उन्होंने कहा कि कई बार किडनी, लिवर या हार्ट फेल होने के कारण मरीजों की मौत हो जाती है, जबकि अंगदान से ऐसे सैकड़ों लोगों को नई जिंदगी दी जा सकती है।

उन्होंने बताया कि भारत में हर साल हजारों मरीज ऐसे होते हैं जिन्हें किडनी,लिवर,आंख या हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन दाता (डोनर) न मिलने से उनकी मौत हो जाती है। एक व्यक्ति अगर मृत्यु के बाद अपने अंग दान करता है तो वह 8 लोगों की जिंदगी बचा सकता है और 50 से ज्यादा लोगों की जीवन गुणवत्ता सुधर सकती है। 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति जीवित रहते हुए या मृत्यु के बाद अंगदान की इच्छा जताकर डोनर बन सकता है। जीवित व्यक्ति अपनी एक किडनी, लिवर का हिस्सा, या ब्लड और बोन मैरो दान कर सकता है।मृत्यु के बाद व्यक्ति का दिल, लिवर, किडनी, फेफड़े, पैंक्रियास, कॉर्निया और त्वचा जैसे अंग दान किए जा सकते हैं।

-मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी पाली के नेहड़ा बांध का निरीक्षण करने पहुंची

पाली, (नि.सं.)। नेहड़ा बांध अब पानी नहीं, रंग-बिरंगे जहर से भरा है। कपड़ा फैक्ट्रियों का अनट्रीटेड रासायनिक पानी चोरी-छिपे बांडी नदी में छोड़ा जा रहा है, जो 60-70 गांवों की फसलों को जड़ से बर्बाद कर रहा है। गेहूं-सब्जियां उगती नहीं, उगती भी हैं तो बिकती नहीं। जिन्हें खा रहे हैं, वे हार्ट, कैंसर और किडनी के गंभीर मरीज बन रहे हैं। पशु बांझ हो रहे हैं, जमीन बंजर होती जा रही है। यह दर्द पिछले 40 साल से किसान झेल रहे हैं, लेकिन फैक्ट्री मालिकों के आगे प्रशासन की सुनवाई नहीं हो रही। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी, सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के नेतृत्व में नेहड़ा बांध पहुंची। किसानों ने रो-रोकर अपना दुख सुनाया। जस्टिस लोढ़ा ने खुद नदी में बहता रंगीन पानी देखा, फोटो-वीडियो बनाए और नाराजगी जताई।

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी ने नेहड़ा बांध का निरीक्षण किया।

किसान नेता महावीर सिंह सुकरलाई ने बताया कि अवैध पाइपलाइन पकड़ी गई, लेकिन मुकदमा तक नहीं दर्ज हुआ। पुखराज पटेल ने सवाल उठाया कि सिंचाई विभाग कार्रवाई क्यों नहीं करता? मदन सिंह जागरवाल ने खुलासा किया कि गुजरात से रासायनिक टैंकर रात में बांडी में खाली होते हैं। सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के साथ आई टीम नेहड़ा बांध की स्थिति का जायजा लेकर जेतपुर-गढ़वाड़ा के बीच स्थित बांडी नदी की रपट पहुंची, जहां भी नदी में उन्हें रंगीन पानी बहता नजर आया। दीपक बामणिया ने कहा कि उन्होंने दूषित हो रहे नेहड़ा बांध को लेकर अनशन किया तो उन्हें जेल में डाल दिया। यहां से टीम किसानों के कहने पर छापरिया गांव गई, जहां सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा को किसानों ने बताया कि कैसे उनके खेत रंगीन पानी के कारण खराब हो चुके हैं। सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा पाली सर्किट हाऊस पहुंचे। लंच के बाद हाईवे से होते हुए उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांट संख्या की स्थिति देखी और टैंकरों के चक्के के निशान देख नाराजगी जताई। यहां भी उन्हें बांडी नदी में रंगीन पानी नजर आया। टीम यहां का निरीक्षण करने के बाद वापस जोधपुर चली गई।

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा जब जेतपुर के निकट बांडी नदी की रपट से नदी में बह रहा दूषित पानी देख रहे थे, इस दौरान कई किसानों ने उनसे आग्रह किया कि छापरिया गांव के हालात काफी विकट हैं। इस पर वे अपना शेड्यूल बदलकर छपरिया गांव की तरफ निकले, लेकिन सिंगल कच्चे रोड पर 7-8 किलोमीटर चलने के बाद भी जब गांव नहीं आया तो उन्होंने नाराजगी जताई कि आपको सच बोलना चाहिए था कि तीन किलोमीटर का बोल कर 7-8 किलोमीटर दूर लेकर आ गए। इससे आगे को पूरा शेड्यूल बिगड़ रहा है।

इस दौरान उनके साथ जिला कलैक्टर एलएन मंत्री, एसपी आदर्श सिधु, एएसपी त्वरित अनुसंधान सेल जयसिंह सीओ ग्रामीण अमरसिंह रत्नू, सीओ सोजत रतनाराम देवासी, जेतपुर थानाप्रभारी जबरसिंह, रोहट थानाप्रभारी पदमपाल सिंह सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। वहीं नेहड़ा बांध, जेतपुर के पास नदी की रपट पर भी बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

- **सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा ने नदी में बहता रंगीन पानी देखा, फोटो-वीडियो बनाए और नाराजगी जताई**
- **नेहड़ा बांध अब पानी नहीं, रंग-बिरंगे जहर से भरा है, कपड़ा फैक्ट्रियों का अनट्रीटेड रासायनिक पानी चोरी-छिपे बांडी नदी में छोड़ा जा रहा है**

शीतकालीन अवकाश में भी आंगनबाड़ी केंद्र खुले

अलवर शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं

अलवर, (निसं)। राज्य सरकार और शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्कूलों में तो शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिए लेकिन आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश करना भूल गई। जिले में हजारों की संख्या में आंगनबाड़ी केन्द्र खुले हुए हैं। उसमें मासूम और छोटे बच्चे शिक्षा का अनुभव या यूं कहे गरीब परिवार के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते है जो मात्र तीन से पांच साल की आयु के ज्यादातर देखे जा रहे हैं। अलवर में पारा पांच डिग्री पर पहुंच चुका है लेकिन ये मासूम इतनी ठंड में भी आंगनबाड़ी में पढ़ने आ रहे हैं।

आंगनबाड़ी पर तीन से 6 साल तक के छोटे बच्चे आते हैं। किराया कम होने की वजह से बहुत से केंद्र ऐसे हैं जहां सीलन व गलन वाले कमरों में बच्चों को बैठाया जा रहा है। ये तंग गलियों में हैं, इस वजह से धूप भी कम आती है। इस वजह से बच्चों को तेज सर्दी में पढ़ना पड़ रहा है। शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जो सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत कार्यकर्ता व सहायिकाओं के लिए दस-दस दिन का अवकाश दिया जाता है, जिसमें महिला कार्मिक बारी-बारी से अवकाश ले सकती हैं, ताकि केंद्र बंद न रहे और बच्चों की देखभाल व सरकारी योजनाओं का संचालन होता रहे।

महेश गुप्ता, उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, अलवर का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों पर शीतकालीन अवकाश के लिए मुख्यालय से कोई आदेश जारी नहीं हुए हैं, इसलिए केंद्र खोले जा रहे हैं।

- **अलवर में पारा पांच डिग्री पर पहुंच चुका है लेकिन ये मासूम इतनी ठंड में भी आंगनबाड़ी में पढ़ने आ रहे हैं**
- **शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित, जो सुबह 10 से 2 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं**

राशिफल रविवार 28 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 8:43 तक, वारियान योग दिन 10:13 तक, बव करण दिन 12:00 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मीन, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से प्रातः 8:43 तक, रवियोग प्रातः से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, पंचक है। आज से शाकम्भरी देवी नवरात्रा आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:36 से 9:53 तक, लाभ-अमृत 9:53 से 12:28 तक, शुभ 1:46 से 3:03 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:38 तक

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

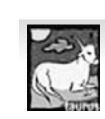

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

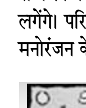

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कन्या
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

तुला
आज परिजनों/मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नये-पुराने मित्रों से संपर्क बनेंगे।

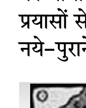

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

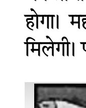

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

50 Years Of Making Men Stand Tall

BMVSS has been restoring smiles and dignity amongst the disabled since the last 50 years, without charging a single paisa from any of its patients

Be Left And Be Right

Why Britain And India Drive on the 'Left' Side of the Road

दिग्विजय सिंह सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में भी गरजे

पर चौंकाने वाली बात यह है कि पूरी बैठक में सभी ने उनकी दहाड़ को चुपचाप, ''पिनड्रॉप साइलैंस'' में सुना

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। कांग्रेस कार्य समिति की (वर्ष की आखिरी) की बैठक में तब जबरदस्त हंगामा हुआ, जब वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने संगठन के संचालन पर सवाल उठाए।

सीडब्ल्युसी बैठक का आयोजन मनरेगा के नाम बदलने पर चर्चा करने के लिए किया गया था, और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकारें इसे लागू करने के लिए पैसे नहीं जुटा पाती हैं, तो यह ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का अंत कर देगा, क्योंकि अधिकांश राज्य आर्थिक संकटों का सामना कर रहे हैं।

कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों ने इस योजना के नाम बदलने और इसके दायरे को बदलने के खिलाफ विरोध करने की शपथ ली। लेकिन पूरी बैठक को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने सवालों से लगभग हाइजैक कर लिया, जब उन्होंने संगठन को चलाए जाने पर सवाल उठाया।

क्या उनका हमला राहुल गांधी के प्रॉक्सी माने जाने वाले के.सी. वेणुगोपाल पर था? या फिर राहुल गांधी पर था, जो कभी भी छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं देते? या फिर यह हमला ''जय जगत'' पर था, जो राहुल गांधी पर काफी प्रभाव रखता है? संभवतः इन सभी पर था।

- किसी ने उनका प्रतिवाद नहीं किया, न ही उनके आरोपों के खिलाफ कोई तर्क प्रस्तुत किए।
- क्या, सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में छायी चुप्पी का मतलब है कि पार्टी के अन्य नेता भी दिग्विजय सिंह की राहुल के बारे में तीखी टिप्पणी और पार्टी के कामकाज के तरीके की कटु आलोचना से सहमत हैं।
- राहुल गांधी का कट्टर समर्थक, जय जगत ग्रुप, यहाँ तक कि राहुल गांधी के द्वारा मनोनीत संगठन महासचिव वेणुगोपाल भी चुप क्यों रहे?
- क्या दिग्विजय सिंह अकेले ही हैं, पार्टी व राहुल गांधी के खिलाफ एक तरह से विद्रोह का झंडा उठाने में, या कई और अन्य नेता भी दिग्विजय सिंह के साथ सहानुभूति रखते हैं और दिग्विजय सिंह के साथ हैं।
- पर, सी.डब्ल्यु.सी. के सभी सदस्य, दिग्विजय सिंह के प्रकरण को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं, इसीलिए दिग्विजय सिंह का मसला सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक को ''हाइजैक'' करने में सफल हुआ।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि आरएसएस एक खतरनाक संगठन है, लेकिन कांग्रेस के पास इसे चुनौती देने की शक्ति नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह संदेश देने में असमर्थ है कि वह भाजपा को चुनौती दे सकती है।

दिग्विजय सिंह ने यह भी कहा कि कांग्रेस का पूरा कामकाज केन्द्रीकृत हो चुका है और पार्टी इस स्थिति को संभालने में सक्षम नहीं है।

दिग्विजय सिंह ने इससे पहले नरेन्द्र मोदी की एक तस्वीर ट्वीट की थी, जिसमें वे एल.के. आडवाणी के चरणों में बैठे नज़र आ रहे थे, और कहा था कि भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह है भाजपा संगठन की ताकत।

उन्होंने कहा, समस्या कांग्रेस संगठन के साथ है, जो काम नहीं करता है। दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने यह स्पष्ट किया कि वे आरएसएस की तारीफ नहीं कर रहे थे, बल्कि यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि कांग्रेस आज कहां खड़ी है।

एक और ट्वीट में, उन्होंने राहुल गांधी की आर्थिक दृष्टिकोण की तारीफ की, लेकिन कहा कि उन्हें कांग्रेस और संगठन पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को मामलों के बारे में मनाना बहुत कठिन है।

इस बीच, कई सवाल उभरकर सामने आए हैं। क्या दिग्विजय सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम में 10.56 लाख वोटर्स के नाम कटे

गुवाहाटी, 27 दिसम्बर। विधानसभा चुनाव से पहले असम में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। चुनाव आयोग ने विशेष पुनरीक्षण (स्पेशल रिवीजन) के बाद राज्य की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में 10 लाख 56 हजार 291 नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इसका मकसद त्रुटिरहित और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है, ताकि आने वाले चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जा सकें।

चुनाव आयोग की ओर से जारी एकीकृत ड्राफ्ट सूची के अनुसार, असम

- चुनाव आयोग ने एसआईआर के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की।

में अब कुल 2 करोड़ 51 लाख 9 हजार 754 पंजीकृत मतदाता हैं। इस आंकड़े में 93 हजार 21 डी-वोटर शामिल नहीं हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन नामों को हटाया गया है, वे मृत्यु, स्थानांतरण या डुप्लीकेट प्रविष्टियों के कारण सूची में बने हुए थे। इन्हें हटाकर मतदाता सूची को साफ किया गया है।

विशेष पुनरीक्षण के दौरान, कुल 10,56,291 नाम हटाए गए। इनमें से 4,78,992 नाम ऐसे थे, जिन मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी थी। वहीं, 5,23,680 मतदाता अपने पंजीकृत पते से दूसरी जगह स्थानांतरित पाए गए। इसके अलावा 53,619 ऐसे नाम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिग्विजय सिंह आखिर चाहते क्या हैं?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा और कांग्रेस के वर्किंग स्टाइल की आलोचना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। ज्ञातव्य है कि एक हफ्ते पहले, उन्होंने पार्टी में सुधार की आवश्यकता के सम्बंध में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखा था। शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 1990 के दशक की एक ब्लैक एंड वाइट फोटो को साझा करते हुए, उन्होंने भाजपा और उसकी वैचारिक मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ की, जो विभिन्न मुद्दों पर हमेशा कांग्रेस के निशाने पर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कॉरा का एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें भाजपा के दिग्गज नेता एल.के. आडवाणी गुजरात में एक कार्यक्रम में भाग लेते दिख रहे हैं। युवा पीएम मोदी को आडवाणी के पास फर्श पर बैठे हुए देखा जा सकता है। इस तस्वीर को लेकर, कांग्रेस नेता ने बताया कि आरएसएस और भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता, जो कभी जमीन पर बैठते थे, वे संघ-भाजपा के पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) में आगे बढ़कर किस तरह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

सिंह ने एक्स पर लिखा, ''मुझे यह तस्वीर कॉरा साइट पर मिली। यह बहुत प्रभावशाली है। जिस तरह से आरएसएस के जमीन से जुड़े स्वयंसेवक और जनसंघ-भाजपा के कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में बैठते हैं, और राज्य के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री बन जाते हैं, वह संगठन की शक्ति है। जय सिया राम।''

- दिग्विजय सिंह ने प्र.मंत्री मोदी की एक फोटो शेयर की, जिसमें वर्ष 1996 में गुजरात में हुए एक कार्यक्रम में एल.के. आडवानी कुर्सी पर बैठे और मोदी उनके पास ज़मीन पर बैठे दिख रहे हैं।
- फोटो के साथ दिग्विजय सिंह लिखते हैं कि संघ के संगठन का इको सिस्टम ऐसा है कि एक साधारण कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और यहाँ तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है।
- इससे पहले दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस, खासकर राहुल के बारे में एक्स पर लिखा और कहा, राहुल जी सामाजिक, आर्थिक मसलों पर आपकी सोच सटीक है, लेकिन जरा कांग्रेस के संगठन पर भी ध्यान दीजिए।
- इसी पोस्ट में वे लिखते हैं कि राहुल को मनाना बेहद कठिन है।

सिंह द्वारा साझा की गई फोटो 1990 के दशक की एक विशिष्ट फोटो है, जो गुजरात की राजनीति में प्र.मंत्री मोदी के उदय और उभार को दर्शाती है। यह तस्वीर 1996 में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई बताई जाती है, जिसमें उस समय के शीर्ष भाजपा नेता शामिल हुये थे।

भाजपा ने सिंह के ट्वीट पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज किया है। पार्टी प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने कहा कि सिंह की टिप्पणी ने ''तानाशाह और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लीपा-पोती कर राज्यसभा में नया टर्म चाहते हैं दिग्विजय?

दिग्विजय का राज्यसभा में कार्यकाल नए वर्ष के आरंभ में खत्म होने जा रहा है और वे तीसरी बार राज्यसभा में जाना चाहते हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। संघ/भाजपा की तारीफ करने पर हुई आलोचना के बाद, सिंह अब लीपा-पोती में लगे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी तारीफ केवल आरएसएस/भाजपा के संगठनात्मक अनुशासन और संरचना के विस्तार तक सीमित थी, यह स्पष्ट करते हुए कि उनका सैद्धांतिक विरोध अभी भी बरकरार है।

लेकिन जो नुकसान होना था, हो चुका है। कहा जा रहा है कि दिग्विजय द्वारा की गई संघ/भाजपा की तारीफ असल में एक सौदेबाजी है, ताकि वे राज्यसभा के तीसरे कार्यकाल को सुनिश्चित कर सकें। दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का दूसरा कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में समाप्त हो रहा है, और कई कांग्रेस नेता जैसे कमलनाथ और मीनाक्षी नटराजन उनकी सीट के लिए प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी सिंह को जीतू पटवारी और उमंग सिंघार जैसे नेताओं से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

- दिग्विजय सिंह का कार्यकाल खत्म होने से रिक्त होने वाली सीट के कई दावेदार हैं, जैसे कमलनाथ, मीनाक्षी नटराजन आदि और फिर मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी आदि भी दिग्विजय सिंह के विरोधी हैं।

राहुल गांधी से पार्टी में आंतरिक सुधार करने की अपील करने के एक हफ्ते बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को उस समय एक विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने आरएसएस/भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की साफ-साफ शब्दों में सराहना करते हुए एक पुरानी तस्वीर साझा की।

आरएसएस/भाजपा के सबसे कठोर आलोचकों में से एक दिग्विजय सिंह द्वारा अप्रत्याशित तारीफ ने संघ-परिवार को खुश कर दिया है, जिन्होंने अक्सर कांग्रेस के ''पहले परिवार''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली विवाद पर लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की परिभाषा में हाल ही में हुए बदलाव से पैदा हुई चिंताओं पर स्वतःसंज्ञान लिया है। ऐसी आशंका है कि बिना रोक-टोक के

- सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय वेकेशन बैंच सोमवार 29 दिसम्बर को मामले पर विचार करेगी।

माइनिंग और गंभीर पर्यावरण नुकसान का रास्ता खुल सकता है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जे के महेश्वरी और जस्टिस ए जी मसीह की वेकेशन बेंच सोमवार 29 दिसंबर को मामले पर विचार करेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में हिंदू, कसाई घर के जानवर की भाँति असहाय व भयतीत हैं

उनके पास बचने का कोई रास्ता नहीं है, न बचाने वाली कोई संस्था, जिसकी ओर बचाव के लिए देख सकें

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। बांग्लादेश के हिंदुओं को डर है कि अगर भारत अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करता, तो उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर हत्याएं हो सकती हैं।

चारों ओर से घिरे और बेबस महसूस कर रहे बांग्लादेश के हिंदू अपनी जान बचाने के लिए भारत से मदद की गुहार लगा रहे हैं। हिंदुओं ने वहां एक राजनीतिक पार्टी बनाई है और बांग्लादेश में चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा है।

कुछ प्रमुख लोग अब आने वाले संसदीय चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने में जुट गए हैं। बांग्लादेश माइनॉरिटी जातीय पार्टी (बीएमजेपी) उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे रही है और नामांकन की अंतिम तिथि से पहले कागजात दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

- थक हार कर, हिंदुओं ने एक राजनीतिक पार्टी बनाने का निर्णय लिया है, जो आगामी चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करेगी।
- इस पार्टी ने, भारत सरकार से आग्रह भी किया है, बॉर्डर खोल दें, जिससे हिंदुओं के समक्ष सीमा पार जाने का विकल्प तो हो, अन्यथा प्रेशर कूकर जैसे उन पर प्रेशर बढ़ता ही जाता है और प्रेशर रिलीज़ करने का कोई रास्ता नहीं है।
- अगर भारी संख्या में हिंदू पलायन भी करते हैं तो भारत सरकार को यह स्थिति मान्य नहीं होगी और कुछ करने के लिए भारत सरकार बाध्य होगी। बांग्लादेश सरकार भी समझ रही है, यह अंजाम हो सकता है। अतः हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने को मजबूर होगी।

यह नई पार्टी भारत से अपील कर रही है कि वह बांग्लादेश के प्रति अपनी नीति में तुरंत बदलाव करे। अब तक भारत केवल अवामी पार्टी से ही बातचीत करता रहा है और अन्य राजनीतिक दलों को नजरअंदाज किया गया है। अब अगर भारत देश की अन्य प्रमुख पार्टियों के साथ बातचीत शुरु करता है तो इससे फर्क पड़ेगा।

वैसे भी, हिंदू समुदाय देश में नरसंहार और बड़े पैमाने पर हत्याओं के डर में जी रहा है और उनकी रक्षा के लिए कोई ठोस संस्थागत व्यवस्था नहीं है। इस स्थिति में, हताश हिंदू लोग, राजनीतिक संगठनों के माध्यम से हिन्दुओं की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जो बुनियादी शर्तें होती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नई पंचायत का दर्जा मिलने पर विधायक का भव्य स्वागत

टोंक। निवाई उपखंड के कुरावदा-सीपुरा गांव को नवीन ग्राम पंचायत का दर्जा मिलने पर सीपुरा गांव स्थित केरली धाम में एक धन्यवाद समारोह आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने विधायक रामसहाय वर्मा का भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने विधायक वर्मा का स्वागत अनोखे अंदाज में किया । इस दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल सीपुरा से उन्हें ट्रैक्टर में बैठाकर लगभग तीन किलोमीटर लंबी रैली निकाली गई, जिसमें 22 ट्रैक्टर व सैकडो ग्रामीणा शामिल रहे। जहां डीजे की धुन पर स्थानीय महिलाओं व पुरुषों ने पूरे रास्ते नृत्य कर उत्साह व्यक्त किया।

रैली के बाद करैली धाम में सभा को संबोधित करते हुए विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा स्वागत पहली बार देखा है। उन्होने किसान और ग्रामीण क्षेत्र से मिले प्रेम को अविस्मरणीय बताया। इस अवसर पर भाजपा अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज लांगडी ने ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह समारोह क्षेत्र की एकजुटता और जनप्रतिनिधि पर विश्वास का प्रतीक है।

सात साल से फरार स्थाई वारंटी आरोपी गिरफ्तार

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र की पुलिस ने करीब 7 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी आरोपी को गिरफ्तार

- **लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा यह आरोपी न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट के बावजूद फरार था। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जिले के सभी थाना अधिकारियों को निर्देशित किया गया था।**

प्रागपुरा थाना क्षेत्र की पुलिस ने करीब 7 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया।

कर बडी सफलता हासिल की है। लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा यह आरोपी न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट के बावजूद फरार था। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जिले के सभी थाना अधिकारियों को निर्देशित किया गया था। अभियान को सफल बनाने एवं प्रभावी कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली निजाम अली के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर उमेश निठारवाल के निर्देशन व प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा आरोपी की तलाश पिछले कई वर्षों से की जा रही थी।

दिए गए टास्क की पालना में अथक प्रयास करते हुए पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर स्थाई वारंटी आरोपी दलीप उर्फ सेठिया पुत्र संतलाल थाना सिंघाना जिला झुंझुनू को धर-दबोचा पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून से भागने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

शिविर में 220 मरीज लाभान्वित

कोटपूतली । विश्व हिंदू परिषद् व शैलबी अस्पताल जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में शनिवार को 220 मरीजों का उपचार किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि बालेष्वर दास महाराज व अग्रवाल समाज अध्यक्ष एड. योगेश शरण बंसल ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में अतिथियों का रामलला का चित्र भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि बालेश्वर दास महाराज ने कहा कि यह मानव जीवन हमें दूसरों की सेवा के लिये मिला है। सेवा से बड़ा कोई दूसरा कार्य नहीं है। अध्यक्षता कर रहे एड. योगेश शरण बंसल ने कहा कि ऐसे चिकित्सा शिविरां के माध्यम से लोगों को लाभ मिलता है। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री महावीर सिंह ने परिषद के कार्यों के बारे में बताया। जिलाध्यक्ष डॉ. अष्वनी गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन परिषद के जिला सहमंत्री एड. शिवकुमार गुप्ता ने किया। शैलबी अस्पताल के मैनेजर रितुराज सिंह ने बताया की अस्पताल जनसेवा के इस प्रकार के शिविर समय समय पर आयोजित करता रहता है।

सार-समाचार

अवैध कॉलोनियों में सड़कें और बिजली पोल ध्वस्त

टोंक। निवाई में राजस्व विभाग और नगरपालिका की संयुक्त टीम ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए निवाई उपखण्ड अधिकारी प्रीति मीणा के निर्देशन में निवाई क्षेत्र के जयपुर-टोंक रोड स्थित दशहरा मैदान के पास विकसित की जा रही कॉलोनियों में जेसीबी से सड़कें और बिजली के खंभे ध्वस्त किए गए। यह कार्रवाई उन कॉलोनाइजर्स और भू-माफियाओं के खिलाफ की गई, जो बिना भू-रूपांतरण करवाए और सरकारी जमीनों पर कब्जा कर अवैध कॉलोनियां विकसित कर रहे थे। पालिका अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने बताया कि अवैध कॉलोनियां काटने वाले कॉलोनाइजर्स को नोटिस जारी किए गए हैं। क्षेत्र में स्थानीय और बाहरी कॉलोनाइजर्स द्वारा मुख्य सड़क मार्गो पर कृषि और खातेदारी भूमि पर अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं, इससे राजस्व विभाग को भारी नुकसान हो रहा है । इस कार्यवाही के दौरान उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा, तहसीलदार नरेश गुर्जर, पालिका के सहायक अभियंता पप्पूलाल मीना, स्वास्थ्य निरीक्षक गजेंद्र सिंह, कस्बा पटवारी जीतराम चौधरी, कनिष्ठ सहायक रोडूलाल सैनी सहित कई पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

8 दिन से खोदकर छोड़ी सड़क, पानी में डूबा आम रास्ता

नगर पालिका की लापरवाही से जनता बेहाल

मनोहरपुर । नगर पालिका मनोहरपुर की घोर लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। नगर पालिका क्षेत्र के सारवान मोहल्ले में ठेकेदार द्वारा आठ दिन पूर्व सड़क को जेसीबी से खोदकर यूं ही छोड़ दिया गया, जिससे आम रास्ते में पानी भर गया है और लोगों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। मंजूर भाटी के मकान से नासिर कुरैशी के मकान तक तथा सारवान मस्जिद से माहवता के चौक तक की सड़क को ठेकेदार द्वारा खोद दिया गया था। हैरानी की बात यह है कि करीब आठ दिन बीत जाने के बावजूद न तो सड़क निर्माण कार्य शुरू हुआ और न ही किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था की गई। सड़क खुदी होने के कारण रास्ते में पानी भर गया है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दुपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिसलन और गड्ढों के कारण किसी बड़े हादसे से भी इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों में नगर पालिका और ठेकेदार के प्रति जबरदस्त आक्रोश है। लोगों का कहना है कि नगर पालिका की निगरानी शून्य है, तभी ठेकेदार मनमानी करते हुए काम अधूरा छोड़कर चला गया। मौके पर ही ठेकेदार से बात की तो उन्होंने कहा कि सड़क बनाने को लेकर समान सीमेंट, बजरी, रोड़ी ले आए हैं। आज सड़क डालने को लेकर मजदूरों को भी बुला लिया था पर आम रास्ते में पानी भरने से सड़क नहीं डाली गई।

गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों के बलिदान को याद किया

- **श्रद्धांजलि अर्पित की, गुरु के सेवकों ने जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जय घोष लगाये**
- **सैकड़ों यात्रियों को गरम-गरम दूध पिलाया**

देवली । शहर मे.गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा की साथ संगत ने श्री गुरुगोबिंद सिंह जी के शहिद पुत्रों की शहादत को बाल दिवस के रूप में मनाते हुए उनके बलिदान को याद किया है

तो वही शुक्रवार की शाम को बाल दिवस के इस मौके पर देवली गुरुद्वारा की संगत ने शहर के बस स्टैंड परिसर में गर्म दूध की स्टाल लगाई.और सैकड़ों यात्रियों को गरम-गरम दूध पिलाया इस पुण्य काराज में अन्य समाज के लोगों ने भी बढ चढकर सेवाएं दी । शुक्रवार को देवली शहर स्थित गुरु सिंह सभा की साथ संगत ने श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादो के बलिदान को याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की इस मौके पर गुरु के सेवकों ने.,जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल,, के जय घोष लगाये,, इसके बाद गुरु घर के सेवकों ने शहर के बस स्टैंड में गर्म दूध की छबील लगाई,, जहाँ सेवादारियों ने बस स्टैंड में आने जाने वाले सैकडो यात्रियों के बीच गरमा गरम दूध का वितरण किया । इस मौके पर देवली गुरुद्वारा ठांथि ज्ञानी त्रिलोक सिंह ने जानकारी में बताया कि हिंदू धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने पूरे परिवार को न्योछावर कर दिया है । ग्रंथि में बताया कि वीर शहीद चारों साहिबजादों मे साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह, और साहिबजादा फतेह सिंह;ने हिंदू धर्म और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है,। जिसे कभी भूलाया नहीं जा सकता है। गुरुद्वारा ग्रंथी ने यह भी बताया कि साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह चमकौर युद्ध में बहादुरी से लड़ते हुए शहीदहो गये थे.। इस दौरान मुगल वजीर खान ने गुरु जी के दो और मासूम साहिबजादे जोरावर सिंह,, फतेह सिंह को पहले तो बर्फ के ठंडे बुर्ज में रखकर कठोर यातनाये दी लेकिन दोनों मासूमो ने इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया.। इससे क्रोधित होकर मुगल वजीर खान ने साहिबजादा जोरावर सिंह,साहिबजादा फतेह सिंह को जिंदा ही ईटों से चुनवा दिया था। और हंसते-हंसते दोनों साहिबजादे भी हिंदू धर्म की रक्षा के लिए शहीद हो गए। ऐसे मे चारों साहिबजादे और गुरु गोविंद सिंह जी का पूरा परिवार हिंदू धर्म और देश की रक्षा के लिए हंसते-हंसते कुर्बान हो गया।

ज्ञानी त्रिलोक से बताया की गुरूजी के चारों साहबजादो के इन बलिदान को याद करते हुए 26 दिसंबर को बाल दिवस पर कई धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये हुऐ है।जो 28 दिसंबर तक जारी रहेंगे।

उदघाटन मैच आज

दौसा (निस.)। श्री जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब, दौसा के तत्वावधान में आयोजित 13 वीं राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत श्री जय भवानी फुटबॉल चैलेंज कप का आयोजन किया जावेगा। प्रतियोगिता का उदधाटन समारोह रविवार को प्रात:11 बजे आयोजित किया जावेगा। राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक सागर राणा तथा विशिष्ट अतिथि अशोक पाराशर होगें।

क्लब के मुख्य सचिव अमरेश जाकड़ ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच प्रातः 11:00 बजे जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब, जयपुर एवं दौसा इलेवन की टीमों के मध्य खेला जाएगा।

राठौड़ के स्वागत की तैयारी

पावटा। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राठौड का आज पावटा क्षेत्र में होटल हॉलिडे फन में निजी प्रवास के तहत आगमन हो रहा है। उनके इस निजी कार्यक्रम को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अठावाल व विधायक कुलदीप धनकड के नेतृत्व में परिवारजनों एवं निकट सहयोगियों द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

यह दौरा पूर्णतः व्यक्तिगत प्रकृति का है, जिसे शांत, सादगीपूर्ण और गरिमामय वातावरण में संपन्न किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेंद्र राठौड़ अपने निजी प्रवास के दौरान पारिवारिक एवं आत्मीय लोगों से भेंट करेंगे। कार्यक्रम को सीमित दायरे में रखा गया है तथा किसी प्रकार के सार्वजनिक अथवा राजनीतिक आयोजन की कोई रूपरेखा नहीं है। इसके बावजूद उनके आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्सुकता देखी जा रही है। आगमन स्थल एवं निवास व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर लिया गया है। यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं, ताकि निजी कार्यक्रम बिना किसी अवरोध के संपन्न हो सके। पूर्व नेता प्रतिपक्ष का यह निजी प्रवास आत्मीयता और सामाजिक सौहार्द का संदेश देता है।

कांग्रेस का स्थापना दिवस आज

टोंक। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थापना दिवस आज प्रात: 10.00 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर मनाया जायेगा। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा झंडा रोहण करेंगे तत्पश्चात कार्यालय पर कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी। जिसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी, शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से मुख्य बाजार होते हुए गांधी पार्क टोंक तक अरावली पर्वतमाला के संरक्षण (मनरेगा के नाम परिवर्तन एवं उसे कमजोर करने हेतु भाजपा द्वारा सुनियोजित षड्यंत्र के खिलाफ) पदयात्रा निकाली जाएगी।

पावटा के सबसे बड़े राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर में उत्साह

- **जमकर हो रही है खरीददारी, बच्चों से लेकर बड़ों तक उठा रहे झूलो व फास्ट फूड का लुत्फ**

पावटा। राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा के पास मैदान में सबसे बड़े मेगा ट्रेड फेयर में लोगों का उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर सहित आसपास के ठाामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं जो मेले का लुत्फा उठा रहे है। राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर बाल मनोरंजन मेला बच्चों के लिए खुशियों का बड़ा केंद्र बन गया।

मेले में लगाए गए आकर्षक और रंग-बिरंगे झूलों पर बच्चे जमकर आनंद उठा रहे है। झूलों की आवाज और बच्चों की खिलखिलाहट से पूरा मेला परिसर उत्सव में तब्दील नजर आ रहा है। राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर बाल मनोरंजन मेला आयोजक रिंकू यादव ने बताया कि मेले में चरखी, ड्रैगन झूला, नाव झूला, स्लाइड, मिनी ट्रेन सहित कई प्रकार के मनोरंजन साधन लगाए गए है। सुबह से ही बच्चों और अभिभावकों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक सभी झूलों का आनंद लेते दिखाई दे रहे है। अभिभावकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखकर स्वस्थ मनोरंजन का अवसर प्रदान करते हैं। बच्चों में उत्साह और खुशी देखते ही बन रही है। कई बच्चों ने कहा कि उन्हें झूलों पर बैठकर बहुत मजा आया और वे बार-बार झूला झूलना चाहते हैं। आयोजकों द्वारा बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए झूलों की नियमित जांच की गई तथा कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इससे अभिभावक भी निश्चिंत होकर बच्चों को झूलों पर भेजते नजर आए। बाल मनोरंजन मेले का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के तनाव से दूर रखकर मनोरंजन के साथ सामाजिक मेलजोल का अवसर देना है।

यह मेला न केवल बच्चों को खुशियां, बल्कि अभिभावकों के चेहरे पर भी मुस्कान बिखेर रहा है। मेले में बच्चों की भारी भीड़ और उत्साह को देखते हुए यह आयोजन नगर क्षेत्र के लिए यादगार बनेगा। स्थानीय लोगों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की मांग की है, ताकि बच्चों को नियमित रूप से मनोरंजन और खुशी का माहौल मिल सके। दंपतियां अपने बच्चों के साथ मेले में पहुंच रहे हैं जो झूलों सहित फास्ट फूड का आनंद उठा रहे है। वहीं, खरीददारी भी जोरो पर है। ट्रेड फेयर में लगे बड़े-बड़े झूले आकर्षण का केन्द्र बने हुए है। इस तरह मेले के आयोजकों द्वारा प्रागपुरा थाना पुलिस के सहयोग से पहुंचने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर पूरा ध्यान दिया है। वही प्रागपुरा थाना पुलिस द्वारा ध्यान दिया जा रहा है कि यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न ना हो।

खोया पाया

मेरा प्लॉट नं. 12 स्कीम रिचा विहार मूल वसीयत कहीं गुम हो गये है मिलने पर सम्पर्क करें रामगोपाल जाट पुत्र गंगा सहाय चौधरी 9414624711

सिन्धु नगर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि., जयपुर
1434, भूरा टीबा, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, जयपुर 302001
Ref No. SNCHS/2025/142 **आम सूचना** दि. 27/12/2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुजीत सिंह राजावत पुत्र श्री शम्भू सिंह राजावत निवासी प्लॉट नम्बर 43, ग्रीन पार्क-डी, नांगल जैसा बोहरा, झोटवाड़ा, जयपुर ने समिति कार्यालय में शपथ-पत्र, गुमशुदगी क्रमांक 168 दिनांक 22/12/2025 पुलिस थाना करधनी जिला जयपुर शहर पश्चिम प्रस्तुत कर समिति की योजना उत्सव एनक्लेव, जयपुर में स्थित भूखण्ड संख्या 55 क्षेत्रफल 118.06 वर्गगज का डुप्लीकेट आवंटन पत्र जारी करने की प्रार्थना की है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था व अन्य को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 14 दिवसो में समिति कार्यालय में ऐतराज प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजरे मियाद कोई ऐतराज स्वीकार नही होगा तथा डुप्लीकेट आवंटन पत्र जारी कर दिया जायेगा। (अध्यक्ष)

श्रीराम सत्संग के वार्षिकोत्सव में उमड़ी भीड़, श्रद्धालु झूमे

- **आनंद पंडित की स्वर लहरियों में रमा कोटपूतली शहर**
- **श्रीराम सत्संग का दूसरा वार्षिकोत्सव, राम दरबार सजा, रामधुन में थिरके श्रद्धालु**

कोटपूतली। श्रीराम नाम की महिमा और भक्ति की ऊर्जा से सराबोर कोटपूतली का श्रीराम भवन बीती रात उस समय भव्य संगीतमय सत्संग का साक्षी बना, जब 'हरे राम हरे कृष्ण' महामंत्र सत्संग के दूसरे वार्षिकोत्सव पर हजारों श्रद्धालु रामधुन की सुरमयी बयार में झूमते नजर आए। कलयुग में मात्र 'राम नाम' जपने से जीवन के उद्देश्य को सार्थक करने का संदेश देते इस सत्संग को दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस विशेष अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सत्संग परिवार के संयोजक और स्वतंत्र पत्रकार आनंद पंडित की बुलंद आवाज ने करीब दो घंटे तक पूरा वातावरण भक्तिमय बनाए रखा। उनकी मधुर धुनों और ऊर्जावान संकीर्तन से श्रोता बार-बार भावविभोर होते रहे। सत्संग के उपलक्ष्य में श्रीराम भवन में स्थित राम दरबार की विशेष और मनमोहक फूलों की सजावट की गई। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और प्रभु हनुमान को नयी पोषाकों से अलंकृत किया गया।

पूरा मंदिर आकर्षक पुष्प-सज्जा से सुसज्जित था। सत्संग में जब जाने-माने ढोलक वादक शोभनाथ शुक्ला और मुन्ना बहरोड़ ने ढोलक की थाप छेड़ी तो माहौल और भी उल्लासमय हो गया। पुरुष, महिलाएं, युवा-सभी अपने-आप को रामनाम की लहरियों पर थिरकने से नहीं रोक सके। ज्ञात रहे कि पिछले दो वर्षों से आनंद पंडित की अगुवाई में प्रतिदिन होने वाले इस सत्संग में नियमित रूप से दो से तीन सौ श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिसे अब कोटपूतली क्षेत्र के ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजनों में गिना जाने लगा है। वार्षिकोत्सव के इस विशेष अवसर पर हर वर्ग, हर आयु के लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

भरतपुर में सीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक

भरतपुर (निस)। भरतपुर में सीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। एक कोई व्यक्ति सीएम के काफिले में घुस गया और उनकी गाडी के पास पहुंच गया।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए व्यक्ति को पकडकर हटाया। जिला पुलिस अधीक्षक ने इस मामले में पुलिसकर्मियों को लेकर नाराजगी जताई है।

भरतपुर के सेवर स्थित लुधावई बड़ा हनुमान मंदिर के महंत श्री राम दास महाराज का देवलोकगमन होने पर भजन लाल शर्मा अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बडा हनुमान मंदिर पहुंचे थे और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में भाग लिया।उसके बाद वापस लौट रहे थे ।

उसी समय ही युवक सीएम के काफिले में घुस गया। पुलिस ने तुरंत उसे वहां से हटाया ।

नाम परिवर्तन

मैं प्रेमलता पत्नी श्री पंकज कुमार धनोपिया निवासी राधा बल्लभ मार्ग बोहरो का मोहल्ला सांगानेर जयपुर (राजस्थान) कि मेरा वास्तविक में पूर्ण नाम प्रेमलता पत्नी श्री पंकज कुमार धनोपिया है मेरे पुराने दस्तावेज में प्रेमलता धनोपिया है यह दोनों नाम मेरे ही है मुझे भविष्य में प्रेमलता के नाम से ही जाना जाए जो कि सही है।

रबी फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर

दौसा (निस.)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में रबी-2025-26 सीजन के लिए अधिसूचित गेहूं, जौ, चना, सरसो, तारामीरा एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा में अधिसूचित सौंफ, नीबू, आम, टमाटर, तरबूज फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर है। कृषि विभाग के सयुंक्त निदेशक रामराज मीना ने बताया कि गेहूं की बीमित राशि 91835, जौ की 61935, चना की 80244, सरसों की 103337 है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कथा स्थल पर पूरा वातावरण श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की भक्ति में सराबोर

कोटपूतली । कस्बे के लक्ष्मी नगर स्थित बबेरवाल मैरिज गार्डन के पास आयोजित की जा रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के छठे दिवस शुक्रवार को

- **श्री कृष्ण रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई**

अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिकता का माहौल रहा। इस मौके पर पं. डॉ. गोबिंद शास्त्री त्रिवेणी धाम के सानिध्य में यजमान रमेश व मोहन ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर भगवान श्री कृष्ण का स्मरण किया। कथा स्थल पर पूरा वातावरण श्री कृष्ण की बाल लीलाओं की भक्ति रस में सराबोर हो उठा। कथा वाचक साध्वी संत चरणदास सुनिता बहिन ने भगवान श्री कृष्ण द्वारा कंश वध की कथा, श्री कृष्ण रुक्मिणी विवाह, श्री कृष्ण गुरुकुल शिक्षा की कथा आदि का विशेष वर्णन किया। इस मौके पर श्री कृष्ण रास लीला की कथा, रुक्मिणी विवाह में भक्तों ने जमकर नृत्य किया। त्रिवेणी धाम से पधारे खोजी द्वाराचार्य सदगुरु देव श्री रामरिछपाल देवाचार्य जी महाराज ने आशीर्वचन कहे। कथा में विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल, पूर्व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश यादव ने पहुंचकर आशीर्वाद लिया।

कोटपूतली कस्बे में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी, प्राथ. स्वा. केन्द्र कारोली (तिजारा) खैरथल-तिजारा

क्रमांक -2025/120 **खुली निविदा सूचना** दिनांक :19.12.2025

सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ. स्वा. केन्द्र कारोली (तिजारा) खैरथल-तिजारा द्वारा निम्न सेवाये उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क.स.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	बोली प्रपत्र प्राप्ती की अंतिम तिथी व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम तिथी व समय	बोली प्रपत्र खोलने तिथि व समय
1	2	3	6	7	8
1.	मशीन विद मैन (संविदा) कम्प्यूटर ऑपरेटर (1)	140000/-	31.12.2025 12.00 PM	31.12.2025 1.00 PM	31.12.2025 2.00 PM
2.	सफाई कार्य (1)	140000/-	31.12.2025 12.00 PM	31.12.2025 1.00 PM	31.12.2025 2.00 PM

नियम एवं शर्ते-

1. निविदाऐं दोहरी बिड प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमें अमानत राशि का डीडी/बैंकर्स चैक, समस्त वांछित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छाया प्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैंकर्स चैक राजस्थान मेडिक्येर रिलीफ सोसाइटी, कारोली के नाम से व खैरथल-तिजारा शाखा पर देय होगा। दूसरा लिफाफा (ख) वित्तीय बिड का होगा, जिसमें सिर्फ प्रस्तावित दरें ही दी जावेगी । तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की ही वित्तीय बिड खोली जावेगी ।
2. प्राप्त निविदाऐं दिनांक 31.12.2025 को दोपहर 1.00 तक जमा की जायेगी तथा 31.12.2025 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी ।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है। जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा प्राप्त की जा सकती है ।
4. अधिक जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने के सम्बन्ध मे समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।

सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी
प्राथ0स्वा0केन्द्र कारोली,(तिजारा)

भारत के न्यूजीलैंड और ओमान के साथ हुए व्यापार समझौते टैक्सटाइल, रत्न और हस्तशिल्प क्षेत्रों में नए अवसर खोलेंगे

जयपुर (कासं)। भारत-न्यूज़ीलैंड ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता राजस्थान के लिए टैक्सटाइल, रत्न और आभूषण और हस्तशिल्प जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नए व्यापार और निवेश के अवसर खोलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के नेतृत्व में हस्ताक्षिरत मुक्त व्यापार समझौते से राजस्थान के लिए कई क्षेत्रों में व्यापार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। जिसमें टैक्सटाइल और परिधान, चमड़ा और जूते, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, हस्तशिल्प, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, फार्मास्यूटिकल्स, और प्लास्टिक और रबर उत्पाद शामिल हैं। कई उत्पाद श्रेणियों पर 10 प्रतिशत तक टैरिफ खत्म होने से राजस्थान के निर्यातक न्यूज़ीलैंड के बाज़ार में अधिक प्रतिस्पर्धी तरीके से पहुंच पाएंगे।

■ **टैक्सटाइल, चमड़ा, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, हस्तशिल्प उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, प्लास्टिक, रबर उत्पादों का व्यापार बढ़ने की संभावना : सुरेश ओला**

राजस्थान के उद्योग विभाग के आयुक्त सुरेश कुमार ओला का कहना है कि, इस समझौते से विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों को लाभ होने की उम्मीद है, जो उत्पादन, निर्यात और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देकर राजस्थान के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ है। यह सेवाओं, शिक्षा और कुशल कार्यबल विकास में भी नए रास्ते खोलता है, क्योंकि न्यूज़ीलैंड भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए समर्पित वीज़ा मार्ग बना रहा है। इससे राजस्थान के युवाओं और इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, निर्माण, आयुष और पर्यटन में कुशल पेशेवरों को लाभ होगा। इसके अलावा, इस समझौते में 15 वर्षों में 20 बिलियन के निवेश की प्रतिबद्धता शामिल है, जो राजस्थान को विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, कृषि मूल्य श्रृंखला, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य उभरते क्षेत्रों में दीर्घकालिक विदेशी निवेश आकर्षित करने के अवसर प्रदान करेगा।

समझौते के तहत, ओमान ने अपनी 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्त कर दिया है, जबकि भारत ने अपनी 77.79 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर रियायतें दी हैं। जैम्स और ज्वैलरी, टैक्सटाइल, लेदर, फुटवियर, स्पोर्ट्स गुड्स, प्लास्टिक, फर्नीचर, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट, इंजीनियरिंग प्रोडक्ट, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल डिवाइस और ऑटोमोबाइल सहित कई प्रमुख सेक्टर को टैरिफ पूरी तरह खत्म होने से फायदा होगा।

सुरेश ओला ने कहा कि जैम्स और ज्वेलरी सेक्टर में, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर, हस्तनिर्मित ज्वेलरी, और वैल्यू-एडेड रत्न उत्पादों को ड्यूटी-फ्री एंट्री मिलेगी, जिससे मार्जिन में सुधार होगा और एक्सपोर्ट वॉल्यूम बढ़ेगा। इसी तरह, टैक्सटाइल और हैंडीक्राफ्ट सेक्टर में, हथकरघा उत्पादों, होम फर्निशिंग, कालीन और कपड़ों को खाड़ी देशों और री-एक्सपोर्ट बाजारों में बेहतर पहुंच मिलेगी। लेदर, फुटवियर और फर्नीचर का एक्सपोर्ट भी बढ़ेगा, क्योंकि इन क्लस्टर के लिए टैरिफ खत्म कर दिए गए हैं। कृषि और प्रोसेस्ड उत्पादों के सेक्टर में, मसाले, दालें, तिलहन और ऑर्गेनिक उत्पादों को भारत के सर्टिफिकेशन की स्वीकृति से फायदा होगा, जिससे सीधे एक्सपोर्ट बढ़ेगा, रोजगार पैदा होगा और पूरे राजस्थान में कारीगरों, महिला उद्यिमयों और को सशक्त बनाया जाएगा। मध्य पूर्व और अफ्रीका के लिए लॉजिस्टिक्स और री-एक्सपोर्ट हब के रूप में ओमान की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति राजस्थान के एक्सपोर्टर्स, खासकर को खाडी अफ्रीकी और पश्चिम एशियाई बाजारों में विस्तार करने में और मदद करेगी।

क्रिप्टो के नाम पर 10 लाख रुपए की ठगी का पर्दाफाश

जयपुर पुलिस की साइबर सेल ने दबोचे दो शातिर ठग

जयपुर । पुलिस आयुक्तालय की साइबर सेल ने ऑन लाइन क्रिप्टो करेंसी यूएसडीटी खरीदने के नाम से लाखो रुपयों की धोखाधड़ी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों ने गिरोह में शामिल अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद अन्य कई धोखाधड़ी की वारदात खुलने की संभावना जताई है।

पुलिस कमिश्नरेट की साइबर सेल ने दो शातिर ठग गिरफ्तार किए।

बताया जा रहा है की गिरफ्तार अभियुक्त मुरारी लाल सैनी और रवि कुमार मीणा दौसा के रहने वाले और और खुद को दुबई के लीगल ट्रेडर्स बताकर पीड़िता को झांसे में लेते और बैंक एंड कॉन्ट्रेक्ट कोड के जरिए वॉलेट हैक कर लेते थे। शातिर बदमाशों ने इसी तरह से ऑन लाइन क्रिप्टोकरेंसी यूएसडीटी खरीदने के नाम से करीब 9 लाख रुपए की थी। पुलिस को आरोपियों के मोबाइल से 9991 यूएसडीटी बरामद कर ली है।

बताया जा रहा है कि ये पहला मामला है। जहां से न्यायालय के आदेश पर पीड़ितों को डिजिटल एसेट्स वावस ट्रांसफर किए जाएंगे। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अनजान निवेश लिंक और कॉल से सावधान रहें और साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 पर संपर्क करें। इस साइबर ठगी का पर्दाफाश करने में पुलिस निरीक्षक मानसिंह, सउनि. सीताराम, हैड कानि. दिलीप सिंह, जगदीश प्रसाद, कानि. राकेश कुमार, प्रकाश गढ़वाल व सतीश कुमार की अहम भूमिका रहीं।

रीको में 39 सिविल सहायक स्थल इंजीनियर्स की भर्ती

जयपुर । नए वर्ष 2026 में राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रीको) ने प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले हैं। रीको द्वारा सिविल कैडर में 39 सहायक स्थल अभियंता के पदों पर भर्ती की जा रही है। पद के लिए वे अभ्यर्थी पात्र होंगे जोकि मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 60 प्रतिशत अंक के साथ सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक होंगे और जिनके पास वैध गेट स्कोर है। योग्य उम्मीदवार 29 दिसंबर से 27 जनवरी तक ऑनलाइन पॉर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। ज्ञात रहे कि रीको राजस्थान सरकार का अग्रणी उपक्रम है जो राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना एवं इनमें रखरखाव का कार्य करता है। वर्तमान में राज्य में रीको के 33 इकाई कार्यालयों के अंतर्गत 445 औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं। इन इकाई कार्यालयों में कार्यरत सहायक स्थल अभियंता (सिविल) संबंधित औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्यों यथा सड़क निर्माण, भवन निर्माण एवं अन्य सिविल कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

मीलों लंबे सफर की शुरुआत छोटे से कदम से : डॉ. चिन्मय

जयपुर (कासं)। हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति एवं गायत्री परिवार के युवा मनीषी डॉ. चिन्मय पंड्या शनिवार को एक दिवसीय प्रवास पर जयपुर पहुंचे। उन्होंने सांगानेर की वाटिका स्थित गायत्री शक्तिपीठ में वेदमाता गायत्री और युग ऋषि पं.श्रीराम शर्मा और भगवती देवी शर्मा के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित किए।

गायत्री शक्तिपीठ वाटिका के व्यवस्थापक रणवीर सिंह चौधरी एवं अन्य ने डॉ. चिन्मय पंड्या, गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल, सतीश भाटी, डॉ. प्रशांत भारद्वाज का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद डॉ. चिन्मय पंड्या ने शक्तिपीठ के सामने वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी स्मृति वन का शिलान्यास किया। इस मौके पर डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि गायत्री परिवार इस तरह के स्मृति वन देश के सभी जिलों में विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मीलों लंबे सफर की शुरुआत भी एक छोटे से कदम से होती है। आज लिया गया स्मृति वन का संकल्प कल एक युगातंर कारी सिद्ध होगा। इसलिए छोटे-छोटे संकल्प लेकर महान कार्य करने का साहस जुटाना चाहिए। डॉ. चिन्मय पंड्या शनिवार सुबह बनीपार्क स्थित गायत्री परिवार के कार्यकर्ता के घर पर कुछ देर रुके। कैलाश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल ने उनका स्वागत किया। इस स्मृति वन नक्षत्र वाटिका, नवग्रह वाटिका एवं राशि आधारित वाटिका का निर्माण किया जाएगा। स्मृति वन में कल्पवृक्ष, कदम, पुत्रजीवा, बहेड़ा, गुलर, अमलताश, अर्जुन, पारिजात, कदली फल, बादाम, मौलश्री, शमीवृक्ष, बूबना, अंजीर सहित अनेक प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे जो भविष्य में विशाल वृक्षों का रूप लेंगे। शास्त्रों में इन पौधों को मंगलकारी माना गया है। नवग्रह वाटिका में श्रद्धालु अपनी-अपनी राशि के अनुसार निर्धारित पौधों के नीचे बैठकर जप-तप, ध्यान एवं साधना कर सकेंगे। यहां सभी 9 ग्रहों, 12 राशियों एवं 27 नक्षत्रों के अनुरूप पौधारोपण किया जाएगा। नवग्रहों के लिए सूर्य ग्रह हेतु आक, चंद्र के लिए गुलर, मंगल के लिए खेर, बुध के लिए अपमार्ग, गुरु के लिए पीपल, शुक्र के लिए पलाश, शनि के लिए शमी, राहु के लिए दुर्वा तथा केतु के लिए दरभा के पौधे लगाए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने गुरू गोविंद सिंह को अर्पित की श्रद्धांजलि

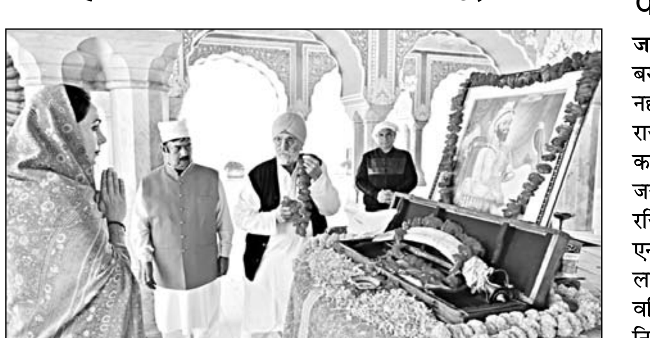
उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु गोविंद सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

जयपुर। श्री गुरु गोविंद सिंह के 359वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर सिटी पैलेस में श्रद्धा, आस्था और परंपरा का भव्य संगम देखने को मिला। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु गोविंद सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस में विराजमान गुरु गोविंद सिंह की ऐतिहासिक तलवार 'श्री साहेब' की विधिवत पूजा-अर्चना भी की। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान उन्होंने गुरु गोविंद सिंह जी के शौर्य, त्याग, बलिदान और धर्मरक्षा के लिए किए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि, गुरु गोविंद सिंह का जीवन साहस, समानता, न्याय और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनका सम्पूर्ण जीवन धर्म, मानवता और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए समर्पित रहा।

कार्यग्रहण नहीं करने पर बीएलओ को निलंबित किया

जयपुर। निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने और बीएलओ ड्यूटी ज्वाइन नहीं करने वाले कार्मिकों के खिलाफ राज्य सरकार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में जयपुर के झोटवाड़ा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी डॉ. एल. एन. बुनकर ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ वरिष्ठ अध्यापक पुष्पेंद्र सिंह को निलंबित किया है। डॉ. बुनकर ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गिरधारीपुरा में पदस्थ वरिष्ठ अध्यापक पुष्पेंद्र सिंह को बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया जाकर कार्यग्रहण के लिए आदेशित किया गया था। परंतु पुष्पेन्द्र सिंह ने उपस्थित नहीं दी, जिस पर उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। यहां तक कि चुनाव लिपिक, संबंधित सुपरवाइजर एवं ईआरओ द्वारा कई बार-बार दूरभाष पर निर्देशित किया गया। इसके बावजूद भी पुष्पेन्द्र सिंह ने अपना कार्यभार नहीं संभाला, जिस पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है।

ब्याज माफिया से परेशान बुजुर्ग ने जहर खाकर आत्महत्या की

मृतक के पास से दो पन्नों का सुसाइड नोट बरामद, खोरा बीसल थाना पुलिस प्रकरण की जांच में जुटी

जयपुर (कासं)। खोरा बीसल इलाके में ब्याज माफिया से परेशान एक बुजुर्ग ने बुधवार देर रात जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। कीटनाशक खाने के बाद बुजुर्ग की अचानक से तबियत बिगड़ गई। जिसके बाद परिजनों ने उसे संभाला और उपचार के लिए तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर शुक्रवार दोपहर को उपचार दौरान बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृतक के पास से दो पन्नों का सुसाइड नोट बरामद किया है। सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

■ **बताया जा रहा है कि 65 वर्षीय बुजुर्ग भुवन प्रकाश ने सुसाइड नोट में किसी जितेन्द्र राठौड़ का जिक्र किया है**

सब इंस्पेक्टर अभिषेक स्वामी ने बताया कि झोटवाड़ा के निवारू रोड गोविंद वाटिका निवासी भुवन प्रकाश शर्मा (65) पुत्र विशंबर दयाल शर्मा गत बुधवार को रात 10 बजे अपने कमरे में सोने गए थे। जिसके बाद उन्होंने अपने कमरे में कीटनाशक का सेवन कर लिया। इसके बाद अचानक से उसकी तबियत बिगड़ गई। परिजनों ने देर रात ही उन्हें उपचार के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उपचार दौरान शुक्रवार दोपहर को उन्होंने दम तोड़ दिया। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृतक के कमरे से दो पन्नों का सुसाइड नोट बरामद किया है। जिसके आधार पर पुलिस आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर छानबीन करने में जुट गई है। बताया जा रहा है कि मृतक ने आत्महत्या करने से पूर्व दो पन्नों का एक सुसाइड नोट लिखा है जिसमें उसने ब्याज माफिया से परेशान होकर आत्महत्या जैसा कदम उठाने की बात लिखी है। बताया जा रहा है कि मृतक भुवन प्रकाश शर्मा ने जितेंद्र राठौड़ से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात कही है।

ए.बी.वी.पी. के प्रांत अधिवेशन में जुटेंगे 700 से ज्यादा प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में 29 से 31 दिसंबर तक होगा 61वां अधिवेशन

जयपुर । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जयपुर प्रांत का 61वाँ प्रांत अधिवेशन आगामी 29 से 31 दिसंबर तक गुलाबी नगरी जयपुर के पूर्णिमा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन के लिए अस्थायी रूप से स्थापित नगर का नाम महाराणा प्रताप नगर रखा गया है। इस तीन दिवसीय आयोजन में प्रांतभर से 700 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिनमें विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षाविद एवं पूर्णकालिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। अधिवेशन का उद्घाटन 29 दिसंबर को होगा, जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम , अभाविप के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री देवदत्त जोशी, राष्ट्रीय मंत्री हर्षित स्नोमा, तथा उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अश्वनी शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। वहीं 30 दिसंबर को शोभा यात्रा एवं खुले अधिवेशन में अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सोलंकी सहभागिता करेंगे। अधिवेशन के मुख्य सभागार का नाम ऑपरेशन सिंदूर में शहीद भारतीय वायुसेना के सर्जेंट सुरेंद्र कुमार मोगा के नाम पर रखा गया है। वहीं साहस एवं स्वाभिमान की प्रतीक कर्नाटक के उल्लाल राज्य की शासिका वीरांगना रानी अब्बका के नाम पर एक भव्य प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जो अधिवेशन का प्रमुख आकर्षण रहेगी।

प्रांत मंत्री अभिनव सिंह ने प्रेस वार्ता की।

तीन दिवसीय अधिवेशन के दौरान शिक्षा, समाज, छात्रसंघ, छात्रावास सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रांतभर से प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रस्ताव समिति द्वारा प्रस्ताव तैयार कर पारित किए जाएंगे। साथ ही समानांतर सत्रों में विषय विशेषज्ञों द्वारा समसामयिक विषयों पर चर्चा भी की जाएगी।

प्रदर्शनी में एबीवीपीके प्रांत स्तरीय अभियानों, प्रा. यशवंत राव केलकर के संगठन कौशल, वंदे मातरम् का इतिहास, संघ के शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन, महाराणा प्रताप के शौर्य, हल्दीघाटी की गाथा, वीरांगना रानी अब्बका तथा भगवान बिरसा मुंडा के साहस को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। अभाविप जयपुर के प्रांत मंत्री अभिनव सिंह ने कहा कि यह अधिवेशन केवल संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि राष्ट्रिनर्माण में युवाशक्ति की सक्रिय भूमिका को सशक्त करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि शहीद सर्जेंट सुरेंद्र कुमार मोगा और वीरांगना रानी अब्बका के नाम पर समर्पित सभागार एवं प्रदर्शनी युवाओं में शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करेगी।

प्रभु श्रीराम सहित चारों भाइयों की बारात निकाली

जयपुर । पुराना रामगढ़ मोड, प्रताप नगर स्थित प्रतापेश्वर महादेव सेवा समिति की ओर से 21 से 30 दिसंबर तक श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष गिरीराज वशिष्ठ ने बताया कि कथा का आयोजन जानकी कुंड, नैमिषारण्य एवं रघुनाथ सत्संग भवन रामगंज अयोध्या धाम के महंत मनमोहन दास महाराज के सानिध्य में हो रहा है।

मुख्य यजमान शशिकांत शर्मा ने बताया कि कथा के तहत शनिवार को प्रभु श्रीराम सहित चारों भाइयों की बारात शाही लवाजमे के साथ निकाली गई। समिति के राजेश सक्सेना ने बताया कि बारात में समस्त स्थानीय महिलाए एवं पुरुष शामिल हुए। जगह-जगह बारात का स्वागत हुआ। मीडिया प्रभारी रवि खुशलानी ने बताया कि बारात में घोड़ी, बग्गी डीजे बेंड में हजारों लोग नाचते गाते चलते रहे। बारात में भव्य आतिशबाजी भी की गई। तीन रथो पर प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुधन विराजमान थे। एक रथ पर कथा की शुरुआत हुई। इस दौरान महेश गुप्ता, पूर्व पार्षद राजेश गुप्ता, धीरज सक्सेना, संजीव शर्मा, दौलत त्रिलोकानी, कमल वशिष्ठ, नरेश वशिष्ठ, कमलेश शर्मा, रामकिशन शर्मा, रविकांत शर्मा सहित बहुत से गणमान्य शामिल हुए।

सार-समाचार

चिकित्सा-रक्तदान शिविर का पोस्टर जारी

जयपुर । हरि ओम जन सेवा समिति जयपुर एवं आयु वैलफेयर एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर 28 दिसम्बर को आयोजित किया जायेगा। प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक शिविर श्री स्वयंबर मैरिज गार्डन, श्री श्याम मंदिर के पास विजय बाड़ी सीकर रोड जयपुर में होगा। शनिवार को शिविर के पोस्टर का विमोचन मुरलीपुरा थाना प्रभारी वीरेंद्र कुरील ने किया। आयोजकों ने बताया कि शिविर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि रहेंगी। यहां पर विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श एवं जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें डॉ. अनिल कुमार शर्मा (यूरोलॉजिस्ट), डॉ. आनन्दी शर्मा (गायनेकोलॉजिस्ट), डॉ. विशाखा विनोद (फिजिशियन), डॉ. संजय खण्डेलवाल (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ. निर्भिक शर्मा (पेडियाट्रिक्स) तथा डॉ. निशांत शर्मा (ऑर्थोपेडिक्स) अपनी सेवाएं देंगे। शिविर के दौरान ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, पेशाब की जांच, यूरोफ्लोमेट्री, बीएमडी, ईसीजी एवं मशीनों द्वारा आंखों की जांच निःशुल्क की जाएगी। इसके अतिरिक्त एक्स-रे, सोनोग्राफी एवं अन्य सभी रक्त जांचों पर 20 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जाएगी। शिविर के साथ-साथ रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

विहिप की ओर से धर्म रक्षा कार्यक्रम

जयपुर । मालवीय नगर सेक्टर-8 स्थित विश्वनाथ मंदिर में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद धर्मप्रसार द्वारा धर्म रक्षा कार्यक्रम आयोजित कर गुरु पुत्रों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार के प्रांत प्रमुख सीएम भार्गव ने बताया कि सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंदसिंह के 17 वर्षीय पुत्र अजीत सिंह एवं पंद्रह वर्षीय पुत्र जुझार सिंह ने धर्म की रक्षा के लिए अपने चालीस योद्धाओं के साथ दस लाख की मुगल सेना के साथ शौर्य व साहस के साथ चमकौर में युद्ध करते शहीद हुए। तब गुरु गोविंद सिंह ने कहा था कि " सवा लाख से एक लडाऊं, चिडियन ते मैं बाज तुडाऊ, तबै गुरु गोविंद नाम कहावू।" विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार के प्रशासन संपर्क प्रमुख एडवोकेट प्रशांत चतुर्वेदी ने चर्च के दुष्प्रभाव से समाज को सतर्क रहने के लिए सावचेत रहते हुए मतांतरंण मे लिप्त अन्य धर्मावलंबियों के प्रपंच को समझाया। साथ ही मंदिरों को शक्ति केंद्र के रूप मे परिवर्तित करके सनातन धर्म की रक्षा करने पर अपना पक्ष रखा। प्रारंभ में धर्मप्रसार प्रांत टोली सदस्य कुणाल बरडिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए परिचय करवा कर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस मौके पर बीजेपी के आईटी सह संयोजक राहुल खंडेलवाल, कैलाश चंद खंडेलवाल, नीरजा सक्सेना, मानस सक्सेना, गोविन्द शर्मा, महेश शर्मा और अंशुमान शर्मा मौजूद थे।

सेमीफ़ाइनल-फाइनल मुकाबले आज होंगे

जयपुर । सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर, युवा मंडल और महिला मंडल की ओर से राजधानी के स्वेज फार्म स्थित हीरा वैली रिसोर्ट के खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय सारस्वत क्रिकेट लीग के दूसरे दिन शनिवार को विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले संपन्न हुए। प्रतियोगिता के दौरान टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया और अगले मैचों के लिए अपनी दावेदारी पेश की। कई मैचों में कडी टक्कर देखने को मिली। आज के लीग मैचों में शुक्ला लिजेंड,सुपर किंग सारस्वत ने दो मैच, पृथ्वी स्टील क्लब और रॉयल चैलेंजर सारस्वत दो मैच जीते। रॉयल चैलेंजर टीम के महावीर सारस्वत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार तीन विकेट चटखाकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलवाई। सेमीफाइनल और फाइनल के मुकाबले रविवार को संपन्न होंगे। प्रतियोगिता में भाग ले रही महिला टीमों के खिलाडी अपने अच्छे खेल का प्रदर्शन करने की तैयारी में जुटी हुई है। महिला मंडल की उपाध्यक्ष राखी शुक्ला ने बताया महिला टीमों के मुकाबले भी रविवार को होगें। रविवार को ही पौष बड़ा भोजन प्रसादी भी रखी गई है। महामंत्री सुरेश सारस्वत ने बताया विजेता टीमों और खिलाडियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इस अवसर पर सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा, नीलकमल शुक्ला, कमलेश सारस्वत, सुरेश सारस्वत, सुनील सारस्वत, कमल शर्मा, जितेंद्र सारस्वत, प्रशांत गोस्वामी, हेमंत सारस्वत, राजेश जोशी, राजेश सारस्वत, राजेंद्र सारस्वत, ऋतु शुक्ला, बाबूलाल सारस्वत, महिला मंडल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, सुनीता उपाध्याय,राखी शुक्ला और अरुण ओझा सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

फुलेरा आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण

जयपुर / फुलेरा । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को फुलेरा स्थित सेठ सूरजमल अग्रवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ भ केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में मौजूद नन्हे-मुन्ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया। बच्चों ने अपनी मासूमियत भरी भावनाओं के साथ उपमुख्यमंत्री को कविता सुनाई, जिसे सुनकर उन्होंने बच्चों की सराहना की और बच्ची को उपहार भी वितरित किए । निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, स्वच्छता, शिक्षण गतिविधियों एवं बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार की जानकारी ली और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य और समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए उन्हें नियमित रूप से पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को और अधिक सशक्त, संवेदनशील एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर निगम की सख्ती

जयपुर (कासं)। नगर निगम जयपुर की स्वास्थ्य शाखा ने राजधानी को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में सख्त रवैया अपनाया है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशों पर शनिवार को विभिन्न जोनों में सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित कैरी बैग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों की अवहेलना करने वाले दुकानदारों, प्रतिष्ठानों एवं व्यावसायिक संस्थानों पर कार्रवाई करते हुए 2 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। वहीं, स्वास्थ्य शाखा ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बाजारों में कार्रवाई करते हुए 14 स्थानों से 70 हजार 100 रुपए की वसूली की गई और 70 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त की। अतिरिक्त आयुक्त प्रथम प्रवीण कुमार ने बताया कि निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर बाजारों में टीम लगातार अभियान चला कर सफाई कराई जा रही है। साथ ही गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने कहा कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत घातक है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नगर निगम की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

National Short Film Day: Celebrating Storytelling in Miniature

National Short Film Day is dedicated to recognizing and celebrating the art of short films, which tell powerful stories in a concise format. It highlights the creativity, innovation, and storytelling prowess of filmmakers who can convey emotions, ideas, and social messages in a limited time. The day encourages audiences to explore diverse narratives, from experimental cinema to impactful documentaries, and appreciate the craft behind every frame. It also inspires emerging filmmakers to showcase their talent on digital platforms and festivals. Celebrating National Short Film Day promotes cinematic diversity, artistic expression, and the power of storytelling in its most compact form.

#SENSE

Be Left And Be Right

Why Britain And India Drive on the 'Left' Side of the Road

If you've ever visited the United Kingdom or watched British movies, you might have noticed one thing that feels a little unusual: cars drive on the left side of the road. For much of the world, driving on the right side is standard, so why does Britain still stick to the left? The reasons go far back into history, rooted in tradition, practicality, and even ancient customs.

Historical Origins: Medieval Times and Beyond

The practice of driving on the left dates back to medieval times. Most people were right-handed, and in societies dominated by sword fighting and horseback riding, it made sense to keep to the left side of the road. This allowed right-handed knights and soldiers to have their sword arm closer to an approaching opponent, while keeping their dominant hand free to defend themselves or greet others.

Similarly, horseback riders preferred to mount and dismount from the left side, which meant traveling on the left side was safer and more convenient. Keeping to the left also helped prevent collisions, as riders could better judge distance and oncoming traffic.

The Influence of British Law and Infrastructure

The habit of driving on the left became official in Britain with the introduction of formal road laws in the 18th and 19th centuries. The General Highways Act of 1773 recommended traffic keep to the left, and later laws reinforced this practice. When the first cars appeared in Britain, they naturally continued this tradition.

This was further cemented by the design of British roads, vehicles, and traffic systems optimized for left-side driving. Changing the entire country's traffic flow would be hugely costly and confusing.

The Global Context: Why Most Others Drive on the Right

While Britain stuck to left-side driving, many countries, especially those influenced by France and the United States, adopted driving on the right. Napoleon Bonaparte is often credited with spreading right-side driving across much of Europe during his conquests. The United States standardized right-side driving partly due to the design of large freight wagons and later cars.

Interestingly, many former British colonies still drive on the left, including Australia, India, and South Africa, while others have switched to right-side driving over time.

Modern Implications and Safety

Driving on the left might seem 'wrong' from an outside perspective, but in Britain, it's simply tradition and practice. British and Indian vehicles are built with the driver sitting on the right side, allowing better visibility of oncoming traffic. Traffic signs, road markings, and infrastructure all support left-side driving, creating a consistent and safe system.

When tourists drive in Britain, it can take a moment to adjust, but locals rarely think twice about it, it's just the way things are.

Britain's left-side driving is a fascinating example of how history and tradition shape everyday life. From medieval knights on horseback to modern traffic systems, the choice to drive on the left side has deep roots and practical reasons. While it may feel unusual to visitors, for Britain and many of its former colonies, it's the norm, and a reminder of how the past continues to influence the present.

Francisco.

50 Years Of Making Men Stand Tall

The doctors and Sharma had also been refining the Solid Ankle Cushion Heel (SACH) foot, a Western design consisting of a rigid wooden block covered in rubber. The wooden block ran from the ankle to the instep and was not flexible. While tinkering with the design, the duo took off the wedges and converted the single wooden block into two. This increased flexibility.

In Nampula.

Rakhee (mugshot).

Shri Krishna Technician.

● Rakhee Roytalukdar

Twelve-year-old Francisco Mbeu sits on the side of a barren playground in Mozambique's Nampula city. He watches the other kids play football, running around energetically after the ball. He is sad and dejected. He is not able to walk properly after he lost his leg in an accident. He has crutches for support, but even then, he finds it difficult to attend his village school.

Francisco's father is not one to give up easily. He coaxes the boy to go after the ball. And looks for all alternatives to get his little boy up and running. Then, he gets to know about the Jaipur Foot camp currently underway in Nampula. The camp is being conducted by Bhagwan Mahaveer Viklang Sahayata Samiti (BMVSS) at Nampula's Central Hospital since November's third week. He immediately takes Francisco there, gets him registered, and in a day, the boy is fitted with Stanford-designed artificial limb. Hesitant, Francisco takes small steps initially. But as he begins to walk with his father beside him, his confidence surges and so does hope.

Like Francisco, there are scores of people who are coming to Nampula's camp every single day, so much so now that the BMVSS officials are thinking of extending their stay beyond Dec 31, 2025 to attend all patients who are coming from far and near.

Although Mozambique removed close to 171,000 landmines in 2015, which were designed to damage the enemy camp in their struggle for independence and long civil war, hundreds of civilians including children were wounded or killed by these landmines. Some of these people were on crutches and were eager to get Jaipur Foot artificial limbs once they heard about the camp. In recent time, three camps were held in Yangon, Myanmar, Guatemala and Maputo, Mozambique along with the support of the Ministry of External Affairs and some 1900 persons were rehabilitated in these camps.

Far away from Mozambique, in Jammu and Kashmir, BMVSS has been holding camps in the border districts like Kupwara, Trehgam, Sharifabad, Anantnag, Shopian and Srinagar. In November this year, BMVSS along with Chinar Corps organised camps to empower differently-abled people.

Those living in the borders often become victims of shelling by the Pakistan Army and also landmine blasts. BMVSS officials say that rehabilitation in the local hospital is difficult. And with their disability, many find it difficult to reach Srinagar. So, the camps were held in various villages, where the locals identified the disabled and brought them to the camp. "It is a kind of door-step rehabilitation, unique to BMVSS," says Prakash Bhandari, BMVSS's media advisor.

BMVSS has been holding such camps outside India since 1995, the first one being in Afghanistan. Not only outside, BMVSS has 37 centres across India and holds camps in many cities and remote places too.

BMVSS has been restoring smiles and dignity amongst the disabled since the last 50 years, without charging a single paisa from any of its patients.

Twenty-one year old Manjit Kumar Girin from Gopalganj in Bihar came to the Jaipur centre in November, 2025. He says, "I came here yesterday, have been fitted with the Jaipur Hand, would have to do some physiotherapy and would be leaving tonight. I had lost hope initially, but coming here and watching how this centre is trying to provide succour, has rekindled my faith in humanity."

Manjit lost his right hand while working in a factory in Dahod in Gujarat last year in November, while operating a JCB machine. The machine malfunctioned, somehow fell on him and he lost his right hand, fractured his leg and got injuries in his waist. No factory owner or incharge came to see him, let alone any talk of compensation or treatment.

Manjit says fellow villagers, who also work there, took him to a hospital in Ahmedabad, where the doctors said his hand would have to be amputated as it was too late. So, Manjit lost his right hand, his job and came back to his home, disabled and in pain. Because of his fracture, he could start walking only after two-and-a-half months. Being the eldest in a family of six, his job was important for them.

Manjit, a college student, however, did not lose hope. He kept browsing social media for any treatment that may be available. He had never heard about the miraculous Jaipur Foot. "I suddenly came across this video about Jaipur Foot and also got to know about Jaipur hand. It was an amazing feeling then. I saw how people who had legs amputated, because of accidents or diseases, were walking again. And it wasn't just about fitting the limb but restoring their dignity. I made up my mind immediately and caught the next train to Jaipur. I came here yesterday and have been attached with the Jaipur hand. It isn't as flexible as my left hand but I will make it work," says Manjit, trying to work on his right hand fingers, opening and closing them slowly but steadily.

#SEVA PARMODHARMA

In Nampula.

Manjit Kumar Girin.

The uniqueness of Jaipur Foot

Established in 1975 by Devendra Raj Mehta, it has rehabilitated over 2.5 million people since its inception, providing the low-cost prosthetics, the Jaipur Foot, the Stanford-Jaipur knee joint, an artificial knee joint that was named as one of the 50 best innovations of 2009 and the Jaipur Hand. No patient is charged for these limbs as they usually hail from below the poverty line. They are given lodging during the stay here at the centre. It also provides rehabilitation assistance in the form of callipers, crutches, tricycles, wheelchairs and hearing aids. In 2022-23, BMVSS rehabilitated about 89,000 patients.

What actually separates BMVSS from other such healthcare facilities is that anybody, both rich and poor, can walk into the organisation's premises at any time without any prior appointment or registration. Here, even the guard on duty can admit patients and the doctor would examine them in the next set of working hours.

Mehta says, "The patients who come here are from poor families, most do not know how to read or write. How do you expect them to register themselves and book appointments? They are scared of the formal system. So, we must operate in a way that puts them completely at ease. We have an open door policy. We provide them a place to stay. They only sign one piece of paper at the end of their visit to record the type of assistance they have received." And this exactly is what distinguishes BMVSS from other healthcare centres, who are more doctor-centric and based on the concept of user-charges with the result that neediest get excluded.

The Story of Jaipur Foot

BMVSS inception in 1975 was closely linked to the invention of the Jaipur Foot in 1968, a prosthesis for both below and above knee amputees. The Jaipur Foot's story began with a chance meeting between Ram Chandra Sharma, a sculptor, adept at recreating human likeness and Dr. Pramod Karan Sethi, an orthopaedic surgeon. Sharma saw Sethi working with accident victims who had lost their limbs. He observed that few patients were fitted with artificial limbs. The hospital produced only a few such limbs per year based on American and German designs, as it was a time and skill intensive process and imported limbs were expensive.

Although these artificial limbs were working well in the West, they were not suitable for Indian amputees. Indians squat, sit cross-legged, negotiate rugged terrain, walk barefoot so it was imperative that the foot was durable, flexible, water-proof and looked like a normal human foot so that the amputee could use it with or without a shoe.

Over the next two years, Sharma, Dr. Sethi, Dr. S C Kasliwal and Dr. Mahesh Udawat worked on the foot and also focused on the socio-cultural needs of the amputees as most were poor and engaged in physical labour. Hence, loss of their limb affected their livelihood. They required a low-cost prosthesis that could be manufactured and fitted quickly, using a simple process and with locally available materials.

One day while getting his bicycle's flat tyre repaired, Sharma noticed a mechanic retreading a truck tyre with vulcanised rubber. This sparked an idea and Sharma requested the mechanic to cast a foot using vulcanised rubber. The foot was more flexible than earlier models but shredded a few days later.

The doctors and Sharma had also been refining the Solid Ankle Cushion Heel (SACH) foot, a Western design consisting of a rigid wooden block covered in rubber. The wooden block ran from the ankle to the instep and was not flexible. While tinkering with the design, the duo took off the wedges and converted the single wooden block into two. This increased flexibility.

The doctors merged the idea of the vulcanised rubber foot and the reworked SACH foot. They wrapped up the separated wooden block in light rubber and vulcanised the resulting structure into one piece. This was the first successful design of the Jaipur Foot, the only non-articulated artificial foot that allowed several types of movement. The Jaipur Foot could flex during squatting, or climbing slopes and rotate inward while sitting cross-legged. To make the foot wearable for both above and below the knee amputees, the team used either a shank and brace or a shank, brace and knee joint to connect the foot to the patient's limb. At this time, the production cost of the Jaipur Foot was less than $5. Even now, it costs a little less than $75, which is around Rs. 6700. Further improvements led to a design with three pieces, a wooden ankle piece, a sponge rubber forefoot and a heel, wrapped in rubber and vulcanised in an aluminium casting.

In 1969, Mehta, a collector then at Jaisalmer, was admitted to the SMS hospital after suffering severe injuries in a car accident while on his way to Pokhran in Jaisalmer district. Scans revealed that bones in his leg were fractured in 43 places. Although doctors managed to save his leg, Mehta spent five months recovering.

During this recuperating period, he closely observed travails of accident victims undergoing treatment at the hospital. A question kept nagging him. He had received good care because of his position and influence but what happens to poor patients who meet with such accidents. He wanted to find a way, and six years later, BMVSS was born.

Despite being a low-cost breakthrough in prosthetics, only 50 patients were fitted with the Jaipur Foot from 1968 to 1975. Once BMVSS actively took up the fitment of limbs, this number grew to 109 the following year and gradually increased to 10000 by 1982. In 2024-25, BMVSS rehabilitated 2,35,2288 people with limbs (782248), calipers (572552), crutches, sticks, splint, braces (643956), tricycles/wheelchairs (201016), hearing aids (145044), surgery (7472).

BMVSS's USP is that it is first and foremost patient-centric, and works on the corpus and donor field model of quality care. Its lean organisational structure and assembly line approach to limb fitment helped to rehabilitate on an average 180 patients daily at the Jaipur Centre. On an average, across all its 32 centres and outreach camps, BMVSS rehabilitates 300 people each day either by fitting them with artificial limbs or providing them with mobility assisting devices.

A patient could usually be fitted with a limb in as little as three hours. Barring a few complex and time consuming cases, most patients return home in one to three days. Staff has been trained to seek patient feedback to ensure continuous improvement.

In keeping with its focus on social rehabilitation of patients, BMVSS partnered with a government-run vocational training centre which referred patients for training in skills such as carpentry and stitching. BMVSS provides aides like sewing machines and tea-stall kits that could help patients become self employed. Mehta says, "Our ethos is of help, not charity. These people are our brothers and sisters. When they leave from here, they are changed. They have regained their self-esteem."

Patient-centric ethos

Another special characteristic of the organisation is that some technicians are former patients trained in Jaipur limb technology.

Shree Krishna, hailing from Unnao in Uttar Pradesh, has been working at the centre for over 40 years. He lost his limb following a poisonous insect bite when he was 10 years old. After his limb fitment at SMS hospital then, he got trained himself and has been absorbed. "I have become a Jaipur resident, built my house here. I have retired but still work here. There is so much love and empathy here."

About his work, Krishna says, "Many things have changed over the years. Especially the technology has especially improved. Earlier, aluminium and plastic were used for joints. Now, High Density Polyethylene (HDPE) is used which results in seamless joints and very strong sockets."

To technologically upgrade its prosthetic devices, BMVSS has partnerships with Stanford University, California, MIT, Cambridge, US, Santa Clara University and others.

Funds and finances

Mehta says, "Over the last 50 years, the growth has been phenomenal, much beyond what we expected. We began in a small way and followed the evolutionary approach and avoided the big bang approach diligently. To ensure maximum utilisation of funds, BMVSS has kept administrative expenses low. Average administrative and overhead expenses account for 3.6% of the organisation's total expenditure, considerably lower than the average for the non-profit industry. Our belief is to function frugally."

A significant portion of BMVSS funding comes from government institutions and a mix of large donors such as Sir Dorabji Tata Trust, Azim Premiji Foundation, Nomura and Deutsche Bank. Smaller one-time or recurring donations, grants and interest from the corpus make up the reminder. In 2013, the government amended the Companies Act, which made it mandatory for large businesses to spend 2% of their profits on pursuing corporate social responsibility (CSR). As a result, more companies wanted reliable, trusted partners to fund. With its reputation for integrity, BMVSS benefitted from this development, says Prakash Bhandari, who handles their corporate communications.

Mehta, who has been SEBI chief earlier, says, "Funding is always a problem. Before you start any social organisation, it is necessary to have a corpus. We started with a corpus of Rs. 4 lakh, for which we got an interest of 13%. We now have a huge corpus which runs into crores."

Philosophy is help, not charity

At 88, Mehta is agile and active. He reads books in his spare time despite his busy schedule at the centre day. As to BMVSS's future, Mehta says, "There is a powerful management committee in place. Value systems are in place. The philosophy is that limbless are provided help, not charity. We believe in equality in assistance irrespective of financial standing, caste, creed, religion. The most important lesson we must remember is to treat patients individually with respect and as human beings."

"And what gives me immense joy is the transformation that I see in patients. When they come in, they are crestfallen, worried about their livelihood. But when they leave this place, they are happy and hopeful. Their hope coupled with joy are infectious and priceless. That joy will keep BMVSS going for at least another 50 years," assures Mehta.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

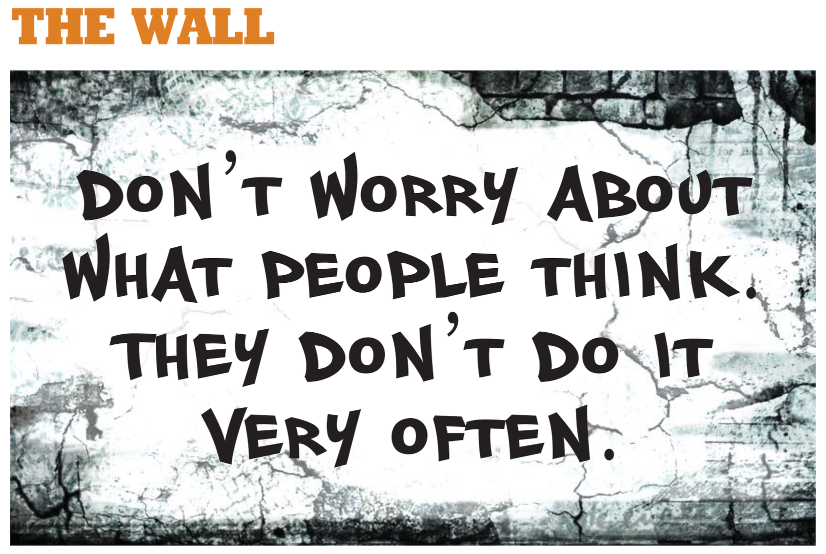

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

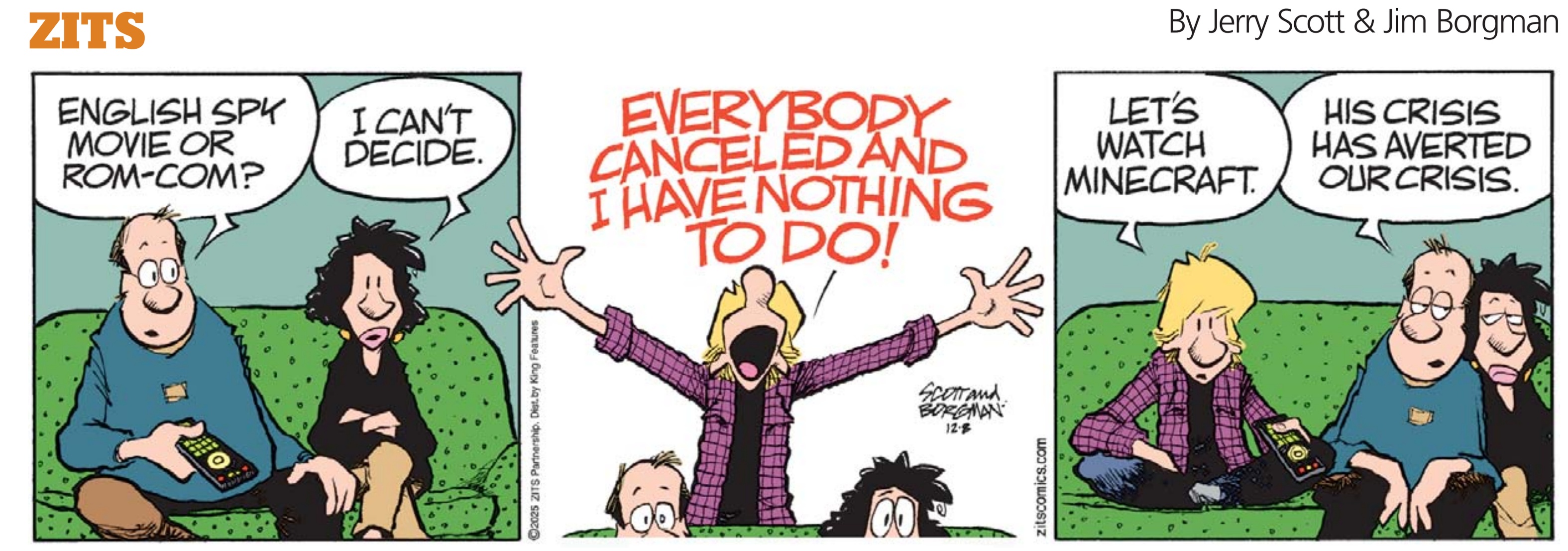

उदयपुर में शीतलहर ने कड़ाके की सर्दी का अहसास कराया, तापमान सात डिग्री दर्ज

तापमान में गिरावट के साथ ही शुक्रवार की रात इस सीजन की ठंडी रात रिकॉर्ड की गई

उदयपुर, (निस)। लेकसिटी में सर्दी शुरू हुए दो माह बीतने को आ गए, लेकिन हर साल जिस तरह सर्दी अपने जमाव बिंदु तक पहुंचने लगती है, वैसा अब तक देखने को नहीं मिला। लेकिन मौसम विभाग के प्रदेश में शीत लहर की संभावना के बीच उदयपुर में भी दो दिनों से ठंडी हवाएं चल रही है और शीतलहर ने कड़ाके की सर्दी का असर दिखा दिया है। वहीं तापमान में भी गिरावट के साथ ही शुक्रवार की रात इस सीजन की ठंडी रात रिकॉर्ड की गई। इस बार न्यूनतम तापमान अब तक आठ डिग्री से नीचे नहीं गया। वहीं दिन का तापमान भी कई बार 30 डिग्री के करीब पहुंच जाने से सर्दी में स्थिरता बनी हुई थी लेकिन बीते चार दिनों में दिन व रात के तापमान में कमी हो रही है।

बुधवार को तापमान 11.6 डिग्री पर था जो तीन दिनों में साढ़े चार डिग्री कम होकर 7 डिग्री पर जा पहुंचा। वहीं शुक्रवार को यह तापमान क्रमशः 9.1 डिग्री था, जिसमें आज दो डिग्री की कमी हुई है। वहीं दिन का तापमान भी घटकर 23.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सर्दी का यह रूप नए साल के शुरूआत तक बना रहेगा। शीतलहर के थमने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होगी। दिसम्बर माह में दिन का तापमान अधिक रहा और यह 25 से 30 डिग्री के बीच घूमता रहा लेकिन शीतलहर कई बार रात को चली, लेकिन करीब दो-तीन घंटों में भी ही इसका असर कम होने से अब तक न्यूनतम और जमाव बिंदु की ओर तापमान नहीं पहुंचा। हालांकि दिसम्बर माह के अंत में हर साल तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच जाता है, लेकिन अब भी यह सात डिग्री बना हुआ है।

डूंगरपुर में सर्द हवाओं के बीच शहर में लोग अलाव तापते नजर आये।

सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई

डूंगरपुर, (निसं)। जिलेभर में दिसम्बर माह के अन्तिम चरण में शनिवार प्रातः सही सर्द हवाओं ने अपना रूप दिखाना प्रारंभ कर दिया, जिसके चलते आमजन को जो अभी तक सर्दी के मौसम को लेकर असमंजस्य की स्थिति में था, उसको आज पूरा विराम देते हुए सर्द हवाओं के रूप में अपना जलवा दिखाया तो लोगों ने ऊनी वस्त्रों को पहनने की जुगत की।

जहां अलसुबह मौसम में आई नमी व सर्द हवाओं ने सामान्य जन जीवन को पूरी तरह रोक कर रख दिया और आलम यह रहा है कि आमजन को समय का एहसास ही नहीं हो रहा था, और इसी के चलते के आठ बजे बाद मौसम में बदलाव के बाद सूर्यदेव के दर्शन हुए और फिर दिनभर सूर्यदेव एवं बादलों के बीच लूकाछिपी का खेल चलता रहा। जिससे सर्द हवाओं ने आमजन को घरों में कैद करके रख दिया। मौसम में बदलाव का पूर्वांचल राज्यों में लगातार बर्फबारी का परिणाम अब तटीय व मैदानी क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है। शनिवार को अलसुबह से ही सूर्य के दर्शन नहीं हुए तो वहीं सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। शहर की सड़कों पर वाहनधारियों से लेकर राहगीर ठंड से बचाव के लिए ऊनी वस्त्रों का साथ ही कम्बल ओडे देखे गए। तो वहीं शहर की पहाड़ियां धुंध से अटी हुई दिखने के कारण अदृश्य ही रही। वहीं अल सुबह दफ्तर जाने के लिए निकलने वाले लोग भी सर्दी से बचने के लिए जतन करते हुए नजर आए। लोगों ने अपने खानपान का जायका भी बदला और घरों व दफ्तरों में सर्दियों के लड्डू व चाय की चुस्कियां लेते दिखे। गांवों से आने वाले लोगों को ऊनी वस्त्रों की स्टॉल पर खरीददारी करते भी देखा गया।

चोरों ने ज्वैलरी दुकान व मकान से लाखों का माल पार किया

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के खोरा लाडखानी गांव में शुक्रवार रात्रि चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए एक ज्वैलरी की दुकान और एक मकान के पीछे की दीवार तोड़कर लाखों रुपये का माल पार कर लिया। चोरी की घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

■ चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार व मकान की जाली तोड़कर वारदात की

खोरा लाडखानी गांव निवासी जगदीश प्रजापत की ज्वैलरी की दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दुकान मालिक शुक्रवार शाम को रोजाना की तरह दुकान बंद कर घर चला गया था। रात के अंधेरे में चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दुकान में रखा लाखों रुपये का जेवरात व कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। इसी रात चोरों ने गांव निवासी सुरेंद्र जांगिड़ के मकान को भी निशाना बनाया। चोरों ने मकान के पीछे की दीवार में लगे जंगले को तोड़कर अंदर घुसकर नगदी व जेवरात चोरी कर लिए। सुबह जब मकान मालिक जागा तो घर के अंदर सामान बिखरा देख उसके होश उड़ गए।

चोरी की वारादात के बाद दुकान में सामान बिखरा पड़ा है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल रमेश पोया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर मौका रिपोर्ट तैयार की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जगदीश प्रजापत और सुरेंद्र जांगिड़ ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने रामदास महाराज को श्रद्धांजलि दी

सेवर स्थित लुधावई बड़ा हनुमान मंदिर के महंत राम दास महाराज को सीएम भजन लाल ने श्रद्धांजलि दी।

भरतपुर, (निसं)। सेवर स्थित लुधावई बड़ा हनुमान मंदिर के महंत राम दास महाराज के देवलोकगमन पर सीएम भजन लाल शर्मा ने उन्हे श्रद्धांजलि दी। सीएम भजनलाल शर्मा अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में भाग लिया। सीएम भजनलाल शर्मा महंत राम दास महाराज को अपना गुरु मानते थे, वे हर गुरु पूर्णिमा को उनकी पूजा करते थे और परिवार के साथ आशीर्वाद लेते थे। मुख्यमंत्री शर्मा श्रद्धांजलि देने के बाद जयपुर रवाना हो गए। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। महंत रामदास महाराज के देवलोकगमन से भरतपुर के लोगों में शोक की लहर है। उनके अनुयायी और प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मंदिर पहुंचे। लुधावई मन्दिर के महंत का सम्पूर्ण जीवन भक्ति, त्याग, करुणा और सनातन धर्म के मूल्यों की सेवा में समर्पित रहा। वे केवल एक संत ही नहीं, बल्कि असंख्य श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक और प्रेरणास्त्रोत थे। उनके सानिध्य से मिली शिक्षा और आशीर्वाद सदैव स्मृतियों में जीवित रहेंगे।

अरावली पहले से संरक्षित और आरक्षित : बैरवा

टोंक, (निसं)। बैरवा समाज के 20वें प्रतिभा सम्मान समारोह में शनिवार को पंहुचे मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने अरावली मुद्दे पर कहा कि अरावली राष्ट्रीय धरोहर है। हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि अरावली पहले से ही संरक्षित है, पहले से ही आरक्षित है। अरावली पर अब भी कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। अब इसका कोई राजनीतिक अड़ंगा बनाते हैं, तो यह ठीक नहीं है। अरावली के संरक्षण को लेकर हम सब साथ हैं।

डिप्टी सीएम बैरवा ने चौमूं में हुए उपद्रव को लेकर कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने पहले से ही कानून व्यवस्था को सख्त किया है, कानून अपना काम कर रहा है। इस तरह के उपद्रव आगे नहीं हो, इसको लेकर के कानून अपना काम कर रहा है। चौमूं में जो भी है वह सब निगरानी में है। कानून अपना काम कर रहा है, प्रशासन मुख्यमंत्री के निर्देशन में अपना काम कर रहा है, प्रदेश में जो भी काम होता है वह पारदर्शी तरीके से होता है। भाजपा पारदर्शी तरीके से और एक विजन लेकर काम करती है इसलिए अगर जो सोच और जो विजन है जो विकास का जो हमारा विकसित भारत का जो सपना है, उसे विकसित भारत के सपने के लिए हमें जो भी प्रयास करने हैं, जो भी विकास की दृष्टि से राजस्थान प्रदेश को मुख्यधारा में मिलकर काम कर रहे हैं।

बैरवा प्रतिमा सम्मान समारोह में जिले के पूर्व कलैक्टर ओपी बैरवा, पूर्व राज्य सभा सांसद हरिनारायण बैरवा, निवाई के पूर्व विधायक कमल लोदी, बैरवा कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष शिवराज बैरवा आदि के अलावा कार्यक्रम में पहुंची प्रतिभाएं व परिजन मौजूद रहे।

814वां उर्स : कुल की रस्म के साथ जन्नती दरवाजा बंद हुआ

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें सालाना उर्स का समापन कुल की रस्म के साथ पूरी अकीदत, अदब और रूहानियत के माहौल में हुआ। दोपहर ठीक एक बजे ऐतिहासिक महफिलखाने में कुल की रस्म अदा की गई, जिसके बाद परंपरा अनुसार जन्नती दरवाजा बंद कर दिया गया। दरगाह शरीफ के महफिलखाने में आयोजित कुल की रस्म की सदारत दरगाह दीवान के प्रतिनिधि के रूप में उनके पुत्र नसीरुद्दीन चिश्ती ने की। इस अवसर पर कुरआन ख्वानी, फातिहा और सलाम पेश किए गए। देश-विदेश से पहुंचे जायरीन, खादिमों और अकीदतमंदों ने अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआएं मांगी।

■ उर्स की परंपरा के अनुसार बड़े कुल की रस्म मंगलवार को अदा की जाएगी

मलंगों ने अदा की दंगोल की रस्म :- कुल की रस्म के पश्चात महफिलखाने में मलंगों और कलंदरों द्वारा परंपरागत दंगोल की रस्म अदा की गई। इस रस्म की सदारत मलंगों के सरगिरोह सैयद मंसूर अली ने की। देशभर से आए मलंगों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर सूफियाना मस्ती में हैरतअंगेज़ करतब पेश किए, जिन्हें देखकर मौजूद जायरीन भावविभोर हो उठे। दंगोल की रस्म को उर्स की एक विशिष्ट और ऐतिहासिक परंपरा माना जाता है, जिसमें सूफी रंग, भक्ति और अद्भुत साहस का अनूठा संगम देखने को मिलता है। देर तक महफिलखाने का माहौल रूहानियत और सूफियाना रंग में डूबा रहा। उर्स की परंपरा के अनुसार बड़े कुल की रस्म मंगलवार को अदा की जाएगी। इसके साथ ही ख्वाजा साहब का 814वां सालाना उर्स पूरी श्रद्धा, परंपरा और अदब के साथ विधिवत संपन्न होगा। उर्स के दौरान जिला प्रशासन, दरगाह कमेटी, खादिमों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से व्यवस्थाएं सुचारू रही। जायरीन ने दरगाह में हाजिरी लगाकर देश में अमन-ओ-अमान और आपसी भाईचारे की दुआ की।

भीलवाड़ा में पारा 6.5 डिग्री दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। ठंड अब सब जगह असर दिखाने लगी है। जहां रात का तापमान गिरकर 6.5 डिग्री आ गया, तो वहीं दिन में भी ठंडी हवाओं ने पारे को 23 डिग्री सेल्सियस पर ला दिया है। इसका ही नतीजा है कि सुबह खुशनुमा होने लगी है। इस बढ़ते कोहरे ने गुरला की पहाड़ी और तालाब को अलग ही तस्वीर में उभार दिया है। नेशनल हाईवे 758 स्थित गुरला में शनिवार सुबह बर्फीली हवाओं ने फीजा में ठंडक घोल रखी है। दिन में कंपकंपी छूट रही। सुबह शाम शीतलहर ठिठुरा रही है। कोहरा इतना है कि सड़कों पर कुछ दूरी तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। शनिवार को सुबह देर तक कोहरा छाया रहा चालकों को वाहन की लाइट चलानी पड़ी। कोहरे ने भीलवाड़ा-राजसमंद-उदयपुर फोरलेन गुरला स्थित रणजीत सागर तालाब को ढक दिया। सुबह नौ बजे तक कोहरा छाया रहा। लोग घरों से कम ही बाहर निकले। अरावली पहाड़ी की तलहटी स्थित कालका माता मंदिर कोहरे की चादर में लिपटा रहा। इसी प्रकार से ठंड का प्रकोप गावों में रहा।

डूंगरपुर के विराट गांव में बिजली कटौती से किसान व ग्रामीण परेशान

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की ओबरी तहसील के ग्राम पंचायत विराट में स्थित जीएसएस सब सेंटर पर लगातार हो रही बिजली कटौती से किसान और ग्रामीण आक्रोशित हैं। उन्होंने विरोध-प्रदर्शन करते हुए दो दिन में समस्या समाधान का अल्टीमेटम दिया है।

किसानों और ग्रामीणों ने जीएसएस सब सेंटर से होने वाली अनियमित विद्युत आपूर्ति को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने 32 केवी लाइन को दाहेला से हटाकर सागवाड़ा से जोडने की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि खेतों में सिंचाई के लिए समय पर बिजली नहीं मिल पा रही है, जिससे फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई है। सरकार ने कृषि कार्य के लिए 6 घंटे बिजली देने की घोषणा की है, लेकिन हकीकत में उन्हें 2 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही, जिससे भारी नुकसान हो रहा है।

■ 32 केवी लाइन को दाहेला से हटाकर सागवाड़ा से जोडने की मांग उठाई

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे सड़क जाम आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस विरोध प्रदर्शन में सरपंच इंदिरा कलासुआ, डूंगर पाटीदार, गोकुल पाटीदार, सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश कलासुआ, लालजी पाटीदार, रमेश पाटीदार, सतीश पाटीदार, बदामी पाटीदार, नाथु रोत, सरदार रोत, मुकेश कलासुआ, पंकज कलासुआ, महिपाल रोत, कालूराम पाटीदार, जयंतीलाल पाटीदार, निलेश पाटीदार, गोविंद पाटीदार, बंशीलाल पाटीदार, कांतिलाल डोडियार और अमृतलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल स्कूटी सवार युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में एक सड़क हादसे में घायल हुए स्कूटी सवार युवक की 13 दिन बाद मौत हो गई। युवक का उदयपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाने के एएसआई ने बताया कि माविता निवासी अमृतलाल ननोमा ने इस संबंध में रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा रवि ननोमा 14 दिसंबर को स्कूटी से बिछीवाड़ा जा रहा था। इसी दौरान डूंगरपुर शहर के नवाडेरा के पास एक बाइक ने रवि की स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में रवि गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे प्राथमिक इलाज के बाद उदयपुर रेफर किया गया था। रवि का उदयपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां कल देर रात उसकी मौत हो गई। परिजन शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी लाए। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

■ 13 दिन बाद अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

16 क्विंटल जब्तशुदा डोडा-पोस्त एवं स्मैक नष्ट कराई

ब्यावर, (निसं)। 16 क्विंटल डोडा-पोस्त एवं 17 ग्राम स्मैक को जलाकर नष्ट किया गया। 8 पुलिस थानों के 21 मुकदमों में जब्त एनडीपीएस का माल नष्ट किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि राष्ट्रव्यापी अवैध मादक पदार्थ निस्तारण पखवाड़े के तहत जिले के थानों पर एनडीपीएस के प्रकरणों में जब्त अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण करने हेतु पुलिस मुख्यालय से निर्देश प्राप्त हुऐ थे। जिस पर जिले के समस्त थानाधिकारी प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों को श्रीसीमेंट फैक्ट्री लेकर पहुंचे। गठित समिति की उपस्थिति में नष्टीकरण के तहत थानों पर जब्त अवैध मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। प्रक्रिया में करीब 16 क्विंटल डोडा पोस्त एवं 17 ग्राम स्मैक को जलाकर नष्ट किया, संपूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी व फोटोग्राफी करवाई गई।

अरावली बचाने के लिए तीन जिलों के हजारों लोगों ने रैली निकाली

अलवर, (निसं)। अरावली के पहाड़ों को बचाने के लिए कांग्रेस ने शनिवार को अलवर में तीन जिलों के हजारों लोगों ने रैली निकाली। कांग्रेस नेता गोविंद डोटासरा, जितेंद्रसिंह व टीकाराम जूली के सामने कार्यकर्ता पुलिस की बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। इससे पहले डोटासरा व जूली कटी घाटी की पहाड़ी पर चढ़े। वहां से अरावली बचाओ अभियान की हुंकार भरी। इस रैली में कुछ युवक सिर मुंडवा कर पहुंचे, जिनके सिर पर लिखा था "अरावली बचाओ"। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली कार्यकर्ताओं के साथ कटी घाटी की पहाड़ी पर चढ़ गए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बताया कि इस जन जागरण में तीनों जिलों के कार्यकर्ता पहुंचे। सबका अरावली को बचाने पर जोर है। अरावली देश का भविष्य है। अब हमने अरावली को नहीं बचाया तो 50 से 100 साल आने वाली पीढ़ी जवाब नहीं दे सकेंगे।

भर्तृहरि बाबा की जय के साथ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अरावली बचाओ पैदल मार्च के दौरान कहा कि अरावली मां का सौदा करने वालों को भर्तृहरि बाबा का श्राप लगेगा। जूली ने कहा कि 6 माह पहले प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत की गई कि खनन माफिया 5 करोड़ की रिश्वत मांग रहे हैं। यही शिकायत सीबीआई, सीआईडी और एसीडी को दी गई, लेकिन 5 माह में जांच तक नहीं की गई। यह अरावली का सीना छलनी करने की साजिश है।

अरावली बचाने के लिए कांग्रेस ने अलवर में रैली निकाली।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार को घुटनों के बाल आना पड़ेगा। तीन काले कानून जो किसानों के लिए बनाए गए थे उसी तरह अरावली का काला कानून भी जनहित में वापस लेने के लिए कांग्रेस हर संभव लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि खनन माफियाओं को पनपाने का काम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के कार्यकर्ताओं ने अरावली बचाओ रैली में हिस्सा लिया।

■ अरावली प्रेमी युवाओं ने सिर मुंडवाकर सिर पर "अरावली बचाओ" लिखवाया

कार्यकर्ताओं ने बताया कि अरावली की पहाड़ियां आधे ज्यादा राजस्थान के लिए लाइफ लाइन का काम करती है। यह राजस्थान के पर्यावरणीय संतुलन को संतुलित बने रहने में मदद करती है। पहाड़ की नई परिभाषा को लागू करने से करीब 15 जिले के लोगों के लिए जीवन का संकट उत्पन्न हो जाएगा, इसलिए सरकार और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहाड़ की नई परिभाषा को खारिज किये जाने की मांग की। रैली में पार्टी के जिला सचिव रईसा, पार्टी जिला सचिव मंडल सदस्य जितेंद्र नरूका, सीटू के जिला अध्यक्ष मोहन सिंह राघव, आखिल भारतीय किसान सभा के जिला संयोजक मुख्तार सिंह, भवन निर्माण यूनियन के साथी रतनलाल सैनी एवं ताराचंद, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की साथी रतन भाई एवं टीना कंवर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

शिल्पग्राम उत्सव में हरियाणा के लोक नृत्य "धमाल" का दर्शकों ने आनंद लिया

उदयपुर, (निसं)। शिल्पग्राम उत्सव में हरियाणा की मस्ती के प्रतीक 'धमाल' डांस का मुक्ताकाशी मंच पर दर्शकों ने आनंद लिया।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के गुड़गांव और आसपास के क्षेत्र के अहीर समुदाय के किसान अच्छी फसल होने की खुशी में यह परंपरागत डांस करते हैं। जाहिर है, इस डांस में जहां हरियाणा का अल्हड़पन मस्ती दिखी वहीं इसने लयबद्धता, खूबसूरत स्टेप्स, हावभाव और धमक ने अपनी अलग ही छाप छोड़ दर्शकों का दिल जीत लिया। मुक्ताकाशी मंच पर भी शनिवार को इस नृत्य में जहां परंपरागत ढोल, ताशा, नगाडा और बीन जैसे वाद्य यंत्रों का प्रयोग करते हुए नर्तकों ने इनकी धुन पर डफ और लाठियों के साथ नृत्य कर खूब वाहवाही लूटी। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और नटुआ में एक्रोबेटिक युद्ध कौशल, महाराष्ट्र के लावणी लोक नृत्य में नर्तकियों के श्रृंगार व भावभंगिमाएं, उत्तर प्रदेश के पारंपरिक ढेडिया लोक नृत्यों की तालबद्ध प्रस्तुतियों ने दर्शकों के दिलों के तारों को झंकृत कर दिया। इस शाम की हर प्रस्तुति ने उत्सव की 'लोक के रंग-लोक के संग' थीम को साकार करते हुए मेवाड़ के कलाप्रेमी दर्शकों की खूब दाद पाई। इनमें राजस्थान के कालबेलिया डांस में नर्तकियों के उल्टी घूम के बिना हाथों के सहारे मुंह से नीचे रखा रुमाल और आंख से जमीन पर रखा सिक्का उठाने के कमाल ने तो धमाल ही मचा दी।

शिल्पग्राम उत्सव में मुक्ताकाशी मंच पर कलाकारों ने नृत्य पेश किये।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया छाऊ डांस में जब डांसर्स ने शास्त्रीय नृत्य शैली में मार्शल आर्ट के खूबसूरत सम्मिश्रण के साथ जब महाभारत और रामायण के प्रसंग जीवंत किए तो कलाप्रेमियों ने मंत्रमुग्ध हो तालियों की गड़गड़ाहट से शिल्पग्राम गूंजा दिया। सिद्धि धमाल का कमाल तो शनिवार को भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोला।

इनके साथ ही उत्तराखंड के मीठी छेड़छाड़ वाले छापेली लोक नृत्य ने दर्शकों को गुदगुदाया और उनकी तालियां बटोरी। वहीं, बिहू डांस भी दर्शकों को खूब भाया। बिहू ने असम की छाप छोड़ते हुए वहां की लोक संस्कृति खूबसूरती से पेश की। जम्मू के पारंपरिक डोगरी लोक नृत्य जगरना के साथ ही राजस्थान के सहरिया आदिवासी संस्कृति के सहरिया स्वांग डांस व मणिपुर की मार्शल आर्ट से लबरेज फोक प्रस्तुति थांग-ता स्टिक ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। वहीं, पंजाब का भांगड़ा पर तो पूरा शिल्पग्राम ही झूम उठा। मुक्ताकाशी मंच के दर्शक अपनी जगह पर खड़े होकर झूमने लगे। संचालन मोहिता दीक्षित और माधुरी शर्मा ने किया।

श्रीगंगानगर : बीएसएफ कैंप ग्राउंड में रनिंग टेस्ट के दौरान अभ्यर्थियों पर मधुमक्खियों का हमला

मधुमक्खियों ने करीब 60 कैंडिडेट्स को डंक मारा, सेना की एंबुलेंस व 108 से 18 कैंडिडेट्स को अस्पताल में भर्ती कराया

- हादसे के बाद पहले बैच के रनिंग टेस्ट को रद्द कर तारीख आगे बढ़ाते हुए 19 जनवरी को दोबारा दौड़ के लिए बुलाया गया
- मधुमक्खियों से बचने के लिए अभ्यर्थी इधर-उधर भागने लगे, लेकिन मधुमक्खियों ने पीछा नहीं छोड़ा, कई गिर पड़े, एक अभ्यर्थी बेहोश हो गया

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की कांस्टेबल ट्रेड्समैन भर्ती में शामिल होने आए अभ्यर्थियों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इसमें 18 कैंडिडेट्स घायल हो गए, जिन्हें सेना की एंबुलेंस व 108 के जरिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन जने गंभीर घायल हो गए।

जैसे ही अभ्यर्थियों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया तो एमरजेंसी में डॉक्टरों व नर्सिंग स्टॉफ की पूरी टीम अभ्यर्थियों के इलाज में जुट गई। कई अभ्यर्थी मधुमक्खियों के डंक से कहरा रह थे तो कुछ को यह चिंता सता रही थी कि दौड़ बीच में छूट गई, अब क्या होगा। अधिकतर अभ्यर्थी कहते नजर आए कि उन्होंने भर्ती के लिए बीते 6-8 माह से लगातार प्रयास किए हैं। कुछ ही समय में वे दौड़ भी पूरी कर लेते, लेकिन अब घर क्या बताएंगे। बीएसएफ के जवान भी जिला अस्पताल के स्टॉफ का हर संभव सहयोग कर रहे थे। साथ ही सांत्वना भी देते दिखे कि परेशान ना हो। पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़, डीसी डॉ. ज्योत्सना चौधरी, डॉ. मनवीर, एमरजेंसी इंचार्ज राकेश कुमार, नर्सिंग ऑफिसर राहुल कुमार व सुनील यादव आदि ने पूरा सहयोग किया। एमरजेंसी इंचार्ज राकेश कुमार का कहना था कि शाम चार बजे तक ज्यादातर अभ्यर्थियों को डिस्चार्ज कर दिया गया था।

जानकारी के अनुसार 48वीं बटालियन बीएसएफ कैंप ग्राउंड में रनिंग टेस्ट के दौरान पहले राउंड में 100 अभ्यर्थी दौड़ रहे थे। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। देखते ही देखते अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए अभ्यर्थी इधर-उधर भागने लगे, लेकिन मधुमक्खियों ने पीछा नहीं छोड़ा। कई गिर पड़े, वहीं एक अभ्यर्थी बेहोश भी हो गया। मधुमक्खियों ने करीब 60 कैंडिडेट्स को डंक मारा, इनमें 18 जनों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भर्ती का पहला दिन था। करीब 700 अभ्यर्थी बुलाए गए थे। हादसे के बाद पहले बैच के रनिंग टेस्ट को रद्द कर दिया गया और तारीख आगे बढ़ाते हुए 19 जनवरी को दोबारा दौड़ के लिए बुलाया गया है।

जानकारी के अनुसार भर्ती के लिए 24 मिनट में 5 किमी. दौड़ के लिए 12 राउंड पूरे करने थे। जोधपुर जिले में भोपालगढ़ के जाटों की ढाणी, निवासी आन्नाराम बेडा ने बताया कि पिछले दो माह से लगातार दौड़ की तैयारी कर रहा है। 24 मिनट में 12 राउंड पूरे करने के लिए 5 किमी की दौड़ तय की गई थी। 8 राउंड पूरे कर लिए, 9 वें राउंड में मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया। 8 मिनट 32 सैकिंड शेष थे, आराम से दौड़ पूरी कर लेता, लेकिन अब खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सीकर जिले के पाटन तहसील के गांव खारिया निवासी सुंदर यादव का कहना है कि पिता ताराचंद यादव किसान हैं। भर्ती के लिए 6 माह से अथक प्रयास कर रहा था। 10 राउंड भी पूरे कर लिए थे। 11 वें राउंड में एक साथ कई मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मैं गिर गया और बेहोश हो गया। यदि सब कुछ ठीक रहता तो महज 18-19 मिनट में ही 12 राउंड पूरे कर लेता। 19 जनवरी को पुनः भर्ती के लिए श्रीगंगानगर आऊंगा।

आन्नाराम बेडा सुंदर यादव उप परियोजना निदेशक आत्मा सुदेश कुमार ने बताया कि कि ठंड के महीनों में मधुमक्खियां आक्रामक नहीं, बल्कि खुद को और अपने छत्ते को बचाने के लिए सतर्क हो जाती हैं। एक सर्दियों में फूलों की संख्या काफी कम हो जाती है, जिससे मधुमक्खियों को भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वे अपने छत्ते में जमा शहद की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। ठंड से बचने के लिए पूरा झुंड छत्ते के अंदर सिमटकर रहता है और शरीर की गर्मी बनाए रखता है। इस दौरान अगर छत्ता हिलता है, तेज़ आवाज़ होती है या कोई व्यक्ति बहुत पास चला जाता है तो मधुमक्खियां इसे सीधे हमले के रूप में लेती हैं और समूह में प्रतिक्रिया करती हैं। बीएसएफ ने भी इस बारे में पहले ही जिला अस्पताल को सूचना दे दी थी।

गुजरात से लापता व्यक्ति का शव डूंगरपुर में मिला

- बेटे ने शव देखकर पहचान की, चार दिन पहले घर से बिना बताए निकला था

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव में शुक्रवार को कुएं में मिले शव की पहचान हो गई है। यह शव गुजरात के अरवल्ली जिले के मेघरज निवासी नवीन भाई पांडोर का है, जो चार दिन से लापता थे। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

रामसागडा थाना पुलिस के अनुसार, नवीन भाई पांडोर के बेटे दीपेन कुमार पुत्र नवीन भाई पांडोर निवासी वाटा पाणीबार, मेघरज, जिला अरवल्ली ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दीपेन कुमार ने बताया कि उनके पिता नवीन भाई पांडोर 23 दिसंबर को घर से बिना बताए निकल गए थे। परिवार के सदस्यों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच, 26 दिसंबर को वीरपुर गांव में एक कुएं में एक व्यक्ति का शव मिला। शव को डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था। परिजनों को जब नवीन भाई पांडोर के शव मिलने की सूचना मिली, तो वे शनिवार को डूंगरपुर पहुंचे। मोर्चरी में शव देखने के बाद उसकी पहचान नवीन भाई पांडोर के रूप में की गई। इसके बाद परिजनों ने घटना के संबंध में पुलिस को रिपोर्ट दी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

युवती ने आत्महत्या की : उदयपुर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में युवती ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार खेड़ापाल बिछीवाड़ा डूंगरपुर हाल हिरणमगरी पानेरियों की मादड़ी निवासी सुनीता कटारा पुत्री सामेश्वर कटारा ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। सुनीता पढ़ाई करती थी एवं किराणा दुकान पर काम करती थी। गुरूवार शाम सुनीता जडाव नर्सरी के समीप स्थित रेल्वे पुल के पास अचेत अवस्था में मिली, जिसे निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार बाद रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। वहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जीवननाथ एएसआई ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली

उदयपुर, (निसं)। कुराबड़ थाना क्षैत्र में रेती स्टैण्ड की तरफ अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली। जिसे एएसआई जीवननाथ ने मौके से हटाकर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र करीब पचास वर्ष रंग गेहुआ, कद 5.5 फीट, सिर पर सफेद बाल व मुंह पर सफेद दाढी, सफेद टी शर्ट, ब्लू करल पेंट पहने हैं।

युवती ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में एक युवती ने घर में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया। पुलिस ने शनिवार को मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि पूनम कॉलोनी निवासी राखी वर्मा (30) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नही आया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

क्लिंकर हटाने के दौरान बायलर क्षतिग्रस्त, जेईएन समेत कई मजदूर घायल

छबड़ा में सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की छठी इकाई में विद्युत उत्पादन ठप होने थर्मल को करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा है

- सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट की 660 मेगावाट की छठी इकाई के बायलर में कठोर राख के ढेर जमा हो जाने से 24 दिसंबर रात 11 बजे से विद्युत उत्पादन ठप हो गया था
- तकनीकी अधिकारियों द्वारा बायलर की सफाई की जा रही थी, इसी दौरान बायलर में जमे क्लिंकर का कुछ हिस्सा गिर गया था
- विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने थर्मल अधिकारियों पर बायलर के मेंटेनेंस के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की

छबड़ा, (निसं)। सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की छठी इकाई के बायलर में क्लिंकर जमा हो जाने के चलते तीन दिन पूर्व इकाई से विद्युत उत्पादन ठप हो गया है। तकनीकी अधिकारियों द्वारा शनिवार तड़के क्लिंकर हटाने के दौरान बायलर क्षतिग्रस्त हो गया और जेईएन समेत तीन-चार मजदूर घायल हो गए।

थर्मल सूत्रों के अनुसार सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट की 660 मेगावाट की छठी इकाई के बायलर में कठोर राख के ढेर जमा हो जाने से 24 दिसंबर रात 11 बजे से विद्युत उत्पादन ठप हो गया। शनिवार तड़के 5-6 बजे तकनीकी अधिकारियों द्वारा बायलर की सफाई की जा रही थी। इसी दौरान बायलर में जमे क्लिंकर का कुछ हिस्सा गिर गया, जिससे बायलर क्षतिग्रस्त हो गया और यहां काम कर रहे जेईएन सहित 3-4 मजदूर घायल हो गए। सुपर क्रिटिकल प्लांट के तकनीकी सहायक एक्सईएन जगदीश गुप्ता ने बताया कि बायलर में क्लिंकर जमा होने के चलते विद्युत उत्पादन ठप हो गया है। बायलर से क्लिंकर हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही हैं। इस मामले में चीफ इंजिनियर दिनेश सिंह से संपर्क नहीं हो सका। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने थर्मल अधिकारियों पर बायलर के मेंटेनेंस के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है और रखरखाव के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं, विद्युत उत्पादन ठप होने व बायलर के क्षतिग्रस्त होने से थर्मल को करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा है।

गौरतलब है कि थर्मल पावर प्लांट के बॉयलर में क्लिंकर (राख के कठोर जमाव) जमने से यूनिट बंद हो जाती है क्योंकि ये जमाव बॉयलर ट्यूब्स को नुकसान पहुंचाते हैं, गर्मी के प्रवाह को रोकते हैं और अंततः गिरकर बॉयलर के निचले हिस्सों को तोड़ सकते हैं, जिससे उत्पादन रुक जाता है और रखरखाव की जरूरत पड़ती है। कोयले की गुणवत्ता, अत्यधिक तापमान और एयरफ्लो के असंतुलन जैसी चीज़ें इसके मुख्य कारण हैं।

शून्य नामांकन वाले 31 जिलों के 97 स्कूल बंद

- स्कूलों को बंद कर पास के ही स्कूल में मर्ज किया

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले ही शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 31 जिलों के 97 विद्यालय बंद कर दिए गए। इसमें 88 प्राथमिक और 9 उच्च प्राथमिक स्कूल हैं। शून्य नामांकन होने के कारण इन स्कूलों को बंद कर पास के ही स्कूल में मर्ज कर दिया है। जोधपुर जिले के सबसे अधिक 13 स्कूलों को बंद किया गया है, जबकि बीकानेर का एक स्कूल इस सूची में शामिल है।

बीकानेर के नोखा ब्लॉक के स्कूल को पास के स्कूल में मर्ज किया गया है। पिछले महीने प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने शून्य नामांकन वाले स्कूलों की रिपोर्ट संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों से मंगाई थी। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इन स्कूलों को सुव्यवस्थित करते हुए पास के स्कूल में मर्ज करने के निर्देश जारी किए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मर्ज होने के बाद संबंधित प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल की समस्त संपत्तियां जैसे भूमि, भवन, खेल मैदान, फर्नीचर, शैक्षणिक उपकरण आदि पर जिस में मर्ज किया गया है उसी स्कूल का ही अधिकार होगा।

जानकारी के अनुसार राज्य में लगभग 230 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में नामांकन शून्य है। वर्तमान में प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय की ओर से 97 स्कूलों को मर्ज करने के आदेश जारी किए गए हैं। शून्य नामांकन वाले अन्य लगभग 133 ऐसे प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय जिनका एकीकरण पास के उच्च माध्यमिक स्कूलों में किया जाना है, इस संबंध में आदेश माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए जाएंगे। इन 97 स्कूलों से अधिशेष हुए कार्मिकों को जहां अधिक नामांकन है उन स्कूलों में रिक्त पदों पर लगाया जाएगा। स्टाफिंग उपरांत अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन होने तक इन कार्मिकों को कार्य व्यवस्थार्थ उसी पीईईओ क्षेत्र के अन्य सरकारी स्कूल में लगाए जाने के निर्देश संबंधी जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक को दिए गए हैं, जहां नामांकन की अपेक्षा कार्यरत शिक्षक कम है।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षैत्र में युवक ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज करवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षैत्र निवासी कमलेश पुत्र हेमराज चौधरी ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। कमलेश ऑटा चक्की चलाता है एवं प्रोपर्टी का काम भी करता है। गत दिनों उसने रजा कॉलोनी निवासी शाहीद पुत्र चांद मोहम्मद को एक भूखण्ड बेचा था। कुछ दिनों बाद शाहिद ने भूखण्ड का सौदा निरस्त कर रूपये मांगना शुरू कर दिया था। इसको लेकर परेशान कमलेश ने विषाक्त वस्तु सेवन कर चक्की पर जाकर सो गया था। शनिवार सवेरे जाग नहीं होने पर परिजनों ने देखा तो वह अचेतावस्था में पड़ा था, जिसे परिजन चिकित्साल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर सविना थानाधिकारी भंवरलाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। हेमराज चौधरी ने शहिद के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज करवाया है।

वांछित योग्यता जांचे बिना फॉर्म भरने वाले ई-मित्र संचालकों पर होगी कार्रवाई

आरपीएससी ने प्रदेश में संचालित 80 हजार ई-मित्र कियोस्क संचालकों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया

- आयोग ने स्पष्ट किया है कि गलत तरीके से आवेदन भरना केवल अभ्यर्थी की गलती ही नहीं है, ऐसा करने वाले ई-मित्र संचालक भी अपराध के भागीदार हैं
- आयोग ने राज्य के सभी जिला कलैक्टरों से भी आग्रह किया है, कि वे अपने जिले के ई-मित्र संचालकों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करें

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने प्रदेश में संचालित 80 हजार ई-मित्र कियोस्क संचालकों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने पाया है कि कई ई-मित्र संचालक बिना शैक्षणिक योग्यता जांचे ही अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन भर रहे हैं, जिसके कारण विभिन्न भर्तियों के तहत बड़ी संख्या में अपात्र अभ्यर्थियों के आवेदन आयोग को प्राप्त हो रहे हैं। इस संबंध में आयोग द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी और संचार विभाग को ई-मित्र संचालकों को निर्देशित करने के संबंध में पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

आयोग सचिव ने बताया कि जब भी किसी भर्ती का विज्ञापन निकलता है, तो ई-मित्र संचालक अभ्यर्थी की मूल शैक्षणिक योग्यता की जांच नहीं करते। वे केवल मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के जरिए आवेदन पत्र भर देते हैं। इस लापरवाही के कारण कई भर्तियों में लाखों की संख्या में ऐसे अभ्यर्थी आवेदन कर देते हैं जो उस पद के लिए वांछित शैक्षणिक योग्यता तक नहीं रखते हैं। इससे परीक्षाओं के आयोजन में अनावश्यक श्रम, समय और सरकारी धन की बर्बादी होती है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि गलत तरीके से आवेदन भरना केवल अभ्यर्थी की गलती ही नहीं है। ऐसा करने वाले ई-मित्र संचालक भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 217 के तहत अपराध के भागीदार हैं। आयोग ने राज्य के सभी जिला कलैक्टरों से भी आग्रह किया है, कि वे अपने जिले के ई-मित्र संचालकों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करें।

आयोग के कड़े निर्देश, अनिवार्य जांच :- अब ई-मित्र संचालकों को फॉर्म भरने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि अभ्यर्थी के पास उस पद के लिए आवश्यक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता है या नहीं। प्रदेश के सभी ई-मित्र संचालकों को इस संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश देने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को कहा गया है।

128 वाहनों का चालान काटे

पावटा। प्रागपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लेन ड्राइव सिस्टम के तहत विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले कुल 128 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले मे लेन ड्राईव सिस्टम के तहत अवैध थानाधिकारियो को निर्देशित किया गया था। अ्पुलिस अधीक्षक कोटपुतली जिला कोटपूतली-बहरोड नाजिम अली के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर उमेश कुमार निठारवाल के निर्देशन मे थानाधिकारी पुलिस थाना प्रागपुरा भजनाराम के नेतृत्व मे टीम का गठन कर लेन ड्राइव सिस्टम का पालन न करने, गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन संचालन सहित अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 128 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही कर एमवीएक्ट के तहत 128 चालान किये।

नशे में पुलिस पर कार चढ़ाने का प्रयास, चालक गिरफ्तार

- पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कूदकर जान बचाई

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने नाकाबन्दी के दौरान नशे में धुत्त कार चालक द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से कार चढ़ाने के प्रयास एवं नाकाबंदी तोड़ राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में कार्यवाही करते हुए कार चालक को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम व यातायात नियमों की पालना हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि अनंतपुरा थाने के सहायक उप निरीक्षक कुन्दन कुमरा के नेतृत्व में पुलिस टीम बरड़ा बस्ती चौराहे पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे, उसी दौरान पुलिस टीम को एक कार तेज गति व लापरवाही से आती हुई दिखाई दी। शहर एसपी ने बताया कि नाकाबन्दी के दौरान पुलिस टीम ने जब कार चालक को रूकने का इशारा किया तो चालक ने कार को रोकने के बजाय पुलिस टीम पर चढ़ाने का प्रयास किया, तो पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई। कार चालक ने हड़बड़ाहट में नशे में धुत्त होकर कार को बैरिकेट पर दे मारा जिससे सरकारी संपति को नुकसान हुआ। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार का पीछा कर चालक को रोककर कार्यवाही करते हुए अजय आहुजा नगर रंगबाड़ी निवासी देवेन्द्र सिंह हाड़ा (27) को गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर ब्रेथ एनालाइजर से चेक किया तो कार चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस टीम ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर क्षतिग्रस्त कार को जप्त कर लिया है।

तीन फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान वांछित अपराधियों के विरूद्ध के तहत थानाधिकारी डिग्गी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाने में दर्ज प्रकरण में 9 माह से फरार आरोपी भागचन्द पुत्र शंकरलाल मीणा निवासी भीपुर को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त किया गया है। इसी क्रम में थानाधिकारी घाड़ के नेतृत्व में गठित टीम न्यायायल से फरार स्थायी वारंटी हीरालाल पुत्र लक्ष्मीनारायण को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार थाना झिराना पुलिस टीम द्वारा एक वर्ष से अधिक समय से पुराने प्रकरण में फरार आरोपी महावीर प्रसाद मीना को गिरफ्तार किया गया, जिसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन को लेकर फिल्म अभिनेता सलमान खान को नोटिस

कोर्ट ने 20 जनवरी को सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया

- पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन का आरोप लगाते हुए फिल्म अभिनेता सलमान खान सहित अन्य के खिलाफ कोटा के उपभोक्ता न्यायालय में वाद पेश किया गया था
- कोटा उपभोक्ता न्यायालय ने सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने हस्ताक्षर का नमूना देने के आदेश दिया, इस मामले में न्यायालय के आदेश के अनुसार हस्ताक्षरों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी

कोटा, (निसं)। पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन का आरोप लगाते हुए फिल्म अभिनेता और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान सहित अन्य के खिलाफ कोटा के उपभोक्ता न्यायालय में वाद पेश किया गया था। इसमें सलमान खान की तरफ से भी जवाब पेश कर दिया गया था, लेकिन इस जवाब में सलमान खान के हस्ताक्षर को फर्जी बताते हुए परिवादी ने फॉरेंसिक जांच की मांग की है। इसे उपभोक्ता न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही 20 जनवरी को सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया है।

अधिवक्ता रिपुदमन सिंह ने बताया कि 27 नवंबर को पान मसाला के विज्ञापन को लेकर इंद्र मोहन सिंह हनी ने परिवाद पेश किया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि सलमान खान एक पान मसाला का विज्ञापन करते हैं। इसमें पान मसाला को केसर युक्त बताया जा रहा है जबकि ऐसा नहीं होता है। केसर के दाम और पान मसाला के दाम में भारी अंतर है। इस भ्रामक विज्ञापन के चलते युवा भ्रमित हो रहे हैं। इसके संबंध में सलमान खान में जवाब पेश किया है जिसमें सलमान खान ने बताया कि वह उन पर लगाए गए आरोप से भली-भांति परिचित हैं। इस मामले में वह प्रतिवादी नंबर दो हैं। साथ ही उन्होंने आपत्ति जताई है कि वर्तमान क्षेत्राधिकार के शिकायत को विवादित बताया है। ऐसे में सलमान खान ने अपना नाम प्रतिवादी दो से विलोपित करने की मांग की है। इसको लेकर उपभोक्ता न्यायालय में सुनवाई हुई थी। परिवादी ने सलमान के जवाब को लेकर आपत्ति दर्ज की है। इस पर उपभोक्ता न्यायालय कोटा ने अभिनेता सलमान खान को 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया। इसके साथ ही उनके हस्ताक्षर की भी फॉरेंसिक जांच करने के निर्देश दिए हैं जिसके लिए सलमान खान को स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर अपना हस्ताक्षर नमूना देने होगा। इसकी तुलना प्रस्तुत दस्तावेजों से कराई जाएगी। इस मामले में न्यायालय के आदेश के अनुसार हस्ताक्षरों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आपसी कहासुनी में दो युवकों पर हमला, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गोगुन्दा कस्बे में आपसी कहासुनी के दौरान आरोपी ने चाकू से हमला कर युवक व साथी को घायल कर दिया। मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इधर, घटना के विरोध में गोगुन्दा का बाजार आधे दिन बंद रहा।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश पुत्र लक्ष्मीलाल व उसके साथी चेतन पुत्र किशनलाल नायक पर आरोपी उदयपुर निवासी शाहनवाज पुत्र फिरोज चाकू से हमला कर फरार हो गया। दिनेश व शाहनवाज दोनों साथ मजदूरी करते हैं। शुक्रवार को दिनेश बस में बैठकर गोगुन्दा जा रहा था, जहां फतहपुरा से शाहनवाज भी बस में बैठा और बीच रास्ते दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। गोगुन्दा बस से उतरने पर शाहनवाज ने चाकू से दिनेश पर हमला किया तथा बचाव में आए चेतन पर हमला कर फरार हो गया। दोनों को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। घटना का पता चलने पर ग्रामीणों ने आक्रोषित होकर आरोपी के साथ मारपीट की तथा सख्त कार्यवाही की मांग पर अड़ गए। घटना के विरोध आधा दिन गोगुन्दा बाजार भी बंद रहे। इधर, मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह ने आरोपी शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध मादक पदार्थ सहित दो गिरफ्तार : कोटा के भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 485 गांजा सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गौदारा ने मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान अजय आहुजा पार्क माला रोड़ के पास बारां के धाकड़खेड़ी निवासी बबलू मेघवाल (23) एवं कच्ची बस्ती रंगबाड़ी निवासी लखन सोनी (25) के पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

तीन दुकानों के ताले तोड़ नगदी व सामान चोरी

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में शुक्रवार देर रात्रि को अज्ञात चोर तीन दुकानों के ताले तोड़कर दुकान में रखी नकदी व अन्य सामान लेकर फरार हो गये। तीन दुकानों में से एक दुकान में लगे सीसीटीवी में चोरी का घटनाक्रम कैद हो गया। पुलिस ने दुकानदारों की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि इलाके के आंवली रोजड़ी में अज्ञात चोर पलक निधि बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान, शिव कृपा मार्बल की दुकान एवं श्रीराम ज्वैलर्स की दुकान के ताले तोड़कर दुकान में से नकदी व अन्य सामान चोरी करके ले गये। पुलिस ने बताया कि तीनों दुकानदारों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। तीनों दुकान में से अज्ञात चोर बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान में से 15 हजार नकदी, मार्बल व ज्वैलर्स की शॉप से अज्ञात चोर नकदी व चांदी के आभूषण चोरी करके ले गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर

क्रमांक- अ.अ./चि.एवं स्वा./2025-26/3241-49 दिनांक- 18.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 28/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 48.50 लाख के 1 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधी विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट WWW.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB NO. MHS2526A3824
1. MHS2526WSOB05569

(राम कुमार कुर्डिया)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

DIPR/C/19015/2025

सांभर अब ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया सांभर महोत्सव का आगाज़

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य तथा पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, अतिरिक्त कलेक्टर जयपुर आशीष कुमार, सांभर एसडीएम ऋषि राज कपिल, पर्यटन उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में 27 से 31 दिसम्बर तक पांच दिवसीय सांभर महोत्सव का झपोक में शुभारम्भ हुआ। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दोपहर 12 बजे हजारों सैलानियों की उपस्थिति में साम्भर महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद क्राफ्ट एवं फूड स्टॉल का भ्रमण किया तथा कलाकार एवं हस्तशिल्पियों का उत्साह वर्धन किया। दिया कुमारी ने इस अवसर पर डाक कार्ड का विमोचन किया और पतंग प्रदर्शनी एवं फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सांभर फेस्टिवल की सभी को बधाई देते हुए देश-विदेश से आए पर्यटकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष फेस्टिवल का आयोजन और भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है तथा अगले वर्ष यह और भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सांभर फेस्टिवल ने अब वैश्विक पर्यटन मंच पर अपनी अलग पहचान बना ली है। सांभर अब ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनता जा रहा है।

दिया कुमारी ने कहा कि सांभर की विशिष्ट पहचान इसका अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य है। शीत ऋतु में यूरोप और उत्तरी एशिया से आने वाले विभिन्न प्रजाति के पक्षी, विशेषकर ग्रेटर फ्लेमिंगो, सांभर को वैश्विक पहचान दिलाते है। दिया कुमारी ने कहा कि सरकार पर्यटकों की सुविधाओं के लिए विकास कार्य कर रही है, उन्होंने कहा कि सड़क कनेक्टिविटी विकास को लेकर निरंतर कार्य किये जा रहें हैं।

उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने पांच दिवसीय सांभर महोत्सव का झपोक में शुभारम्भ किया। इस मौके पर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, अतिरिक्त कलेक्टर आशीष कुमार, सांभर एसडीएम ऋषि राज कपिल, पर्यटन उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे।

उपमुख्यमंत्री ने पर्यटकों से सांभर के प्राकृतिक सौंदर्य, स्थानीय आकर्षणों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लेने का आव्हान किया। उन्होंने जयपुर सहित सभी पर्यटन प्रेमियों से आग्रह किया कि वह सांभर में आयोजित हो रहे इस फेस्टिवल में अधिक से अधिक सहभागिता कर यहां के अद्भुत प्राकृतिक रमणीयता का आनंद लेवे, साथ ही यहां स्थित विभिन्न पर्यटक स्थलों को भी देखें। उन्होंने पर्यटकों से यह भी आग्रह किया कि वे सभी यहां के वीडियो और फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जरूर अपलोड करें।

विभिन्न कला और शिल्प स्टालों, फोटोग्राफी

■ सांभर की विशिष्ट पहचान इसका अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य है। शीत ऋतु में यूरोप और उत्तरी एशिया से आने वाले विभिन्न प्रजाति के पक्षी, विशेषकर ग्रेटर फ्लेमिंगो, सांभर को वैश्विक पहचान दिलाते है : उपमुख्यमंत्री

प्रदर्शनी और फूड कोर्ट के साथ ही सांभर महोत्सव में फैंसी एवं आकर्षक पतंग प्रदर्शनी एवं विशेष पतंग उड़ान गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। घोड़े की सवारी, ऊंट की सवारी और ऊंट गाड़ी की सवारी की गतिविधियों का पर्यटक आनंद लेते हुए दिखाई दिए।

झपोक में इस भव्य पर्यटक मेले में में एडवेंचर गतिविधियाँ-पैरा सेलिंग, पैरा मोटरिंग, पैरा ग्लाइडिंग, जीप सफारी, एटीवी, बैलून राइड, साइकिलिंग जैसी गतिविधियों में पर्यटक शामिल होते हुए दिखे। इस अवसर पर लोक कलाकारों द्वारा शानदार कलात्मक प्रदर्शन किया गया।

इसी प्रकार 31 दिसंबर को हेरिटेज वॉक सांभर टाउन, फैंसी पतंगबाजी प्रदर्शन कला और शिल्प स्टॉल, फोटोग्राफी प्रदर्शनी घुड़सवारी, ऊंट की सवारी और ऊंट गाड़ी की सवारी एडवेंचर गतिविधियां-पैरा सेलिंग पैरा मोटरिंग। पैरा ग्लाइडिंग, जीप सफारी, एटीवी, बैलून राइड, साइकिलिंग आदि लोक कलाकारों द्वारा स्ट्रीट परफॉर्मेंस प्रस्तावित है।

स्टील व्यापारियों से धोखाधड़ी करने वाले बदमाश पकड़े

जयपुर (कासं)। पुलिस आयुक्तलाय की विशेष टीम ने 15 साल से फरार चल रहे दस-दस हजार रुपए के इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। दोनो आरोपियों के खिलाफ जयपुर में कुल 11 प्रकरण दर्ज है और दोनों के खिलाफ करीब 15 साल से स्थाई वारंट जारी है।

उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस मुख्यालय एवं पुलिस आयुक्तालय की ओर से वांछित एवं भंगोडे अपराधियों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। जिसके लिए विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम ने तकनीकी एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर स्थाई वारंटी महेश अग्रवाल पुत्र मातादीन अग्रवाल और उसकी पत्नी सुनिला अग्रवाल प्रताप नगर, मुरलीपुरा हाल किराएदार रानीबाग, नई दिल्ली निवासी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि दोनो वांछित मुल्जिम गिरोह के रुप में स्टील व्यापारियों के साथ धोखाधड़ी से स्टील व अन्य माल खरीद कर फरार हो गए थे। दोनो इनामी बदमाश अलग-अलग जगहों पर अपनी असली पहचान छीपा कर फरारी काट रहे थे। पुलिस ने बताया कि इनामी बदमाश महेश अग्रवाल विश्वकर्मा थाने से टॉप -10 अपराधियों में एवं सहायक पुलिस आयुक्त चौमूं सर्किल के टॉप -10 अपराधियों की सूची में शामिल है।

पाचा क्लब के बाहर देर रात युवतियों से छेड़छाड़

दो पक्षों में चले लात-घूंसे, आधा दर्जन उपद्रवियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

जयपुर (कासं)। महेश नगर थाना इलाके में स्थित पालिका बाजार के समीप पाचा क्लब में शुक्रवार देर रात 2 बजे कुछ युवतियों से छेडछाड की बात को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। जिसके बाद दोनो पक्षों में जमकर मारपीट और लाठी -भांटा जग छीड गई। गुस्साए दोनो पक्षों ने पालिका बाजार के बाहर पार्किंग में खडी कारों के शीशे भी तोड दिए। जबकि पालिका बाजार के ठीक सामने महेश नगर पुलिस चौकी स्थित है। लेकिन बदमाशों पर पुलिस चौकी का भी कोई प्रभाव दिखाई नहीं दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर दोनो पक्षों के कुछ लोग मौके से फरार हो गए। वहीं पुलिस ने इस मामले में आधा दर्जन उपद्रवियों को शांतिभंग के आरोप में हिरासत में ले लिया।

थानधिकारी सुरेश यादव ने बताया कि स्वेज फॉर्म के पास पालिका बाजार के सामने पाचा क्लब संचालित है। जिसमें शुक्रवार देर रात 2 बजे कुछ मनचलों ने क्लब के बाहर खड़ी कुछ युवतियों से छेड़छाड़ कर दी। इस बात को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई और देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। इसी दौरान कुछ

■ महेश नगर पुलिस चौकी के पास की घटना, देर रात 2 बजे तक संचालित था पाचा क्लब

युवक लाठी-सरिए और डंडे लेकर दुसरे पर टूट पड़े। मुख्य मार्ग पर मारपीट होती देख रास्ते से गुजने वाले राहगीरों ने भाग-भाग कर अपनी जान बचाई। इसी दौरान उपद्रवियों ने पालिका बाजार के बाहर पार्किंग में खड़ी कारों के शीशे तोड़ दिए। इस मारपीट में तीन -चार लोग चोटिल भी हुए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सात उपद्रवियों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एक चौपहिया वाहन को भी जब्त किया है।

बताया जा रहा है कि जिस बिल्डिंग में पाचा क्लब संचालित हो रहा है वो बिल्डिंग ओके प्लस ग्रुप है और पूर्व में कई बार पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। लेकिन आज तक इस क्लब के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने कोई पुख्ता कार्रवाई नहीं की है। जिसके चलते क्लब के मालिक के हौसल बुलन्ध होते नजर आ रहे है।

पेंशन नियमों के विपरीत जाकर रिटायर प्रिंसिपल की पेंशन रोकने पर जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पेंशन नियमों के विपरीत जाकर राज्यपाल की बजाय माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से रिटायर प्रिंसिपल की पेंशन का का कुछ हिस्सा रोकने पर प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक और पेंशन निदेशक सहित मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, सवाई माधोपुर से जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कमलेश कुमार जोशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता प्रिंसिपल पद से 31 मई 2021 को रिटायर हुआ, लेकिन पूर्व की विभागीय जांच के लंबित होने के कारण माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने उसकी दस फीसदी पेंशन रोकने का दंडादेश दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि वह बामनवास में ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी के तौर पर अक्टूबर 2014 से जून 2015 तक कार्यरत रहा। उस दौरान कार्यालय के अधीन कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से तीन-चार साल दिसंबर 2009 से पोषाहार में गबन हो रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर याचिकाकर्ता ने तत्काल बामनवास थाने में एफआईआर दर्ज कराई। इससे विभाग को पैसा वापस मिला। वहीं जिला परिषद सवाई माधोपुर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की जांच में प्रार्थी को दोषमुक्त किया और दोषी अफसर व कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई। इसके बावजूद विभाग ने प्रार्थी को सीसीए नियमों में चार्जशीट दी, जिसका याचिकाकर्ता ने जवाब दे दिया।

इस दौरान उसके रिटायर होने पर भी जांच जारी रखी और 17 दिसंबर 2024 को माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने आदेश जारी कर उसकी दस फीसदी पेंशन रोक ली। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता राज्य सेवा के अधिकारी के तौर पर रिटायर हुआ था और राजस्थान पेंशन नियमों के अनुसार केवल राज्यपाल राज्य सेवा के अधिकारी के खिलाफ दंडादेश जारी कर सकते हैं। इसलिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को पीजी डिग्री करने पर तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ दें : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रार्थी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को वित्त विभाग के 21 दिसंबर 2017 के परिपत्र के अनुसार पीजी डिग्री करने के बाद तीन अग्रिम वेतन वृद्धि देने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख चिकित्सा सचिव व निदेशक सहित संबंधित मेडिकल कॉलेज के रजिस्ट्रार को कहा है कि वह इन तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ याचिकाकर्ता चिकित्सकों से नहीं वसूले। जस्टिस मुनेरी लक्ष्मण की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. राजेन्द्र सिंह लखावत व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि याचिकाकर्ता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद पर हैं। सेवा अवधि के दौरान उन्होंने चिकित्सा और सर्जरी में पीजी की थी। जिस पर नियमानुसार उनके मूल वेतन पर अग्रिम तीन वेतन वृद्धियों का लाभ देकर उनका वेतन नियमित किया गया। वहीं बाद में वित्त विभाग ने 26 जुलाई 2013 के परिपत्र का हवाला देते हुए उन्हें दिया तीन अग्रिम वेतन वृद्धियों का लाभ एक जनवरी 2018 से प्रभावी माना, जबकि यह पीजी डिग्री प्राप्त करने की तारीख से लागू माना जाना चाहिए था। वहीं विभाग ने प्रार्थियों को सुनवाई का मौका दिए बिना ही इसकी रिकवरी का आदेश जारी कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि किसी भी परिपत्र या आदेश को भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं कर सकते। प्रार्थियों को पीजी डिग्री पास करने की तिथि से ही तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ मिलना न्यायोचित है। इसलिए 21 मई 2025 के आदेश को सेवा नियमों के विपरीत होने के कारण रद्द किया जाए।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर । अंग्रेजी नववर्ष-2026 की पूर्व वेला पर रविवार, 28 दिसंबर को सुबह 9 से दोहपर 12 बजे तक गोविंद देवजी मंदिर में श्री मन्माध्व गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी जी महाराज के सान्निध्य में नवसंकल्प सिद्धि गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2025 में हुई भूलों, त्रुटियों की क्षमायाचना, अवगुणों का आत्मावलोकन कर प्रभु के समक्ष प्रायश्चित कर श्रद्धालु ठाकुर श्री गोविंद देवजी के समक्ष नववर्ष 2026 के लिए शुद्ध, सकारात्मक और रचनात्मक जीवन के शुभ संकल्प लेंगे। श्रद्धालु यज्ञ भगवान की साक्षी में यह संकल्प लेंगे कि वे एक बुराई का त्याग कर एक अच्छाई को अपनाएंगे। स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र को उन्नित के पथ पर अग्रसर करेंगे। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के विद्वानों की टोली पंच कुंडीय यज्ञ संपन्न कराएंगी। महायज्ञ के माध्यम से नर-नारी की समानता, जाति-वंश से ऊपर उठकर मानवता, नैतिकता और संस्कारों को जीवन में उतारने का संदेश दिया जाएगा।

राज्यपाल से कुलगुरु डॉ. दुबे की शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे से शनिवार को लोकभवन में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के नव नियुक्त कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने मुलाकात की। कुलगुरु बनने के बाद डॉ. दुबे की राज्यपाल से यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

सरस राजसखी मेले में छाई लोक कलाओं की अनुपम झलक

जयपुर (कासं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 का प्रत्येक दिन भारतीय संस्कृति के विविध रंगों से सराबोर नजर आ रहा है। गत 4 जनवरी तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में प्रतिदिन देश के किसी न किसी कोने की लोक कला, नृत्य और संगीत को मंच मिल रहा है, जिसे देखने और अनुभव करने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उमड़ रहे हैं। सांस्कृतिक संध्याओं के माध्यम से यह मेला न केवल मनोरंजन का केंद्र बना हुआ है, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम भी बन रहा है।

मेले के पहले दिन ही सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चरी, घूमर और कालबेलिया नृत्यों से हुई, जिसने पूरे परिसर को लोक रंगों से भर दिया। ताल, लय और भाव-भंगिमाओं के प्रभावशाली संयोजन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लोक कलाकारों द्वारा शहनाई और नगाड़ा वादन ने भी खूब सराहना बटोरी। भरतपुर के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मयूर नृत्य तथा उत्तर प्रदेश के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इन रंगीन और भावपूर्ण प्रस्तुतियों पर पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

असम से आए कलाकारों ने बिहू, बैशाली, कार्बी, धमाही और शास्त्रीय सत्रिया नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों के माध्यम से वहां की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने

जवाहर कला केंद्र में आयोजित सरस राजसखी मेले में लोक कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी।

दर्शकों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध परंपराओं से रूबरू कराया। वहीं मेले के मंच पर पंजाब की पारंपरिक लोक कलाओं की प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। गिद्दा और भांगड़ा जैसे ऊर्जावान नृत्य रूपों ने दर्शकों में उत्साह भर दिया और पूरे परिसर को जोश और उमंग से भर दिया। विशेष रूप से मिजोरम के पारंपरिक चैरो नृत्य की प्रस्तुति दर्शकों के लिए एक अनूठा और यादगार अनुभव साबित हुई। बाँस की डंडियों के बीच तालबद्ध ढंग से थिरकते कलाकारों ने मिजोरम की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

महाराष्ट्र की पारंपरिक लावणी एवं गोंडल नृत्य की मोहक प्रस्तुति ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही आयोजित भव्य फैशन शो मेले का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें शो स्टॉपर के रूप में अभिनेत्री डेज़ी शाह उपस्थित रहीं।

फैशन शो की खास बात यह रही कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ रैम्प वॉक कर दर्शकों का दिल जीत लिया। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 में प्रतिदिन बदलते सांस्कृतिक रंग इस बात का प्रमाण हैं कि यह मेला न केवल एक आयोजन है, बल्कि भारत की विविध और जीवंत सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है, जिसे लोग पूरे उत्साह और सराहना के साथ अनुभव कर रहे हैं।

पशुपालन विभाग में 1055 अधिकारी पदोन्नत हुए

जयपुर (कासं)। पशुपालन विभाग के राजस्थान राज्य पशुपालन सेवा संवर्ग के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अतिरिक्त निदेशक स्तर के विभिन्न संवर्गो के कुल 1055 पदों के लिए शुक्रवार को शासन सचिवालय में पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान लोक सेवा आयोग के माननीय सदस्य डा. सुशील कुमार बिस्सु ने की। बैठक में शासन सचिव, पशुपालन विभाग डॉ. समित शर्मा, मुकुट बिहारी जांगिड़, संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक विभाग, दिनेश कुमार जांगिड़, संयुक्त शासन सचिव, पशुपालन विभाग एवं कार्यकारी निदेशक डॉ सुरेश चन्द मीना भी उपस्थित थे। शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि विभाग में वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, उपनिदेशक, संयुक्त निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन की पदोन्नितयॉ काफी समय से लम्बित थी। विभागीय पदोन्नित के अंतर्गत पात्रता एवं वरिष्ठता के आधार पर विभिन्न श्रेणियों के अधिकारियों को उच्च पदों पर पदोन्नत किया है। इससे विभागीय कार्मिकों के मनोबल में वृद्धि होगी और कार्यप्रणाली भी सुदृढ़ होगी।

जयपुर कलक्टर के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

स्वास्थ्य केन्द्र और श्री अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया

जयपुर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने शनिवार को अपने अपने क्षेत्रों में जाकर विकास कार्यो और सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जांची।

जयपुर (कासं)। जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शनिवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने फील्ड में जाकर व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उपखण्ड अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं तथा विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए।

■ अधिकारियों का यह दल अपनी रिपोर्ट कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी को सौंपेंगे

इसके साथ ही अधिकारियों ने श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, बैठने की सुविधा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लाभार्थियों से सीधा संवाद कर भोजन की गुणवत्ता एवं सेवाओं को लेकर उनकी राय भी जानी गई तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत जारी कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण उपरांत सभी अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रारूप में अपनी निरीक्षण रिपोर्ट जिला कलक्टर को प्रस्तुत की गई है, जिसके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पंजाब किंग्स को ऑक्शन में ज़्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले ही काफ़ी इन्वेस्ट कर दिया था। इसलिए यह साफ नहीं है कि उनके पास उनके लिए पर्याप्त बैकअप है या नहीं। - अभिनव मुकुंद

भारतीय क्रिकेटर, युजवेंद्र चहल को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जो रूट

रूट ने फॉक्स क्रिकेट को एक साइडलाइन इंटरव्यू में कहा, ज़ाहिर है, सीरीज हारना हमेशा बहुत निराशाजनक होता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी था कि हमने बाकी सीरीज के लिए बहुत ज़्यादा हिम्मत दिखाई।'' रूट ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के 18 टेस्ट में से 17 में खेले थे। ''इस टीम पर बहुत कुछ फेंका गया है और जिस तरह से हमने इन दो दिनों में जवाब दिया है, वह शानदार रहा है। साफ तौर पर यह एक बहुत तेज टेस्ट मैच था, जिस पिच पर हमें खेलने का मौका मिला, लेकिन मुझे लगता है कि हमने जितना हो सका, उसके हिसाब से खुद को ढाला और जब भी मौका मिला।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड ने एशेज 2025-26 के चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर 15 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर ऐतिहासिक टेस्ट जीत दर्ज की।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को टिम डेविड की चोट की चिंता, कमिंस को पूरी तरह ठीक होने का भरोसा

पर्थ, 27 दिसंबर। टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में सिर्फ़ एक महीने से ज़्यादा का समय बचा है, ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को एक चोट की चिंता सता रही है, क्योंकि पावर-हिटर टिम डेविड को शुक्रवार को बिग बैश लीग 2025-26 के एक मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया।

29 साल के टिम डेविड को यह चोट पर्थ स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होबार्ट हरिकेंस के लिए बल्लेबाजी करते समय लगी। डेविड को प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाली 28 गेंदों पर 42 रन बनाने के बाद चोट के कारण रिटायर होना पड़ा, जिससे हरिकेंस ने 151 रनों का पीछा करते हुए चार विकेट से जीत हासिल की।

6'5 की लंबी कद-काठी वाले डेविड 300 से ज़्यादा टी20 मैचों के अनुभवी खिलाड़ी हैं और ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर के अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 47 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 32.43 की औसत और 175.04 के स्ट्राइक रेट से 1038 रन बनाए हैं।

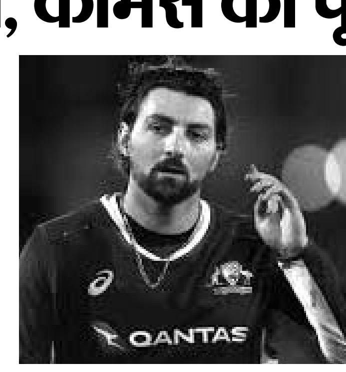

यह ताजा झटका डेविड की इस साल दूसरी हैमस्ट्रिंग चोट है। इससे पहले उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान भी चोट लगी थी, जिसके कारण वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के टाइटल जीतने के सफर से बाहर हो गए थे। उस चोट की वजह से वह लगभग दो महीने तक मैदान से बाहर रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया वनडे और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की फिटनेस पर भी नजर रख रहा है, जो 7 फरवरी को भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह से ठीक होने की कोशिश कर रहे हैं। 32 साल के कमिंस जून-जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान लगी पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एशेज सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे।

कमिंस तीसरे टेस्ट में लौटे और छह विकेट लिए, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें अगले दो मैचों में आराम दिया गया है। कमिंस ने शुक्रवार को चैनल 7 को एक इंटरव्यू में बताया, ''कुछ हफ़्ते पहले तक, मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा था, इसलिए लगातार टेस्ट मैच खेलना काफी जोखिम भरा था।अब 20 वर्ल्ड कप के लिए थोड़ा आराम करेंगे।''

ऑस्ट्रेलिया अपना टी20 वर्ल्ड कप अभियान 11 फरवरी को कोलंबो, श्रीलंका में आयरलैंड के खिलाफ शुरू करेगा। जहां कमिंस टेस्ट और वनडे में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते हैं, वहीं मिच मार्श टी20 में टीम की कप्तानी करते हैं। कमिंस ने 57 टी20 खेले हैं, जिसमें गेंदबाज़ी में उनका औसत 23.57 है और इकॉनमी रेट 7.44 है। पहली बार 2007 में आयोजित हुआ टी20 वर्ल्ड कप हर दो साल में होता है। ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपना एकमात्र खिताब जीता था, जिसमें फाइनल में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था।

सफेद गेंद क्रिकेट में वापसी की तैयारी में पंत

'बेंगलुरु, 27 दिसंबर। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से क्षितिज पर एक एयरपोर्ट रनवे दिखाई देता है। विमानों के उड़ान भरने की आवाज जमीन तक नहीं पहुँचती, लेकिन नज़ारा दिखता है। गुजरात द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद दिल्ली की पारी के अधिकांश समय - ऋषभ पंत खुद उड़ान भरने के लिए तैयार थे। लेकिन वह संयमित रहे, 20वें ओवर में 98 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद मैदान पर आए थे।

बेंगलुरु के बाहरी इलाके में, बड़ी भीड़ या ट्रैफिक की अनुपस्थिति में, खेल की गति बीच में आने वाली आवाज़ों से तय होती है: गेंदबाज के दौड़ने पर बल्ले की आवाज, फील्डरों का अपील के लिए ज़ोर से चिल्लाना, बाउंसर के बल्लेबाज के पास से गुज़रने के बाद आहें।

पिच ने तेज़ गेंदबाजों को थोड़ी गति और उछाल दी, जिससे बल्लेबाजों के लिए जीवन और मुश्किल हो गया, जैसा कि विराट कोहली ने 29 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। विशाल जायसवाल की शानदार लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी से स्टंप होने से पहले उन्होंने दिल्ली के 108 रनों में से 77 रन बनाए थे।

फील्ड फैली हुई थी, और दिल्ली के बल्लेबाजों के खत्म होने का खतरा था, ऐसे में पंत के लिए टिके रहना महत्वपूर्ण था, क्योंकि कोई राहत नजर नहीं आ रही थी। उन्होंने ज़्यादातर गेंदों को इन-फील्डरों के पास से निकालकर सिंगल लिए और 20 और फिर 30 रन बनाए।

पंत ने क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया और शुरुआत में शानदार, हवाई शॉट्स से काफी हद तक परहेज किया। क्रीज पर उनकी शांति, हर बार पिच पर बल्ला टैप करने पर जमा हो रही पावर से बिल्कुल अलग थी; उनका कंजर्वेटिव स्ट्रोक प्ले उस पावर से मेल नहीं खाता था जिसे वह उनमें इस्तेमाल कर रहे थे। फील्ड के पार एक और शॉट ने उन्हें 49 रन पर पहुंचा दिया।

फिर उन्होंने जैसे ही रवि बिश्नोई को अपनी हिटिंग आर्क से दूर एक गलत गेंद फेंकते देखा, उन्होंने स्विच ऑन कर दिया - लाइन के पार एक ज़ोरदार स्विंग के साथ उस पर टूट पड़े। उनका हाथ बल्ले से पूरी तरह अलग नहीं हुआ, जैसा कि उनके कई पावरफुल शॉट्स में होता है, लेकिन गेंद लॉन्ग-ऑन बाउंड्री के बहुत दूर चली गई।

स्प्रिंग काफी देर से कसा हुआ था, और अब 50 रन पार करने के बाद, गेंदों के बीच उनके मूवमेंट की गति में कुछ बदलाव आया: वह अचानक क्रीज के पार कूदते हुए दिखे, दूसरे छोर पर हर्ष त्यागी के साथ ग्लव्स टैप करने के लिए ज़्यादा उत्सुक थे।

अपने अर्धशतक के तुरंत बाद, वह घुटनों पर बैठ गए, डीप-बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ स्वीप किया, भले ही वह लगभग दूसरी तरफ गिर गए थे। उन्होंने 62 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

आशा देवी डागा टूर्नामेंट में इंस्पायर अकादमी और एसईडब्ल्यू ने जीत दर्ज की

जयपुर, 27 दिसंब। आरसीए द्वारा दिए गए 177/8 के लक्ष्य का पीछा करते हुए रजत सिंह और अमन सिंह शेखावत ने क्रमशः 75 और 81 रन बनाए। रजत सिंह ने 3 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। एसईडब्ल्यू ने 220/9 का स्कोर बनाया और पी.एस. अकादमी की टीम 124/10 पर सिमट गई। मानन सिंह ने 56 रन बनाए और किशन चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने 2 विकेट लिए और 28 रन भी बनाए।

अतुल गुप्ता होंगे जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता के ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी

जयपुर, 27 दिसम्बर। जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत के अनुसार 30 दिसंबर से 4 जनवरी तक सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल मे होने वाले श्री ओ एन दिक्षित मेमोरियल विंटर जयपुर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप व वेटरन सिलेक्शन ट्रायल के लिए अतुल गुप्ता को ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री नियुक्त किया गया है अतुल गुप्ता भूतपूर्व राष्ट्रीय स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुके हैं तथा वह राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के कोचिंग हेड व जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के कोषाध्यक्ष हैं अतुल गुप्ता अनुसार प्रतियोगिता 30 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगी तथा वेटरन खिलाड़ियों खिलाड़ियों के मैच तीन व चार जनवरी को खेले जाएंगे वेटरन खिलाड़ी सिर्फ तीन इवेंट में भाग ले सकते हैं जो की एक सिंगल्स एक डबल्स व एक मिक्स डबल्स होगा। एंट्री देने की अंतिम तिथि 29 दिसंबर होगी खिलाड़ी अपनी एंट्री सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल तथा विभिन्न एंट्री केन्द्र पर दे सकते हैं।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी : राजस्थान ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया, नावेद खान ने 183 रन बनाये

जयपुर, 27 दिसंबर। जयपुर में चल रही अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के मैच में उत्तरप्रदेश पहली पारी 178 आल आउट हो गई। इस मैच में राजस्थान पहली पारी में 494/9 घोषित हुई। टीम के लिए रजत बघेल 171, नावेद खान 183 व कुशाग्र ओझा 48 रन बनाए। उत्तर प्रदेश दूसरी पारी में 166/7, टीम के लिए भावी शर्मा 58 व युवराज 46 रन बनाये। आज मैच के अंतिम दिन राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप सिंह 27/4 व जतिन 45/3 विकेट प्राप्त किये।

दो दिवसीय टेस्ट से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को हो सकता है लाखों का नुकसान

मेलबर्न, 27 दिसंबर। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि ''छोटे टेस्ट बिजनेस के लिए खराब हैं'' और रिकॉर्ड भीड़ के बावजूद बॉक्सिंग डे टेस्ट में पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद उन्होंने माना कि उनकी रात नींद के बिना गुजरी। सीए को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पूरे बॉक्सिंग डे टेस्ट में भीड़ के रिकॉर्ड टूटेंगे, भले ही सीरीज खत्म हो गई थी, क्योंकि पहले तीन दिनों में पहले से बिके टिकटों की संख्या और पूरी सीरीज में अभूतपूर्व मांग थी।

लेकिन पर्थ में दो-दिवसीय टेस्ट में पहले दिन 19 विकेट गिरने के बाद 50 लाख ऑस्ट्रेलियन डॉलर (33 लाख डॉलर) के आसपास का नुकसान होने के बाद, अगर मेलबर्न टेस्ट छह सेशन के अंदर खत्म हो गया, ऐसे में सीए को एक और बड़े नुकसान का सामना करना पड़ सकता है, भले ही पहले दिन 94,199 की रिकॉर्ड भीड़ थी और दूसरे दिन भी सभी टिकट बिक गए थे।

दूसरे दिन के खेल शुरू होने से पहले एसईएन पर बोलते हुए, ग्रीनबर्ग से पूछा गया कि क्या एक दिन में 20 विकेट गिरना बहुत ज़्यादा है।उन्होंने कहा, ''मेरी राय में इसका सीधा जवाब हाँ है। एक प्रशंसक के तौर पर इसे देखना जितना मंत्रमुग्ध करने वाला, आकर्षक और मज़ेदार था, हम चाहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट साफ तौर पर ज़्यादा समय तक चले। ''एक आसान सा वाक्य जो मैं इस्तेमाल करूँगा वह है कि छोटे टेस्ट बिजनेस के लिए खराब हैं। मैं इससे ज़्यादा साफ तौर पर कुछ नहीं कह सकता। इसलिए मैं बल्ले और गेंद के बीच थोड़ा बेहतर संतुलन देखना चाहूंगा। मुझे लगा कि कल गेंद के पक्ष में थोड़ा ज़्यादा था। बल्लेबाजों की भी इसमें कुछ ज़िम्मेदारी है, यह पूरी तरह से पिच की वजह से नहीं है, लेकिन हमारे सामने कुछ चुनौतियाँ हैं।''

कई पूर्व खिलाड़ी, जो अब एक्सपर्ट बन गए हैं, पहले दिन एमसीजी की पिच की आलोचना कर रहे थे और सुझाव दे रहे थे कि यह सीमर्स के लिए बहुत ज़्यादा मददगार थी। ग्रीनबर्ग से पूछा गया कि क्या उनकी एडमिनिस्ट्रेशन ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों के लिए पिच तैयार करने में शॉर्ट-टर्म में ज़्यादा दखल देगी ताकि मैच छोटे न हों। ग्रीनबर्ग ने कहा, ''ऐतिहासिक रूप से हमने अपनी सभी विकेट की तैयारी में दखल न देने का तरीका अपनाया है और स्टाफ, हालात और उन विशेषताओं को सामने आने दिया है। लेकिन जब आप खेल पर, खासकर कमर्शियल तौर पर, इसका असर देखते हैं तो ज़्यादा शामिल न होना मुश्किल होता है। मैं यह नहीं कह रहा कि हम ग्राउंड स्टाफ से बात करने जाएंगे, लेकिन हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि गर्मियों के दौरान हमारी क्या उम्मीदें हैं।

दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज्यादा है : स्मिथ

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट दो दिन में हारने के बाद कहा कि दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज़्यादा है। स्मिथ ने शनिवार को मैच के बाद एमसीजी की पिच को लेकर कहा,'' हां, यह काफ़ी मुश्किल था। दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज़्यादा हैं। ग्राउंड्समैन के तौर पर यह काफ़ी मुश्किल है। मेरे हिसाब से वह हमेशा सही प्रकार का संतुलन देने की कोशिश करते हैं। पिछले साल की पिच बहुत अच्छी थी और मैच पांचवें दिन तक गया था। इस बार भी अगर 10 मिमी की जग़ह 8 मिमी रखते तो सही रहता। लेकिन ग्राउंड्समैन हमेशा सीखते हैं और इस मैच से उन्हें काफ़ी कुछ सीखने को मिलेगा।''

एमसीजी के क्यूरेटर मैट पेज ने इस बार 7-8 मिमी घास की जग़ह 10 मिमी घास रखी थी और अंत में इसी कारण से मैच सिर्फ़ दो दिन के अंदर खत्म हो गया। स्मिथ ने आगे कहा,'' जिन पिचों पर सीम गेंदबाज़ों को ज़्यादा मदद मिलती है, वहां स्पिन खेलना आसान होता है और ऐसे में आप यही सोचते हैं कि इस तरह की पिच पर स्पिनर को खिलाकर 30-40 रन अतिरिक्त क्यों देना है। पर्थ में भी हमने स्पिनरों का ज़्यादा इस्तेमाल नहीं किया था।

पिंक बॉल टेस्ट में भी स्पिनरों का उपयोग नहीं किया गया था। एडिलेड में पिच अलग थी इसलिए वहां मामला अलग था। इस मैच में भी स्पिन गेंदबाज़ों को गेंद देने की जरूरत नहीं लगी। मुझे मैच में स्पिनरों का योगदान अच्छा लगता है लेकिन जहां जरूरत नहीं है, वहां मतलब नहीं बनता।''

टेस्ट इतिहास में पहली बार ऑस्ट्रेलिया ने पूरे मैच में किसी स्पिनर से गेंद नहीं करवाई। चार मैचों में अभी तक दो मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चार तेज गेंदबाज खिलाए और पर्थ टेस्ट में भी नाथन लायन ने सिर्फ़ दो ओवर ही गेंदबाज़ी की थी। इंग्लैंड ने दो दिन के अंदर एशेज का चौथा टेस्ट जीता और यह इस सीरीज का दूसरा दो दिन वाला टेस्ट मैच था। इससे पहले 1912 में एक सीरीज में एक से ज़्यादा दो दिन के टेस्ट खेले गए थे और ऑस्ट्रेलिया में सिर्फ़ चार बार दो दिन के टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस सीरीज से पहले 1931 में मेलबर्न और 2022 में ब्रिस्बेन में यह रिकॉर्ड बना था। पिछले 20 सालों में एमसीजी की पिच ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाज़ी के लिए सबसे मुश्किल पिच थी। इसी कारण से 1932 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में अर्धशतक नहीं लगा। टेस्ट में सिर्फ़ 852 गेंदें खेली गई और इससे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा क्योंकि तीसरे दिन लगभग 90,000 दर्शक मैच देखने आने वाले थे और साथ ही चौथे दिन के लिए भी अच्छे ख़ासे टिकट बिके थे।

एमसीजी की पिच पर उठे सवाल

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे एशेज टेस्ट दो दिन के अंदर खत्म होने के बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच सवालों के घेरे में आ गई, दोनों टीमों के कप्तानों ने उस पिच पर अपनी राय दी, जिस पर पूरे मैच में सीम मूवमेंट था और बल्लेबाज़ी के लिए बहुत कम मौका मिला।

142 ओवर में कुल 36 विकेट गिरे, जिसमें तेज गेंदबाज़ों का दबदबा रहा और मैच में स्पिन का एक भी ओवर नहीं फेंका गया। यह टेस्ट - 2010-11 के दौरे के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली जीत - सिर्फ़ 952 गेंदों तक चला, जो इस एशेज सीरीज की शुरुआत में पर्थ टेस्ट से सिर्फ़ पांच गेंद ज़्यादा था। इससे ज़ाहिर है कि खेल के सबसे बड़े मैदानों में से एक पर पिच के संतुलन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने आकलन में साफ़ कहा कि अगर यह विकेट कहीं और तैयार किया गया होता, तो इसे अच्छी नजर से नहीं देखा जाता। स्टोक्स ने कहा, ''अगर यह पिच दुनिया के किसी और हिस्से में बनाई गई होती, तो इस पर गंभीर सवाल उठाए जाते।'' उन्होंने आगे कहा कि मैच रेफरी जेफ क्रो को उनका फीडबैक ''सबसे अच्छा नहीं होगा''। स्टोक्स ने कहा, ''जब आप मैदान पर जाते हैं और आपके सामने ऐसी परिस्थितियाँ होती हैं, तो आपको आगे बढ़कर उनका सामना करना होता है।लेकिन, सच कहूँ तो, आप ऐसा नहीं चाहते। बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच, आप नहीं चाहते कि मैच दो दिन से भी कम समय में खत्म हो जाए। यह आदर्श नहीं है, लेकिन एक बार जब आप खेल शुरू कर देते हैं तो आप इसे बदल नहीं सकते और आपको बस वही खेलना होता है जो आपके सामने है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि अगर यह दुनिया में कहीं और होता...''

दीप्ति शर्मा ने 1000 रन और 150 विकेट लेकर इतिहास रचा

तिरुवनंतपुरम, 27 दिसंबर। भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस मैच में उन्होंने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली तीसरी खिलाड़ी बनने की उपलब्धि के साथ इसी प्रारूप में एक हजार रन और 150 विकेट का डबल पूरा करने का भी कारनामा किया। वह इस प्रारुप में (महिला, पुरुष) दोनों में यह कारनामा करने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर है। ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शुक्रवार को दीप्ति के 3/18 के शानदार स्पेल से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की महान एलिस पेरी को पीछे छोड़ दिया है। पेरी ने 271 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 331 विकेट थे। दीप्ति के नाम अब 333 विकेट हो गए हैं। यह कारनामा करने वालों में वह अब केवल इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट और भारतीय दिग्गज झूलन गोस्वामी से पीछे हैं। 26 साल की दीप्ति ने इस छोटे फॉर्मेट में एक और बड़ा मुकाम हासिल किया। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर (पुरुष या महिला) खिलाड़ी बन गईं। दीप्ति ने श्रीलंका की कविशा दिलहारी को आउट करके यह मुकाम हासिल किया और बाद में अपना 151वां टी-20 विकेट लिया, जिससे वह ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के साथ महिला टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं।

स्टोक्स ऑस्ट्रेलिया में जीत का सूखा खत्म करके खुश हैं, लेकिन हालात आदर्श नहीं

मेलबर्न, 27 दिसंबर। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शनिवार को कहा कि उनकी इंग्लैंड टीम को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज जीत के लिए 14 साल का इंतजार खत्म करने पर गर्व होगा, लेकिन उन्होंने माना कि उनकी टीम के लिए हालात ''आदर्श नहीं'' थे, ऐसी पिच पर जो गेंदबाजों के लिए बहुत मददगार थी, और शुरुआती 11 दिनों में लगातार तीन हार के बाद सीरीज पहले ही गंवा दी गई थी। स्टोक्स और उनके पूर्व कप्तान, जो रूट, दोनों 2013-14 की उस टीम का हिस्सा थे जो लगातार तीन एशेज सीरीज जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी, लेकिन उन्हें 5-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसने ऑस्ट्रेलिया में 16 हार और दो ड्रॉ का सिलसिला शुरू किया, जो पिछले हफ्ते एडिलेड में 82 रन की हार के साथ खत्म हुआ। हालांकि, अब उन्होंने एमसीजी में सिर्फ दो दिनों में जीत दिलाने में मदद की है, एक ऐसी पिच पर जिसमें दोनों टीमों के किसी भी खिलाड़ी ने अर्धशतक नहीं बनाया। इंग्लैंड को 175 रनों का पीछा करना था, जो मैच का सबसे बड़ा स्कोर था, पहली पारी में 110 रन पर ऑल आउट होने के बाद 42 रन की बढ़त गंवाने के बाद, लेकिन उन्होंने इसे हमेशा की तरह तेज गति से किया, अपनी लंबी प्रतीक्षा को समाप्त करने के लिए सिर्फ 32.2 ओवर की आवश्यकता थी, जिसका श्रेय जैकब बेथेल (40), ज़ैक क्रॉली (37) और बेन डकेट (34) के महत्वपूर्ण योगदान को जाता है।

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग का दूसरा संस्करण आज से रांची में शुरू होगा

रांची, 27 दिसंबर। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग के रविवार को शुरु हो रहे दूसरे संस्करण में मेजबान रांची रॉयल्स और एसजी पाइपर्स के बीच भिड़ंत होगी। टूर्नामेंट में चार फ्रेंचाइजियों में देश भर के शीर्ष प्रतिभाशाली और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एक मैच पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

महिला लीग के सभी रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेलें जायेंगे। टूर्नामेंट में चार फ्रेंचाइजी - रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब और श्राची बंगाल टाइगर्स - खिताब के लिए स्पर्धा करेंगी। टूर्नामेंट डबल राउंड-रॉबिन प्रारुप में खेला जाएगा, जिसमें लीग फेज में हर टीम दूसरी टीमों से दो बार खेलेगी, जिसके बाद शीर्ष दो टीमें 10 जनवरी 2026 को ग्रैंड फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

तिलोत्तमा सेन ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल में 3 पोजिशन स्पर्धा में जीता स्वर्ण

भोपाल, 27 दिसंबर। कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाज़ी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन फाइनल में संयमित और तकनीकी रूप से मजबूत प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और क्वालिफिकेशन में दिखाई गई अपनी शानदार फॉर्म को फाइनल में भी बरकरार रखा। केरल की विदर्सा के विनोद ने 462.9 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि रेलवे की अयोनिका पॉल ने 451.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया।

इससे पहले तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन राउंड में 591-29 का स्कोर कर पहला स्थान हासिल किया था, जिससे तीनों पोज़िशनों में उनकी निरंतरता साफ झलकती है। विदर्सा 589-29 के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि कर्नाटक की अनुष्का एच थोकुर 588-33 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। फाइनल में अनुष्का पदक से चूकते हुए 441.2 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार ने 430.6 (585-30) के साथ पांचवां स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौकसे ने 585-29 के क्वालिफिकेशन स्कोर के बाद फाइनल में 430.6 के साथ छठा स्थान प्राप्त किया। श्रियंका सदांगी (403.9, 585-29) और रमिता (403.8, 586-29) ने फाइनल लाइन-अप को पूरा किया।

जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन स्पर्धा में सेना की ऋतुपर्णा सतीश देशमुख ने संतुलित और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए 458.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऋतुपर्णा ने क्वालिफिकेशन में 584-31 के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में शानदार वापसी की। हरियाणा की निश्छल ने कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन उन्हें 458.1 के स्कोर के साथ मात्र 0.5 अंक से पीछे रहकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कर्नाटक की अनुष्का एच थोकुर ने 447.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। जूनियर फाइनल में श्रिवल्ली 437.2 के साथ चौथे स्थान पर रहीं, इसके बाद रमिता 424.9 और तिलोत्तमा सेन 414.3 के स्कोर के साथ क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहीं। आर्या चौरसिया (401.0) और प्राची शशिकांत गायकवाड़ (388.9) ने फाइनल स्टैंडिंग पूरी की। सीनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन टीम स्पर्धा में राजस्थान ने 1751 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मणिनी कौशिक, स्वीटी चौधरी और मोनिका जाखड़ की तिकड़ी ने टीम को शीर्ष स्थान दिलाया। मध्य प्रदेश ने 1750 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा ने भी 1750 के समान स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

जूनियर महिलाओं की टीम स्पर्धा में कर्नाटक ने तिलोत्तमा सेन, अनुष्का एच थोकुर और वंशिका लाहोरिया के नेतृत्व में 1749 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश ने 1737 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि महाराष्ट्र ने 1729 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

गस एटकिंसन की चोट से इंग्लैंड की परेशानी बढ़ाई

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऐतिहासिक जीत के दौरान इंग्लैंड की चोटों की समस्या और गहरी हो गई, जब तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर चौथे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, एटकिंसन को शनिवार सुबह अपना पांचवां ओवर पूरा करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा, आखिरी गेंद फेंकने के बाद उन्हें साफ तौर पर परेशानी हो रही थी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बाद में पुष्टि की कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में दर्द हो रहा है और उनकी आगे जांच की जाएगी। इंग्लैंड ने एक बयान में कहा, ''गस एटकिंसन आज सुबह अपना पांचवां ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए, उन्हें अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में कुछ दर्द महसूस हुआ। अगले कुछ घंटों में उनकी जांच की जाएगी। आपको शुभकामनाएं, गस।'' यह चोट इंग्लैंड के लिए एक नया झटका है, जो पहले से ही इस सीरीज में तेज गेंदबाजी संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। एटकिंसन ने दिन की अच्छी शुरुआत की थी, सुबह के सेशन में नाइटवॉचमैन स्कॉट बोलैंड को जल्दी आउट कर दिया था, क्योंकि इंग्लैंड पहले दिन के नाटकीय खेल के बाद मैच में वापसी करने की कोशिश कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया पहले दिन 152 रन पर ऑल आउट हो गया था, जिसमें एटकिंसन ने दो विकेट लिए थे, लेकिन इंग्लैंड इसका पूरा फायदा नहीं उठा पाया और जवाब में 110 रन पर ऑल आउट हो गया, जिससे मेजबान टीम दूसरे दिन मजबूत स्थिति में आ गई। इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी यूनिट इस सीरीज में बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिसमें जोफ्रा आर्चर पहले ही बाहर हो चुके हैं और पहले तीन टेस्ट खेलने के बाद घर लौट आए हैं, जबकि मार्क वुड पर्थ में अपने एकमात्र मैच के बाद घुटने की चोट के कारण बाहर हो गए थे।

50 मी. राइफल 3पी टीम इवेंट में मानिनी कौशिक ने जीता गोल्ड मेडल

जयपुर, 27 दिसम्बर। मानिनी कौशिक के लिए एक और गोल्ड मेडल। इस बार भोपाल में एमपी स्टेट शूटिंग अकादमी में हो रही 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल 3 टीम इवेंट में। मानिनी कौशिक और उनकी टीम की साथी स्वीटी चौधरी और मोनिका जाखड़ की तिकड़ी ने 1741 पॉइंट हासिल करके मध्य प्रदेश और हरियाणा की टीमों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने कड़े मुकाबले में 1740-1740 पॉइंट हासिल किए थे।

सोमवार से अरावली के 20 जिलों में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने अरावली के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखने के सख्त निर्देश दिए

जयपुर, 27 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ सोमवार 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली पर्वतमाला के 20 जिलों में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। अभियान का संचालन खान, राजस्व, पुलिस, परिवहन और वन विभाग द्वारा संयुक्त रुप से किया जाएगा। अभियान का संचालन जिला कलक्टर के समन्वय से किया जाएगा।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे। इससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित व अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली।

■ वन/पर्यावरण व खान विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रूपए की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और सीईसी द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइंस के साथ ही सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है। परियोजना के तहत अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण करवाया जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, वन एवं पर्यावरण तथा खान विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अभियान की नियमित मोनेटरिंग खान मुख्यालय उदयपुर व प्रमुख सचिव माइंस के स्तर पर की जाएगी। अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान के दौरान की गई कार्यवाही को मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के भी निर्देश दिए गए ताकि अवैध खनन गतिविधि करने वालों पर सरकार की सख्ती का संदेश जा सकें।

दिल्ली में एक रात में 285 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। दिल्ली में बड़ा एक्शन हुआ है। इससे अराधियों में खलबली मच गई है। नए साल से पहले दिल्ली पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए बड़ी धड़-पकड़ की है। पुलिस के साउथ-ईस्ट जिले ने अपराध पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन आघात 3.0' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस अभियान के तहत, एक ही रात में विभिन्न आपराधिक मामलों से जुड़े 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध सामग्री बरामद की है। कुल 21 कंट्री मेड पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू जब्त किए गए, जो हथियारों की अवैध तस्करी और उपयोग को रोकने में मददगार साबित होंगे। इसके अलावा, नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए 6.01 किलोग्राम गांजा और 12,258 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई।

बांग्लादेश में हिंदू, कसाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, जैसे उम्मीदवारों और मतदाताओं की सुरक्षा, वो देश में पूरी तरह से गायब हैं। हालात को और जटिल बनाते हुए, निर्वासन में रह रहे बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के नेता तहरीक रहमान की वापसी ने हिंदू समुदाय के डर को और बढ़ा दिया है।

बेगम खालिदा रहमान के नेतृत्व में बीएनपी बांग्लादेश की सबसे कट्टर इस्लामी राजनीतिक पार्टियों में से एक रही है। इस पार्टी ने हिंदुओं को देश से उखाड़ फेंकने की नीतियों की वकालत की थी और खुले तौर पर उनसे देश छोड़ने को कहा था। अब उनका बेटा, जो सत्रह साल से अधिक समय तक लंदन में रह रहा था, वापस आ गया है और आशंका है कि वह भी अपनी मां की तरह हिंदुओं के खिलाफ नफरत और उत्पीड़न का वही रास्ता अपनाएगा। भारत से लगी सीमाएं बंद होने के कारण देश में फंसे अल्पसंख्यक हिंदू खुद को मानो कसाईखाने में कैद महसूस कर रहे हैं। करीब ढाई करोड़ हिंदुओं का पूरा समुदाय हर पल डर में जी रहा है कि कभी भी डराने-धमकाने या भीड़ द्वारा हत्या की घटना हो सकती है।

हाल ही में लगातार दो हिंदुओं की नृशंस हत्या ने पूरे देश में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। अब तो दिनदहाड़े सिर्फ हिंदू होने की पहचान के कारण भी किसी की हत्या हो सकती है और प्रशासन की ओर से कोई सुरक्षा नहीं मिलती। जमीनी स्तर पर सांप्रदायिकता इतनी बढ़ गई है कि बांग्लादेश में किसी हिंदू की हत्या अब जैसे कोई अपराध ही नहीं रह गई है। यह खतरा पूरे समुदाय के लिए रोजमर्रा की सच्चाई बन गया है। नई हिंदू पार्टी भारत से आग्रह कर रही है कि वह सीमाएं बंद रखने के बजाय उन्हें खोले। इसका मतलब यह नहीं है कि बांग्लादेश से हिंदुओं का बड़े पैमाने पर पलायन हो जाएगा, लेकिन खुली सीमा से कम से कम यह विकल्प बना रहेगा कि वे जरूरत पड़ने पर निकल सकें, और इससे कट्टरपंथी तत्वों पर भी मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ेगा।

बड़े पैमाने पर किसी भी पलायन से भारत की ओर से प्रतिक्रिया होगी और यह सांप्रदायिक तत्वों के लिए एक तरह का चेतावनी संकेत बनेगा।

इसी बीच, देश की समग्र स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और आम लोगों की हालत भी खराब होती जा रही है। पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से अर्थव्यवस्था को झटका लगा है और अब हालात और भी बिगड़ चुके हैं।

जब आम जनता की हालत बद से बदतर होती जा रही है, तो अल्पसंख्यकों की स्थिति उससे भी ज्यादा दयनीय है। उनमें से अधिकतर किसी तरह बस गुजारा कर रहे हैं। भारत को अपना रुख बदलना चाहिए और बड़े पैमाने पर हत्याओं से उन्हें बचाने के लिए सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए।

दिग्विजय सिंह आखिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलोकतांत्रिक" कांग्रेस नेतृत्व का पर्दाफाश कर दिया है।

केशवन ने एक्स पर की गई एक टिप्पणी में कहा, "क्या राहुल गांधी साहस दिखाएंगे और दिग्विजय सिंह के ट्वीट द्वारा छोड़े गए "सत्य बम" पर प्रतिक्रिया देंगे, जिसने पूरी तरह से यह उजागर किया है कि कांग्रेस का प्रथम परिवार पार्टी को तानाशाही तरीके से कैसे चलाता है और यह कांग्रेस नेतृत्व कितना तानाशाह और अलोकतांत्रिक है?"

दिग्विजय सिंह के पोस्ट में कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल्स, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी टैग किया गया था, जिसे हाई कमान को उनके (सिंह के) संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

एक हफ्ते पहले, उन्होंने कांग्रेस में सुधार की बात की थी और राहुल गांधी से इसे देखने की अपील की थी। उन्होंने 19 दिसम्बर को कहा था कि पार्टी को और ज्यादा "व्यावहारिक एवं विकेन्द्रीकृत कार्यप्रणाली" की आवश्यकता है। लेकिन यह अफसोस भी जताया था कि राहुल गांधी को "इसके लिये राजी करना आसान नहीं" है।

पोस्ट में लिखा गया, "राहुल गांधी जी, आप सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर पूरी तरह "सही" हैं। पूरे नम्बर। लेकिन अब कृपया कांग्रेस पार्टी पर भी ध्यान दें। जैसे ईसीआई एसवीईईपी (इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का मतदाता जागरुकता एवं शिक्षा कार्यक्रम) को सुधारों की आवश्यकता है, वैसे ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी। आपने 'संगठन निर्माण' से शुरुआत की है, लेकिन हमें अधिक व्यावहारिक विकेंद्रीकृत कार्यप्रणाली की आवश्यकता है। मुझे यकीन है कि आप इसे करेंगे, क्योंकि मुझे पता है कि आप यह कर सकते हैं। एकमात्र समस्या यह है कि आपको "तैयार करना" आसान नहीं है।

भाजपा ने उनके बयानों को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के नेता देशभर में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि कांग्रेस के अंदर कितना लोकतंत्र है।

सिंह के ये पोस्ट ऐसे समय में आए हैं, जब राज्य की राजनीति में मुश्किलें बढ़ रही हैं। उनका दूसरा राज्यसभा कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में खत्म हो रहा है, और तीसरे कार्यकाल की संभावना कम दिखती है। कमल नाथ और मीनाक्षी नटराजन पहले ही राज्यसभा के लिए कतार में हैं और उनकी सीट के लिए प्रमुख दावेदार हो सकते हैं। इसके अलावा, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानमंडल दल के नेता उमंग सिंघार को भी "दिग्विजय विरोधी" नेता माना जाता है।

लीपा-पोती कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(गांधी परिवार) की कांग्रेस को तानाशाही तरीके से चलाने के लिए आलोचना की। भाजपा के एक प्रवक्ता ने सिंह के पोस्ट को "सत्य बम" के रूप में वर्णित किया। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 1990 के दशक के एक ब्लैक एण्ड वाइट फोटो का स्क्रीनशॉट साझा किया, जो गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में भाजपा के दिग्गज नेता एल.के. आडवाणी कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं, जबकि युवा नरेन्द्र मोदी उनके पास फर्श पर बैठे नज़र आ रहे हैं। अपने पोस्ट में, सिंह ने बताया कि कैसे संघ के पारिस्थितिकी तंत्र में ग्रास रूट कार्यकर्ता रैंक में ऊपर उठते हैं और मुख्यमंत्री, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं। सिंह के पोस्ट का राजनीतिक संदेश स्पष्ट है, क्योंकि यह उनके राहुल गांधी को लिखे पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने राहुल की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की समझ की सराहना की थी, लेकिन पार्टी संगठन को विकेन्द्रीयकृत निर्णय लेने के जरिए मजबूत करने की अपील की थी। सिंह ने उस संदेश में स्वीकार किया था कि राहुल को मनाना "आसान नहीं है।" यह बयान पार्टी के अंदर असहजता का कारण बना था।

शरद पवार शिवसेना-मनसे गठबंधन में शामिल

मुंबई, 27 दिसंबर। महाराष्ट्र में तेजी से बदलते घटनाक्रम के मद्देनजर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने घोषणा की कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) गठबंधन में शामिल हो गई है।

यह घटनाक्रम तब हुआ, जब शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता जयंत पाटिल ने शुक्रवार को बांद्रा पूर्व में मातोश्री आवास पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और पुणे में अजित पवार और शरद पवार के बीच गठबंधन की सारी संभावनाएं खत्म हो गईं।

गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मीडियाकर्मियों को बताया था कि बीएमसी सहित, नगर निगमों के आगामी चुनाव लड़ने के लिए प्रकाश अम्बेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन के लिए बातचीत शुरू हो गई है।

बीएमसी चुनाव में शरद पवार से गठबंधन करने के बाबत राउत ने कहा," शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं। हम सभी महसूस करते हैं कि उन्हें हमारे साथ होना चाहिए। हम सभी चाहते थे कि उनके जैसा वरिष्ठ नेता उनकी पार्टी गठबंधन में हो।

दिग्विजय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अकेले हैं? क्या पार्टी में अन्य नेता भी वही महसूस कर रहे हैं जो दिग्विजय सिंह ने कहा?

और सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों दिग्विजय सिंह की बातों को सबने चुप होकर सुना, बिना किसी जवाब और पलटवार के?

राहुल गांधी के कट्टर समर्थक क्यों चुप थे?

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शीर्ष अदालत का यह दखल अरावली पहाड़ियों की बदली हुई परिभाषा के कारण हुए सार्वजनिक विरोध और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बाद आया है। यह क्षेत्र अपने इकॉलॉजिकल महत्व और रेगिस्तान बनने से रोकने और भूजल स्तर को बनाए रखने में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञ और सिविल सोसाइटी संगठनों ने चिंता जताई है कि परिभाषा में बदलाव पहले से संरक्षित क्षेत्रों में माइनिंग और निर्माण गतिविधियों को कानूनी मान्यता मिल सकती है।

असम में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने आए, जिनमें जनसांख्यिकीय समानता पाई गई और उन्हें सुधार के लिए चिन्हित किया गया। आयोग के मुताबिक, यह पूरी प्रक्रिया घर-घर जाकर सत्यापन के जरिए की गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908